फोनः-4103333, 2362400 फैक्सः-0141-2373513 वर्षः 75 संख्याः 13 प्रभात जयपुर, मंगलवार 13 अगस्त, 2024 डाक पं.सं. जयपुर सिटी/001/2021-23 पृष्ठ 8 मूल्य 2.75 रु.

ARBiT

जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

epaper.rashtradoot.com

राष्ट्रदूत

Metro

Rashtradoot

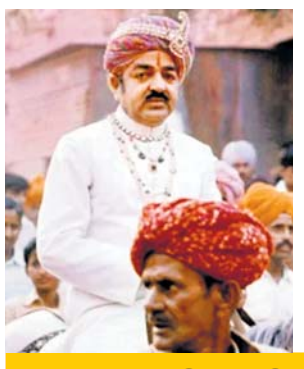

FREEDOM OF JAISALMER

Rajputana had no significant press movement. The printing presses were subservient to the local Maharawal and all flow of information was controlled.

"Au revoir" The French Way

Yseult dressed in *Dior Haute Couture ensemble* that paid homage to the iconic fashion house's rich history

सेबी की चेयरमैन माधवी पुरी बुच की भूमिका पर तलवारें खिंची मोदी सरकार व विपक्ष में

सरकार का कहना है कि श्रीमती बुच को कठघरे में खड़ा करके विपक्ष उस षड़यंत्र का हिस्सा बन गया है, जो भारत में कोई ''इकोनॉमिक इन्वेस्टमैंट'' नहीं होने देना चाहता

- सरकार का यह भी कहना है कि हिंडनबर्ग रिसर्च, जिसने श्रीमती बुच व अडानी ग्रुप की सांठ-गांठ का आरोप लगाया है, के मालिक हंगरी में जन्मे अमेरिकी इन्वेस्टर सोरोस हैं तथा सोरोस शुरु से भारत, नरेन्द्र मोदी व भाजपा के खिलाफ प्रोपैगैंडा करते रहे हैं।
- दूसरी ओर हिंडनबर्ग रिपोर्ट में स्पष्ट लिखा है श्रीमती बुच, सेबी की अध्यक्ष के रूप में सदा अडानी ग्रुप के बचाव में रही हैं।
- तथा हिंडनबर्ग रिपोर्ट में प्रकाशित सबूत व आरोपों, जिनकी पुष्टि 40 निष्पक्ष व स्वतंत्र मीडिया ग्रुप्स ने भी की है, की अनेदखी करती रहीं हैं, सेबी की अध्यक्ष के रूप में।
- हिंडनबर्ग रिपोर्ट ने यह भी आरोप लगाया है कि श्रीमती बुच ने इस बात को भी कभी सार्वजनिक नहीं किया कि उनके पास उस कंपनी में शेयर थे जिसे अडानी ग्रुप ने काम में लिया था, अपना ब्लैक का पैसा वाइट करने के लिये।
- सेबी के नियमों के अनुसार, सेबी के किसी भी अधिकारी का उस केस में थोड़ा बहुत भी ''इन्टरेस्ट'' है, जिसकी सेबी जाँच-पड़ताल कर रही है या करने की सोच रही है तो उस अफसर के लिए ''अपना इन्टरेस्ट'' सार्वजनिक करना या उस जाँच से अपने को अलग कर लेना अनिवार्य होता है।

-डॉ. सतीश मिश्रा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 12 अगस्त। जैसी कि उम्मीद थी, ताजातरीन हिंडनबर्ग रिपोर्ट को लेकर सत्तारूढ़ भाजपा और विपक्ष के बीच साफ तौर पर आमने सामने आ गए हैं। ज्ञातव्य है कि इस रिपोर्ट में आरोप लगाया गया है कि एस.ई.बी.आई. (सेबी) प्रमुख माधवी पुरी बुच तथा उनके पति धवल बुच की अडानी के घोटाले में गहरी लिप्तता है तथा अडानी के उस गुमनाम ऑफशोर फंड में बुच-युगल की हिस्सेदारी है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के घोर समर्थक इस पूरे मुद्दे को राष्ट्रहित के खिलाफ एक साजिश के रूप में देख रहे हैं।

हिंडनबर्ग रिसर्च की रिपोर्ट में विसल ब्लोअर दस्तावेजों का हवाला देते हुये यह दावा किया गया है कि बुच दम्पति आई.पी.ई. प्लस फंड, जो एक ऑफशोर (देश से बाहर स्थित) फर्म है, में शामिल है तथा यह फर्म संवीक्षा (स्क्रूटनी) में आ गई है। रिपोर्ट में आरोप लगाया गया है कि गौतम अडानी का भाई, विनोद (कॉम्प्लेक्स स्ट्रक्चर) के हिस्से के रूप में करता था, जो मनी-लॉन्डरिंग के लिये अनेक ऑफशोर फंड्स से जुड़ा

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

एस.आई. पेपर लीक केस, सुप्रीम कोर्ट ने एस.एल.पी. खारिज की

जयपुर, 12 अगस्त (का.सं.)। सुप्रीम कोर्ट ने एस.आई. भर्ती-2021 पेपर लीक मामले में एस.ओ.जी. की ओर से की गई आरोपियों की गिरफ्तारी की कार्रवाई को सही माना है। इसके साथ ही, सुप्रीम कोर्ट ने आरोपियों को जमानत देने से इन्कार करते हुए उनकी स्पैशल लीव पिटिशन (एस.एल.पी.) खारिज कर दी। जस्टिस पी.एस. नरसिम्हा और जस्टिस पंकज मित्थल की खंडपीठ ने यह आदेश आरोपी सुभाष विश्नोई व अन्य की एस.एल.पी. पर दिए।

- सुप्रीम कोर्ट ने एस.आई. पेपर लीक केस के ट्रेनी आरोपियों की गिरफ्तारी को सही माना और आरोपियों को जमानत देने से इन्कार करते हुए उनकी एस.एल.पी. खारिज कर दी।

खंडपीठ ने कहा कि आरोपियों का अपराध एक व्यक्ति विशेष के खिलाफ न होकर पूरे समाज के खिलाफ है। आरोपियों ने लाखों प्रतिभाशाली लोगों की भावनाओं के साथ खेला है और ऐसे में उन्हें किसी भी तरह की राहत नहीं दे सकते। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि एस.ओ.जी. पहले आरोपियों को पूछताछ के लिए लाई थी और उनके

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

ये माधवी पुरी बुच आखिर हैं कौन?

सेबी की वर्तमान अध्यक्ष, श्रीमती बुच 2017 से सेबी अध्यक्ष अजय त्यागी के कार्यकाल में सेबी के बोर्ड की सदस्य बनीं, तदोपरान्त सेबी की पहली महिला अध्यक्षा बनीं

- श्रीमती बुच, पहली व्यक्ति हैं, जो प्राइवेट सैक्टर से सेबी के सर्वोच्च पद पर नियुक्त हुई हैं।
- श्रीमती बुच ने सेंट स्टीफन्स कॉलेज दिल्ली से मैथमैटिक्स (गणित) में ग्रेजुएशन (स्नातक) की पढ़ाई की तथा इसके बाद आई.आई.एम. अहमदाबाद से एम.बी.ए. की शिक्षा ग्रहण की।
- अठारह वर्ष की उम्र में धवल बुच से मंगनी की, उस समय उनके भावी पति, बहुराष्ट्रीय कंपनी युनिलीवर में निदेशक थे। 21 वर्ष की आयु प्राप्त करने के बाद दोनों की शादी हुई
- वे कई महत्वपूर्ण पदों पर रह चुकी हैं तथा सेबी में कई नये टैक्नोज़िकल सिस्टम शुरु करवाये हैं। सेबी में ''कॉरपोरेट कल्चर'' (कोरपीटाइज़ेशन) की प्रक्रिया उन्होंने आरम्भ की।
- हिंडनबर्ग रिपोर्ट में माधवी पुरी बुच व उनके पति धवल बुच पर अडानी ग्रुप के शेयर के दाम बेहिसाब तरीके से बढ़वाने में मदद करने का आरोप लगा हुआ है।

माधवी----
-डॉ. सतीश मिश्रा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 12 अगस्त। सिक्यूरीटीज़ एक्सचेंज बोर्ड (सेबी) की अध्यक्ष माधवी पुरी बुच, जो कि अमेरिका रिसर्च फर्म हिंडनबर्ग की रिपोर्ट में लगाए गए आरोपों के कारण विवादों के घेरे में हैं, सेबी की पहली महिला अध्यक्ष हैं।

वर्ष 1966 में जन्मी माधवी अप्रैल 2017 से ही सेबी के पूर्व अध्यक्ष अजय त्यागी के साथ सेबी की पूर्णकालिक सदस्य के रुप में काम कर चुकी हैं। वे पहली ऐसी शख्सियत हैं जिन्हें प्राइवेट सैक्टर से लाकर इस पोस्ट पर लगाया गया था। वे पहली श्ख्स थीं, जो प्राइवेट सैक्टर से आईं और उन्हें सेबी का प्रमुख बनाया गया। इस पर काफी विवाद भी उठा और पूछा गया कि आखिर उन्हें इस सर्वोच्च पद पर लाने के पीछे किसका हाथ है।

इसी के साथ यह कहा जाना भी आवश्यक है कि सेबी अध्यक्ष के रुप में माधवी ने सिस्टम को सुचारु रुप से चलाने में और संगठन की कार्यक्षमता बढ़ाने के लिए उसका व्यवसायीकरण करने में अहं भूमिका निभाई थी।

माधवी पुरी बुच ने मुम्बई के फोर्ट कॉन्वैन्ट और दिल्ली के कॉन्वैंट आफ जीसस एण्ड मैरी से स्कूली शिक्षा पूरी की और दिल्ली के सेंट स्टीफंस कॉलेज से उन्होंने गणित विषय में ग्रेजुएशन किया और अहमदाबाद आई.आई.एम

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

डॉ. किरोड़ी लाल मीणा फिर से मंत्री पद संभाल सकते हैं

पिछले दो दिन से आपदा प्रबंधन की स्थिति का जायजा ले रहे हैं डॉ. किरोड़ी

- डॉ. किरोडी, भजनलाल सरकार में ग्रामीण विकास और आपदा प्रबंधन मंत्री के पद पर ही थे।
- मंगलवार को भी डॉ. किरोड़ी पूर्वी राजस्थान के जिलों का दौरा करेंगे।
- भाजपा के नए प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने भी कहा कि डॉ. किरोड़ी जल्दी ही मंत्री पद की जिम्मेवारी संभालेंगे।

जयपुर, 12 अगस्त (का.सं.)। भजनलाल सरकार में मंत्री पद से इस्तीफा दे चुके किरोड़ीलाल मीणा एक बार फिर से मंत्री पद संभाल सकते हैं, जिसके संकेत अब मिलने लगे हैं। पिछले दो दिनों से किरोड़ीलाल मीणा प्रदेश में आपदा प्रबंधन की स्थिति पर नजर बनाए हुए हैं। वे भजनलाल सरकार में ग्रामीण विकास और आपदा प्रबंधन विभाग का जिम्मा संभाल रहे थे। मंत्री पद से इस्तीफा देने के बाद किरोड़ी विभाग का कामकाज नहीं देख रहे थे। लेकिन अब अचानक किरोड़ी आपदा प्रबंधन विभाग में सक्रिय हुए हैं। रविवार को उन्होंने आपदा प्रबंधन विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव आनंद कुमार से प्रदेश में भारी बारिश से उपजी स्थिति के संबंध में वार्ता की। वहीं, मंगलवार को किरोड़ी पूर्वी राजस्थान के जिलों में जलभराव वाले इलाकों का दौरा करेंगे। भाजपा प्रदेशाध्यक्ष मदन राठौड़ ने भी कहा कि किरोड़ी जल्द कामकाज संभालेंगे, उन्होंने भावनात्मक रूप से मंत्री पद से इस्तीफा दिया था।

गौरतलब है कि किरोड़ीलाल मीणा ने लोकसभा चुनावों में दौसा सीट नहीं जीतने पर मंत्री पद से इस्तीफा देने की बात कही थी। चुनाव में भाजपा दौसा लोकसभा सीट हार गई, जिसके बाद किरोड़ीलाल मीणा ने मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा को अपना इस्तीफा भेज दिया। इसका खुलासा खुद किरोड़ी ने 4 जुलाई को जयपुर में एक धार्मिक कार्यक्रम के दौरान मीडिया से बात करते हुए किया था।

उसके बाद से ही किरोड़ी विभाग का कामकाज नहीं देख रहे थे। लेकिन, पिछले दो दिन से किरोड़ी प्रदेश में आपदा प्रबंधन को लेकर सक्रिय दिखाई दे रहे हैं। रविवार को किरोड़ी ने आपदा प्रबंधन के अतिरिक्त मुख्य सचिव सहित अन्य अधिकारियों से प्रदेश की स्थिति के बारे में वार्ता की। इसके अलावा, मंगलवार को वे महुवा, वैर, (श्रीनगर) बयाना, हिण्डौन, करौली, गंगापुरसिटी, सवाईमाधोपुर में जलभराव वाले इलाकों के दौरे पर रहेंगे। इसकी जानकारी उन्होने अपने सोशल मीडिया अकाउन्ट एक्स पर भी दी।

डॉ. किरोड़ीलाल मीणा के पिछले

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

सिंघानिया वि.वि. पर कार्रवाई क्यों नहीं- हाई कोर्ट

जयपुर, 12 अगस्त (का.सं.)। राजस्थान हाईकोर्ट ने नेशनल मेडिकल काउन्सिल (एन.एम.सी.) से मान्यता लिए बिना ही एम.बी.बी.एस. कोर्स संचालित करने वाली झुंझुंनूं की सिंघानिया युनिवर्सिटी के खिलाफ

- नैशनल मैडिकल काउन्सिल से मान्यता लिए बिना ही एम.बी.बी.एस. कोर्स संचालित कर रहे झुंझुनू के सिंघानिया विश्वविद्यालय पर कार्यवाही नहीं करने को हाई कोर्ट ने गंभीर माना और राज्य सरकार से जवाब तलब किया है।

शिकायत मिलने के बाद भी राज्य सरकार की ओर से कार्रवाई नहीं करने को गंभीर माना है। इसी क्रम में अदालत ने अतिरिक्त मुख्य उच्च शिक्षा सचिव को मंगलवार को उपस्थित होकर यह

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

भाजपा व विपक्ष यू.पी. के बाय इलैक्शन ऐसे लड़ रहे हैं, जैसे अस्तित्व की लड़ाई हो

10 सीटों पर उपचनुाव हो रहे हैं उनमें से सात भाजपा व सहयोगी दलों के पास थी तथा बाकी तीन पर सपा आदि का कब्जा था

- पर, इस बार उपचुनाव में दोनों राजनीतिक ग्रुप अपनी पुरानी सीट पर जीतने के प्रयास में ही नहीं हैं, बल्कि 10-0 का स्कोर चाहते हैं।
- भाजपा लोकसभा चुनाव में पायी असफलता का कलंक धो देना चाहती है।
- इंडिया गठबंधन 10-0 का स्कोर हासिल कर यह जताना चाहता है कि लोकसभा की सफलता कोई अपवाद नहीं थी, बल्कि जनता के मूड का सही मापदंड था और यह मूड अभी भी बरकरार है।
- कांटे की टक्कर फैज़ाबाद जिले की मिल्कीपुर सीट पर है। लोकसभा चुनावों में फैजाबाद सीट पर सपा जीती थी, यह भाजपा के मुंह पर चपत था, क्योंकि इस सीट के केन्द्र बिन्दु अयोध्या में भव्य मंदिर बनवाया था, भाजपा ने।

-श्रीनन्द झा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 12 अगस्त। ऐसा प्राय: देखने में नहीं आता है कि विधानसभा उपचुनाव इतने महत्वपूर्ण मान लिये जायें, जितने उत्तर प्रदेश की 10 विधानसभा सीटों के आगामी उपचुनाव मान लिये गये हैं। लोकसभा चुनाव में लगे आघात के जख्मों को अभी भी सहला रही भाजपा ने शनिवार को राज्यव्यापी ''तिरंगा यात्रा'' शुरु कर दी, जिसका उद्देश्य हिन्दुत्व और राष्ट्रवाद के उद्घोष को और अधिक सशक्त करना है। राज्य के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने ''मिशन-20'' लॉन्च कर ही दिया है, जिसके अन्तर्गत सभी दस चुनाव क्षेत्रों में से प्रत्येक की चुनाव व्यवस्था की देख-रेख के लिये दो-दो मंत्री लगा दिये गये हैं।

इसी प्रकार, कांग्रेस ने एक महीने का प्रचार अभियान शुरु कर दिया है, जो जातिगत जनगणना की उसकी माँग तथा वक्फ संशोधन विधेयक पर उसके द्वारा उठाई गई आपत्तियों पर केन्द्रित है। जहाँ तक समाजवादी पार्टी का प्रश्न है, वह अपने पी.डी.ए. मुद्दे पर जोर देने के लिये पूरे राज्य में पदयात्रा आयोजित कर रही है।

इन 10 सीटों में से, भाजपा ने 2022 के चुनाव में 5 सीटें जीती थीं तथा इसके दो मित्र दलों ने एक-एक सीट जीती थी। शेष सीटें सपा के खाते में गई थीं। इन उपचुनावों के बारे में एक विशेष पहलू यह है कि 2022 के चुनावों में प्राप्त सीटों को अपने पास बनाये रखने की लड़ाई के बजाय, दोनों ही गठबंधन- एन.डी.ए. तथा इंडिया इन उपचुनावों को सभी चुनावी लड़ाइयों की मां मानते हुये लड़ रहे हैं। दोनों ही गठबंधन इन उपचुनावों का परिणाम 10-0 रखने के लिये संकल्पित हैं। जाहिर है, दोनों ही गठबंधनों के लिये इन उपचुनावों का राजनैतिक महत्व बहुत ही ज्यादा है। इन उपचुनावों के नतीजे से ही यह तय होगा कि योगी आदित्यनाथ राज्य के मुख्यमंत्री बने रहेंगे अथवा नहीं। वहीं, इंडिया ब्लॉक के लिये ये चुनाव इस बात का संकेत देंगे कि उसे लोकसभा में मिला लाभ वास्तविक तथा स्थायी था अथवा नहीं।

इन 10 सीटों में, सबसे ज्यादा महत्व मिल्कीपुर सीट को दिया जा रहा है। भाजपा इस सीट को जीतने के लिये

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

तेलंगाना के कैब चालकों ने आंध्र के टैक्सी चालकों को भगाने की मुहिम शुरु की

तेलंगाना कैब ड्राइवर्स का मत है कि आंध्र के टैक्सी चालकों की वजह से उनकी आजीविका प्रभावित हो रही है

- तेलंगाना के कैब ड्राइवर्स की यूनियन ने राज्य सरकार से व अन्य राज्यों के कैब ड्राइवर्स के काम काज पर सख्ती बरतने का आग्रह किया, पर, उनका निशाना आंध्र के कैब ड्राइवर्स हैं, जो उनकी ही तरह तेलुगू भाषी हैं।
- दस साल पहले जब आंध्र प्रदेश का विभाजन हुआ था और तेलंगाना व आंध्र दो राज्य बने थे तब हैदराबाद को दस साल के लिए दोनों राज्यों की राजधानी करार दिया गया था, और तब से ही दोनों तेलुगू भाषी राज्यों के कैब ड्राइवर्स अपना-अपना काम कर रहे थे।
- पर, समझौते के अनुसार, 2 जून 2024 से हैदराबाद संयुक्त राजधानी नहीं रह गया है, अब यह सिर्फ तेलंगाना की राजधानी है। तब से ही तेलंगाना के कैब ड्राइवर्स आंध्र के टैक्सी चालकों को भगाने पर तुले हैं।

-लक्ष्मण वैंकट कुची-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 12 अगस्त। आंध्रप्रदेश और तेलंगाना दोनों राज्यों के लोग तेलुगूभाषी हैं, लेकिन तेलंगाना की राजधानी हैदराबाद में आंध्र के कुछ लोग टैक्सियां चला रहे हैं। आजीविका का मृद्दा गर्माने के कारण इन टैक्सी वालों से आंध्रप्रदेश जाने के लिए कहा जा रहा है।

तेलंगाना मूल के कैब चालक इस बात को लेकर परेशान है कि आई.टी. हब हैदराबाद में बाहर के वाहनों की बाढ़ आई हुई है और ये लोग उनकी आजीविका छीन रहे हैं।

आंध्रप्रदेश के विभाजन से एक लम्बे जनांदोलन के बाद दस वर्ष पूर्व तेलंगाना और आंध्रप्रदेश और 2 जून 2024 के एक समझौते के अनुसार हैदराबाद अब दोनों राज्यों की एक राजधानी नहीं रहा है और तभी से तेलंगाना के टैक्सी ड्राइवर आंध्र के टैक्सी ड्राइवर्स को राज्य से बाहर निकालने का दबाव बना रहे हैं।

स्थानीय कैब यूनियन ने राज्य सरकार से अनुरोध किया है कि वह हैदराबाद में चलने वाले अन्य राज्य के वाहनों के संचालन को रैग्युलेट करे। वास्तव में, आंध्रप्रदेश, कर्नाटक, हरियाणा, दिल्ली, महाराष्ट्र और तमिलनाडू के वाहनों का परमिट लैप्स हो जाने के बावजूद ऐप आधारित शेयरिंग सर्विसेज तथा सॉफ्टवेयर फर्म्स के लिए कार्य करते पाया गया है।

स्थानीय टैक्सी ऑपरेटर्स ने कहा है कि बाहर के राज्यों की कैब्स में से ज्यादातर आंध्रप्रदेश की हैं और परिवर्तन विभाग को बाहर के वाहनों पर कार्रवाई करनी चाहिए।

अब, हैदराबाद में कार्यरत आंध्र के टैक्सी ऑपरेटर्स आंध्रप्रदेश के उपमुख्यमंत्री पवन कल्याण ने यूनियन के नेताओं से बात कर अनुरोध किया है कि आंध्र के लोगों को भी हैदाराबाद में काम करने दिया जाए। इस अनुरोध पर तेलंगाना की कैब ड्राइवर्स यूनियन ने कहा कि वह आंध्र के कैब ड्राइवर्स के खिलाफ नहीं है, बल्कि उनका विरोध एग्रीगेटर कम्पनियों से हैं जो अवैध रूप से सर्विस प्रोवाइड कर रही हैं।

''तेलंगाना गिग एण्ड प्लेटफॉर्म वर्कर यूनियन'' के अध्यक्ष शाईक सलाउद्दीन ने कहा कि ''तेलंगाना में संचालित अन्य राज्य के वाहन राजकोष को प्रभावित करते हैं। त्योहारों के सीज़न में निजी वाहनों द्वारा अवैध कैब सर्विसेज बढ़ जाती हैं जिससे पंजीकृत कैब ड्राइवर्स का कारोबार प्रभावित होता है तथा यात्री सुरक्षा का भी जोखिम रहता है।''

आंध्रप्रदेश के उपमुख्यमंत्री पवन कल्याण ने तेलंगाना की कैब ड्राइवर्स यूनियन से अपील की है कि वे अपने साथी तेलुगू भाषी लोगों को अपने साथ काम करने की मंजूरी दें क्योंकि दोनों तेलुगू भाषी राज्यों के विकास के लिए उनमें एकता जरूरी है। आंध्र के कैब ड्राइवर्स को हैदराबाद से चले जाने की बात कहना अनुचित है। उन्होंने तेलंगाना के कैब ड्राइवर्स से अनुरोध किया कि वे आंध्रप्रदेश के अपने भाईयों के साथ संवेदनशीलता से काम लें क्योंकि उन्हें अपने स्थान से हटाने का मतलब होगा 2 हजार परिवारों की आजीविका छीनना।

पवन कल्याण ने यह भी कहा कि वह इस समस्या के समाधान का प्रयास करेंगे और तेलंगाना सरकार के संबंधित लोगों से बात करेंगे। तेलुगू भाषी दोनों राज्यों को परस्पर सहयोग की आवश्यकता है।

उप मुख्यमंत्री दिया कुमारी की सुरक्षा में चूक

अजमेर, 12 अगस्त (कासं)। एक दिवसीय दौरे पर सोमवार को उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी जब अधिकारियों की बैठक लेने अजमेर के जिला कलैक्ट्रेट सभागार पहुंचीं तो उनकी सुरक्षा व्यवस्था में सेंधमारी करते हुए एक युवक बैठक में पहुंच गया। बैठक में तीनों जिले के एस.पी. और कलैक्टर सहित

- अजमेर कलैक्ट्रेट में मीटिंग के दौरान एक अज्ञात युवक दौड़ता हुआ आया और सभागार में घुस गया, पुलिस ने युवक को पकड़ लिया है।

अन्य अधिकारी भी मौजूद थे। सुरक्षाकर्मियों ने बाद में युवक को पकड़ कर पुलिस के हवाले कर दिया। पुलिस युवक से पूछताछ में जुटी है।

जिला कलैक्ट्रेट के सभागार में सोमवार को जब उपमुख्यमंत्री दिया

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

विचार बिन्दु

जो आदमी नशे में मदहोश हो उसकी सूरत उसकी माँ को भी बुरी लगती है। -तिरुवल्लुवर

सदनों की गरिमा बनाए रखने का दायित्व सांसदों और आसन, दोनों का है

लोकसभा एवं राज्यसभा संसद के दो सदन हैं ,जहां पूरे देश से संबंधित विभिन्न विषयों पर न केवल चर्चा होती है अपितु आवश्यकता अनुसार कानून भी बनाए जाते हैं। गत कुछ वर्षों से यह अनुभव किया जा रहा है कि इन सदनों का महत्व कम किया गया है। कई बार अत्यंत महत्वपूर्ण विषयों पर कानून, बिना किसी चर्चा के, शोर शराबे के बीच पारित कर दिए गए। इस कारण, जिस प्रकार की विस्तृत चर्चा सांसदों द्वारा की जानी चाहिए, वह नहीं हो पाई। यह स्थिति, संविधान के अनुच्छेद 107 की भावना के विपरीत है, जिसमें यह अपेक्षा की गई है कि कोई भी कानून तब ही पारित होगा, जब सदन की उस पर सहमति हो। सहमति का अर्थ यही है कि विधेयक, सदस्यों को समय पर प्राप्त हो ताकि वे उसका अध्ययन कर सकें एवं चर्चा में भाग ले सकें। लोकसभा में किसानों से संबंधित तीन कानून शोर शराबे में बिना चर्चा के पारित कर दिए गए थे। बिना चर्चा के कानून पारित करने का परिणाम यह हुआ कि उठा किसान आंदोलन हुआ जो लंबा चला एवं सरकार के पूरे दमन के बावजूद इन तीनों कानूनों को सरकार को पुनः वापस लेना पड़ा। इस अटपटी स्थिति से बचा जा सकता था, यदि विपक्ष के सदस्यों द्वारा भी इन कानूनों के गुणअवगुण पर गहन चर्चा होती एवं इनके संभावित प्रभाव का समुचित आकलन करने का अवसर मिलता।

उल्लेखनीय है कि लोकसभा के अध्यक्ष एवं राज्यसभा के सभापति, दोनों से यह अपेक्षा होती है कि वे पूर्णतया निष्पक्षता के साथ कार्य करेंगे एवं सत्ता पक्ष के साथ ही, विपक्ष के सांसदों को भी अपनी बात रखने का पर्याप्त अवसर देंगे। उन्हें विभिन्न प्रकार के विषय उठाने और उन पर चर्चा करने का अवसर भी प्रदान करेंगे। आसन का काम यह देखने का कतई नहीं है कि सदस्य अपने भाषण में क्या कहते हैं। उनका काम केवल यह सुनिश्चित करना है कि भाषा की मर्यादा बनी रहे। प्रतिपक्ष के सांसद, सरकार की कितनी भी कड़ी आलोचना क्यों न करें, आसन को उससे विचलित नहीं होना चाहिए और न ऐसा करने पर ,उन्हें रोका जाना चाहिए। यह सही है कि लोकसभा अध्यक्ष या राज्यसभा के सभापति (उपराष्ट्रपति ही, राज्यसभा के सभा पति होते हैं) , चुने जाने से पूर्व सामान्यतया, सत्ताधारी राजनीतिक दल के सदस्य होते हैं, किंतु एक बार जब वे इस आसन पर चुन लिए जाते हैं तो उनकी भूमिका एक निष्पक्ष व्यक्ति की हो जाती है। लोकसभा और राज्यसभा में अध्यक्ष और सभापति का आसन भी न्यायाधीशों की तरह ही बहुत ऊंचा होता है। उनसे यह अपेक्षा होती है वह कम से कम बोलें और अधिकतर समय विभिन्न दलों के सदस्यों को किसी भी विषय पर बोलने के लिए अवसर प्रदान करें। ऐसा करते समय उन्हें सत्ताधारी दल के साथ किसी प्रकार का पक्षपात नहीं करना चाहिए और स्वयं की विचारधारा के आधार पर सदस्यों के प्रति व्यवहार नहीं करना चाहिए। उनका कार्य सभी सदस्यों के संवैधानिक अधिकारों की रक्षा, समान रूप से करने का है।

2014 से 2019, विशेषकर 2019 के चुनाव के बाद दोनों सदनों में भाजपा का अच्छा खासा बहुमत रहा। इसलिए आसन के पक्षपात पूर्ण निर्णय के विरुद्ध विपक्षी दल कोई मजबूत आवाज नहीं उठा पाए थे। जब भी उन्होंने आवाज उठाई, आसान ने संबंधित सांसदों को सत्ताधारी दल से प्रस्ताव आमंत्रित कर निलंबित तक कर दिया। स्थिति यहां तक हो गई कि लोकसभा में एक समय 146 सांसद निलंबित थे। इन्हीं के निलंबित रहते हुए, सरकार ने कई विधाई कार्य भी निपटा लिए और नए कानून भी बना लिए। आसन का यह व्यवहार,लोकतंत्र की भावना के अनुकूल नहीं कहा जा सकता। कार्य और व्यवहार, दोनों की दृष्टि से आसन पर बैठे इन दोनों व्यक्तियों ने स्वयं को निष्पक्ष, स्वतंत्र एवं निर्भीक सिद्ध नहीं किया है। कई बार यह देखा गया कि विपक्ष द्वारा अत्यंत महत्वपूर्ण मुद्दों पर चर्चा की मांग करने पर उन्हें आसान द्वारा अस्वीकार कर दिया जाता है। यह शायद इसलिए किया जाता है कि सत्ताधारी दल ऐसा नहीं चाहता।

अब, 2024 में चुनाव के बाद स्थिति वैसी एक तरफा नहीं रही है। भाजपा द्वारा तेलुगू देशम पार्टी, जनता दल (यू) एवं अन्य छोटी पार्टियों के सहयोग से एनडीए की सरकार चलाई जा रही है। भाजपा के लोकसभा में 240 सदस्य हैं जो बहुमत से 32 कम हैं। विपक्ष, संख्या बल में मजबूत हुआ है और उसने आक्रामक रवैया भी अपनाया है। ऐसे दृश्य संसद में देखे गए जब आसन की, विपक्षी सांसदों, विशेषकर कर कांग्रेस के सांसदों से कड़ी तकरार हुई और कई बार ऐसी भाषा का प्रयोग किया गया जो संसद की गरिमा के अनुकूल नहीं थी। इसके लिए जिम्मेदार ,केवल विपक्ष के सदस्य ही नहीं माने जा सकते, अपितु सत्ताधारी दल का रवैया भी आसन के समर्थन से विपक्षी सांसदों को अपमानित करने का ही रहा है। राज्यसभा के सभापति द्वारा कई बार ऐसे बयान दिए जाते हैं, जिनसे लगता है वे सत्ताधारी दल के एहसान तले दबे हैं। वे सरकार का यशोगान करने से भी नहीं चूकते। उनका ऐसा आचरण आसन की मर्यादा के अनुकूल नहीं कहा जा सकता। इस प्रकार, सत्ताधारी पक्ष के समर्थन में आसन की अभिव्यक्ति, उनके निष्पक्ष होने पर संदेह उत्पन्न करती है।

संसद की गरिमा बचाए रखने का दायित्व केवल प्रतिपक्ष के सदस्यों पर ही नहीं है अपितु सत्ता और प्रतिपक्ष, दोनों पर है, और इसे सुनिश्चित करने की जिम्मेदारी आसन की है। इन्हें अपनी पुरानी दलीय संबद्धता से ऊपर उठकर, स्वतंत्र और निर्भीक रूप से सदनों को संचालित करना होगा ताकि सदन की गरिमा बनी रह सके।

जिस प्रकार मल्लिकार्जुन खड़गे जैसे वरिष्ठ कांग्रेसी सदस्य और राज्यसभा में प्रतिपक्ष के नेता पर केवल उनके नाम के आधार पर वंशवाद का आरोप लगा दिया, वह कतई मर्यादा पूर्ण नहीं था। इसका विरोध करने पर उन्हें बोलने तक नहीं दिया गया एवं उन्हें एक प्रकार से डांट-डपट कर बिठा दिया गया। विपक्षी सांसद ,चाहे वे कांग्रेस के हों, समाजवादी पार्टी के, तृणमूल कांग्रेस के अथवा आम आदमी पार्टी के, सभी के प्रति आसन का व्यवहार एवं आचरण कतई निष्पक्ष नहीं दिखाई देता।

हाल ही में जया बच्चन , जो कि राज्यसभा की पुरानी वरिष्ठ सदस्य हैं, को संबोधित करते हुए राज्यसभा के सभापति ने यहां तक कह दिया वे कलाकार हैं और कलाकार को डायरेक्टर के निर्देशानुसार कार्य करना होता है। क्या वे यह कहना चाह रहे थे कि सदन के सदस्यों को डायरेक्ट करने का काम सभापति का है? ऐसा करके उन्होंने सदस्यों के सम्मान को कम ही किया है। राज्यसभा के सभापति द्वारा कई बार लंबे-लंबे भाषण दिए गए हैं। इन भाषणों में सामान्यतया विपक्षी दलों और कुछ नेताओं की कड़ी आलोचना की जाती है एवं ऐसा बताने का प्रयास किया जाता है जैसे सदन में गतिरोध केवल विपक्षी सदस्यों द्वारा ही उत्पन्न किया जा जाता है। संसदीय नियम, प्रक्रियाएं सब पर समान रूप से लागू होनी चाहिएं। ऐसा प्रतीत होता है कि उन्हीं नियम प्रक्रियाओं का अर्थ, सत्ताधारी दल और विपक्षी सांसदों के संदर्भ में अलग अलग निकाला जाता है। उदाहरण के लिए, जैसे विपक्षी दलों के भाषणों में कही गई हर बात को सत्यापित करने के लिए आसन द्वारा कहा जाता है, जबकि सत्ताधारी दल के सांसद के साथ ऐसा व्यवहार अधिकांशतया नहीं होता है। नियमानुसार सत्यापन दस्तावेज को सत्यापित करने की आवश्यकता है, जिसे सदन के पटल पर किसी सदस्य द्वारा अपने भाषण के दौरान रखा जाये।

सदन की कार्यवाही आजकल संसद टी वी के माध्यम से सीधी प्रसारित की जाती है। देश के सभी नागरिकों को सदन में क्या हो रहा है यह सीधे देखने का अवसर मिलता है। विपक्षी दलों के इस आरोप में सच्चाई है कि जब भी विपक्षी दल किसी भी विषय पर अपना विरोध कर रहे होते हैं अथवा कोई नारेबाजी कर रहे होते हैं, तो विपक्षी दलों की ओर कैमरा नहीं होता एवं केवल सत्ताधारी दल के सदस्यों को ही दिखाया जाता है। यह भी एक प्रकार से पक्षपात पूर्ण कार्यवाही ही है। सीधे प्रसारण का उद्देश्य ही समाप्त हो जाता है जब कार्रवाई एक तरफा दिखाई जाये। सदस्यों के भाषण के अंश, कई बार आसन द्वारा कार्यवाही से हटा दिए जाते हैं। ऐसा करते समय भी आसन द्वारा सत्ताधारी दल के सांसदों के भाषण के प्रति उदार दृष्टिकोण अपनाया जाता है और विपक्षी दलों के भाषणों, विशेषकर विपक्ष के नेता राहुल गांधी के भाषण के अधिकांश अंशों को सदन की कार्यवाही से निकाल दिया गया।

राज्यसभा के सभापति द्वारा बार बार यह कहना कि **"nothing will go on record"** अजीब लगता है। सदन की कार्रवाई के संचालन की जिम्मेदारी अध्यक्ष अथवा सभापति की होती है, जिसे चुनौती नहीं दी जा सकती। विपक्षी दलों के पास केवल एक ही विकल्प बचता है कि वे कार्यवाही का बहिष्कार करें और वह ऐसा करते भी हैं ,किंतु ऐसा कदम उठाने से संवाद और बहस की संभावना पूरी तरह समाप्त हो जाती है। अभी हाल ही में राज्यसभा में जब विपक्ष के सांसद, आसन के व्यवहार के प्रति अपनी आपत्ति दर्ज कराते हुए वॉक आउट कर गए, तो उसके बाद राज्यसभा के सभापति ने, सत्ताधारी दल के प्रस्ताव पर विपक्षी दलों के विरुद्ध निंदा प्रस्ताव पारित कर दिया।

विपक्षी दलों के नेताओं , विशेष कर प्रतिपक्ष के नेता राहुल गांधी ने बोलते समय उनका माइक बंद करने की बात कई बार उठाई। टीवी पर जो लोग इसका प्रसारण देख रहे होते है, उन्हें स्पष्ट रूप से लगता है कि माइक को तब बंद कर दिया जाता है जब वह सरकार के विरुद्ध कोई ऐसी बात कर रहे थे, जिससे सरकार असहज महसूस करे। आपत्ति करने पर अध्यक्ष और सभापति का केवल एक ही कहना होता है कि माइक उनके द्वारा ांद नहीं किया जा सकता। ऐसा कहकर, वे अपनी जिम्मेदारी से मुक्त नहीं हो सकते क्योंकि सदन की पूरी कार्यवाही को सुचारू रूप से संचालित करने का दायित्व उन्हीं पर है। उनके सचिवालय का पूरा स्टाफ भी उन्हीं के अधीन होता है। यदि किसी ने उनके निर्देशानुसार कार्य नहीं किया तो फिर उसके विरुद्ध कड़ी कार्रवाई अब तक क्यों नहीं की गई? सबसे बड़ी समस्या तो यही है कि विपक्षी दलों को महत्वपूर्ण प्रश्न उठाने की अनुमति नहीं दी जाती।

उदाहरण के लिए, विनेश फोगाट को ओलंपिक से अयोग्य घोषित कर दिया गया, तो जिन परिस्थितियों में ऐसा किया गया, उस पर चर्चा हेतु स्थगन प्रस्ताव विपक्षी सांसदों द्वारा दिया गया, किंतु उसे स्वीकार नहीं किया गया। कुल मिलाकर, लगता यही है कि संख्या बल बढ़ने के बावजूद विपक्षी दल कुछ करने में सक्षम नहीं हो पा रहे हैं और उनकी आवाज को दबाने में सत्ताधारी दल का साथ, प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप से आसन के द्वारा दिया जा रहा है। इसे दुर्भाग्यपूर्ण स्थिति ही कहा जा सकता है। आशा यही है कि किसी दिन आसन पर बैठे अध्यक्ष और सभापति की अंतरात्मा जागे और उन्हें यह एहसास हो कि उनकी जिम्मेदारी विपक्ष के अधिकारों की रक्षा करने की भी उतनी ही है, जितनी सत्तापक्ष के अधिकारों की। यदि ऐसा नहीं हो पाया तो यह लोकतंत्र की सबसे बड़ी पंचायत अर्थात संसद की गरिमा को ठेस पहुंचाने जैसा ही होगा। संसद की गरिमा बचाए रखने का दायित्व केवल प्रतिपक्ष के सदस्यों पर ही नहीं है अपितु सत्ता और प्रतिपक्ष, दोनों पर है और इसे सुनिश्चित करने की जिम्मेदारी आसन की है। इन्हें अपनी पुरानी दलीय संबद्धता से ऊपर उठकर, स्वतंत्र और निर्भीक रूप से सदनों को संचालित करना होगा ताकि सदन की गरिमा बनी रह सके।

क्या है लव जिहाद और इस पर क्यों इतनी तीखी बहस?

महावीर सिंह

आजकल समाचारों में व सामान्य रूप से कुछ वर्गों के लोगों में लव जिहाद पर चर्चा-बहस सुनने को मिलती है। मुख्यतः पॉलिटिशियन कहलाए जाने वाले जीवों में इसके पक्ष व विपक्ष में भयंकर जिद्दोजहद सुनने को मिलती है। ऐसी तुमुल बहसें को 24 घण्टे चलने वाली टीवी चैनल्स पर सुनाई पड़ती है मानों कि संसार का सबसे प्रमुख चिंता का विषय यही होना चाहिए। लव का सामान्य समझ वाला अर्थ है प्रेम। सभी प्रमुख धर्मों का यह सर्वोत्तम उपदेश यही है जिस में मनुष्यों को प्रेम व सद्भाव से रहने का आव्हान किया जाता है।

प्रेम एक अहसास है जो दिल से वास्ता रखता है। हम माता, पिता, भाई, बहन, पत्नी, बेटा, बेटी, परिवार जनों को प्रेम करते है उसमें दिमाग से निर्णय की जरूरत नही। हमे हमारे साथ, आसपास रहने वाले पशु-पक्षियों से भी प्रेम हो जाता है। इन सब मे हानि, लाभ, निन्दा, डर आदि की कोई जगह नहीं। यह सब दिमाग का कार्य क्षेत्र है। प्रेम के अहसास में इनका स्थान ही नहीं, यह दिल का कार्य क्षेत्र है।

कुछ समय पूर्व तक और कहीं-कहीं अब भी, अंतरजातीय विवाहों भारी बबाल होता है। कई हिंसक घटनाएं हुई है और कुछ प्रेमी जोड़ों को मौत के घाट उतार दिया गया, गांव बदर कर दिया गया, जाती से -समाज से बहिष्कृत कर दिया गया। इस प्रकार की सारी घटनाएं परिभाषित अपराध है। इस प्रकार की अधिकतर घटनाएं हिन्दू समाज में होती है, इसलिए इन्हें कोई जिहाद जैसे विशेषण से नहीं बताया जाता।

विवाह क्या है, कैसे सम्पन्न होते हैं? विवाह का निर्णय सामान्य रूप से माता-पिता व नजदीकी परिवार जन द्वारा लिया जाता रहा है। अब इसमें अधिकतर मामलों में लड़के और लड़की को भी एक दूसरे से मिलाया जाता है और उनकी सहमति भी ली जाती है। यह सब शिक्षा से हुई जागृति के कारण हुआ है। रोजगार के प्रकार, स्थान, वेतन, आय आदि भी विवाह के निर्णय से पूर्व अहम हो गए हैं। इसमें प्रेम के अहसास की एंट्री शादी के बाद होती है।

एक अन्य प्रकार है प्रेम विवाह। शादी पूर्व लड़के-लड़की की विभिन्न कारणों से यथा एक जैसी शैक्षणिक योग्यता, जॉब,एक स्थान पर रहवास, मित्रता, आकर्षण आदि के चलते स्वयं ही शादी फैसला कर लेते है। इसका ज्यादा प्रचलन वाला नाम है, लव मैरिज। लव मैरिज वाले जोड़े एक जाति अथवा भिन्न-भिन्न जातियों वाले व भिन्न-भिन्न धर्मों में आस्था रखने वाले हो सकते है। अधिकांसतः, एक जाती अथवा भिन्न जातियों वाले जोड़ों के मामलों में उनके परिवार, रिश्तेदार, समाज प्रारंभिक हिचक के बाद स्वीकृति दे देता है। जहां स्वीकृति नहीं मिलती वहां कोर्ट मैरीज, आर्य समाज की विधि के अनुसार या किसी मंदिर के पुजारी के समक्ष शादी की विधिक औपचारिकताएं पूरी कर लेते हैं। कहीं-कहीं, ऐसे मामलों में पुलिस प्रोटेक्शन की आवश्यकता भी पड़ती है। असली झगड़ा भिन्न धर्मों में आस्था रखने वाले जोड़ों की शादियों में उतपन्न होता है। यदि शादी हिन्दू-सिख,-जैन-बौद्ध-पारसी-ईसाई धर्म में आस्था रखने वाले जोड़ों की हो तो कोई ज्यादा बबाल नहीं मचता। यदि शादी के जोड़े में लड़की मुस्लिम हो, लड़का हिन्दू-जैन आदि आस्था वाले हों तो भी, समाज के स्वयम्भू ठेकेदारों की ओर से कोई बड़े पैमाने पर तीखी बयान बाजी, खुले आम उनको अपमानित करने की घटनाएं अपवाद स्वरूप ही सुनी जाती है।

यदि लड़की हिन्दू माता-पिता की संतान हो और बड़े धनाढ्य, समाज में किसी बड़ी प्रकार की हैसियत रखने वाले हो जैसे बड़े बिजनेसमैन, उद्योगपति, सेलेब्रिटी, बड़ा राजनेता आदि और लड़का मुस्लिम हो तो भी, समाज का ठेकेदार बानेर विभिन्न नामों से घूमने वाली ब्रिगेड्स द्वारा कोई विशेष बयानबाजी, तोड़फोड़ नहीं होती। किन्तु इसके विपरीत, यदि लड़की हिन्दू संस्कारों में आस्था रखने वाली, गरीब या अल्प या मध्यम आय वर्ग परिवार से हो और लड़का मुस्लिम हो तो धर्म के ठेकेदार, समाज के पंच पटेल लड़की और उसके परिवार वालों का गांव, मोहहल्ले में विभिन्न प्रकार की उलूल जुलूल कार्यवाहियों, सार्वजनिक प्रताड़नाओं से जीना हराम कर देते है। ताने, बयान बाजी से आगे उन्हें आर्थिक दण्ड या समाज बहिष्कार का दंड फरमान भो सुना दिया जाता है।

सामान्य निष्कर्ष यह है कि अंतर धार्मिक विवाहों पर अमीर, हैसियत वालों को कोई समाजिक बहिष्कार का व अन्य सामाजिक दण्डों का सामना नहीं करना पड़ता। यह सब गरीब व निम्न व मध्यम आय के परिवारों या अति रूढ़िवादी समाज के लोगों के लिए ही है।

किन्तु अंतर धार्मिक विवाहों के कुछ डरावने पक्ष भी है। कई बार यह सुननें में आता है की मुस्लिम लड़के नें अपनी सही पहचान गलत इरादों से छुपाई यथा अपना धर्म, जाती, निवास स्थान, रोजगार आदि छुपाया और किसी मंदिर में शादी कर ली या कोर्ट में शादी कर ली। इस प्रकार के सारे कृत्य कानून में परिभाषित अपराध है और सामान्य रुप से भी, बिना इन्हें धार्मिक रंग दिए, पुलिस स्टेशन पर जाकर मुकदमा दर्ज कराया जा सकता है । कुछ मामलों में लड़की को धर्म परिवर्तन के लिए बाध्य करने के प्रयास होते है और यह भी अपराध है ।। आइए अब इस विचार करें कि जिहाद क्या है और लव जिहाद क्या है? जिहाद एक अरबी शब्द है जिसका सामान्य अर्थ है- किसी अच्छे, प्रशंसनीय कार्य के लिए किए गए प्रयास।इस्लाम में इसका एक अर्थ यह भी होता है कि किसी धार्मिक कार्य के लिए संघर्ष भी है। एक अन्य अर्थ यह भी--आध्यात्मिकता के लिए व्यक्तिगत जिद्दोजिहाद। आत्मरक्षा के लिए सामूहिक संघर्ष। इन सब व्याख्याओं में मुस्लिम, हिन्दू लड़के-लड़कियोज प्रेम, विवाह पर बंदिस की कहीं कोई बात नहीं।

लेकिन कुछ व्याख्याकार धार्मिक ग्रन्थों का हवाला देकर, इसका यह भी अर्थ निकालते है--काफिरों के खिलाफ धर्म रक्षा के लिए पवित्र युद्ध। इस्लाम के अनुयायियों के संरक्षण, व प्रसार के लिए युद्ध। यह सब आध्यात्मिक धर्म से अलग इस्लाम के नाम पर लोगों के राजनीतिक, प्रभुत्व स्थापित करने वाले औजार है। वास्तविक धर्म से इनका कोई सम्बन्ध नहीं।ओर यह केवल इस्लाम में हो यह भी नहीं। ईसाई, हिन्दू व अन्य कई धर्मों को भी राजनीतिक औजार बनाया जाता रहा है और बनाया जा रहा है। यह लव जिहाद भी वैसा ही एक औजार है। हिंदुस्तान में लव जिहाद एक राजनीतिक नारा बन चुका है। इसे इन आधारों पर तराशा जाता है:-- हिन्दू धर्म और संस्कृति खतरे में है-- मुसलमानों की जनसंख्या बेहताशा बढ रही है तथा ओर बढ़ेगी--हिन्दू लड़कियों को सही पहचान छुपा कर या गलत जानकारियां देकर शादी के लिए फंसाने वाले अधिकतर मुस्लिम युवक अपराधी किस्म के है--हिन्दू लड़कियों को झांसा या प्रलोभन देकर इस्लाम कुबूल कराया जाता है- इसलिए हिन्दू लड़कियों को मुसलमान युवकों से शादी करने से हर प्रकार से रोकेंगे। अरे भाई लोगों इसके लिए रेस्टोरेंट्स में जाकर हंगामा करने, इस प्रकार के साल में 5, 10 जोड़ों की मार पिटाई करने व अन्य इसी प्रकार के असभ्य तरीके अपनाने के बजाय, थानेदार-डिप्टी एसपी, एसपी से मिल कर, कानूनी कार्यवाही क्यों नहीं करते? अरे नहीं भाई, इससे हमें क्या लाभ, हमारी राजनीति या यों कहें टुच्ची दादागिरी कैसे चमकेगी। हम तो कानून बनवाके मानेंगे की हिदू लड़की का मुसलमान लड़के से विवाह गैर कानूनी व सज्जा योग्य अपराध है--ठीक है, किन्तु यह तो गैर संवैधानिक होगा----तो क्या संविधान नहीं बदलता क्या?! जय राम जी की, कितना मिठास भरा सम्बोधन, अभिवादन जो सदियों से हमारे पुरखे काम में लेते रहे और अब--?

-महावीर सिंह,
पूर्व आईएए स

कब्स बुलबुल हीरक पंख एवं स्वर्ण तीर बैज प्रशिक्षण शिविर का उद्घाटन

- पीएम श्री केन्द्रीय विद्यालय क्रमांक सात में त्रिदिवसीय शिविर शुरु

जयपुर। केन्द्रीय विद्यालय संगठन राज्य भारत स्काउट्स एवं गाइड्स, जयपुर मण्डल के तत्वाधान में पीएम श्री केन्द्रीय विद्यालय क्रमांक 07 जयपुर में सोमवार को त्रिदिवसीय कब्स एवं बुलबुल हेतु चतुर्थ चरण हीरक पंख एवं स्वर्ण तीर बैज प्रशिक्षण शिविर 2024 का प्रारंभ हुआ। राज्य स्तरीय इस आयोजन में केन्द्रीय विद्यालय संगठन, संभागीय कार्यालय-जयपुर के अधीन 21 केन्द्रीय विद्यालयों के 302 नन्हें मुन्ने कब्स एवं बुलबुल ने प्रतिभागिता हेतु उपस्थिति दर्ज की। रविवार सांयकाल से ही अपने अनुरक्षक शिक्षकों के साथ राज्य स्तरीय प्रशिक्षण शिविर में आये इन नन्ने कब्स एवं बुलबुल का स्वागत इंद्रदेव ने रिमझिम फुहारों से किया। सोमवार प्रातःकाल उद्घाटन समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित डॉ. पंकज कुमार, कमान्डेंट, 8वीं आरक्षित वाहिनी, केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल, जयपुर के विद्यालय आगमन पर पारम्परिक तरीके से साफा एवं माल्यार्पण स्वागत किया।

उद्घाटन समारोह में अतिथियों का स्वागत किया गया।

विद्यालय के कब्स एवं बुलबुल द्वारा चकरी स्वागत एवं बुलबुल स्वागत ने उपस्थितजन के हृदय को विभोर कर दिया। प्राचार्य डॉक्टर दर्शन लाल मीना की अगवानी में मुख्य अतिथि ने माँ सरस्वती के सम्मुख दीप प्रज्ज्वलन कर आशीष लिया तत्पश्चात लार्ड एवं लेडी बेडेन पावेल के आवक्ष पर माल्यार्पण कर कार्यक्रम का विधिवत प्रारंभ हुआ। पीएम श्री केन्द्रीय विद्यालय क्रमांक 07 के विद्यार्थियों द्वारा स्वागत गीत झूम झूम हर कली बार बार कह चली के साथ आगंतुकों का स्वागत किया गया। वहीं दूसरी ओर राजस्थानी नृत्य- माथे साजे बोरलो पगां में पायल बाजणी ने उपस्थित जनमानस का हृदय मोह लिया।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि डॉ. पंकज कुमार ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि इस कार्यक्रम से विद्यार्थी नैतिकता, नेतृत्व क्षमता और सामाजिक जिम्मेदारियों के प्रति जागरूक बनेंगें। स्तर दर स्तर आत्मनिर्भरता, टीमवर्क, और सेवा भाव के गुणों के विकास की नींव इन्ही कार्यक्रमों से विकसित होनी तय है। विद्यालय के प्राचार्य डॉक्टर दर्शन लाल मीना के अनुसार स्काउटिंग का आदर्श वाक्य "सदैव तत्पर" हमें हर स्थिति में तैयार रहने की प्रेरणा देता है। सदैव तत्परता का यह भाव जीवन कौशल के संवर्धन में महत्ती भूमिका निर्वहन करता है। इस त्रिदिवसीय आवासीय शिविर में विद्यार्थी नैतिक विकास,नेतृत्व क्षमता, सामाजिक जिम्मेदारी, शारीरिक विकास, जीवन कौशल के गुर भी सीखेंगे जो जीवन पर्यंत काम आयेंगे।

राज्य स्तरीय इस कार्यक्रम में गिरिराज प्रसाद मीना मुख्य पर्यवेक्षक ने त्रिदिवसीय कार्यक्रम की विस्तृत रुपरेखा प्रस्तुत की जिसमें कब्स एवं बुलबुल द्वारा अगले तीन दिनों में की जाने वाली गतिविधियों का विस्तृत मार्गदर्शन निहित था। गतिविधियों के सहज एवं सरल सञ्चालन हेतु जितेन्द्र सिंह एलओसी, केन्द्रीय विद्यालय क्रमांक 02, आर्मी जोधपुर, संजीव कुमार चौहान, मुख्य परीक्षक कब्स, केन्द्रीय विद्यालय क्रमांक 02, आर्मी जोधपुर, विजय कपुरिया, परीक्षक कब्स केन्द्रीय विद्यालय नसीराबाद, ब्रिजेश तलवार, परिक्षक कब्स केन्द्रीय विद्यालय लालगढ़ जाटान, राजकुमारी गुलपहाडिया, एलओसी, बुलबुल केंद्रीय विद्यालय क्रमांक 03, कविता मीना, मुख्य परिक्षक, बुलबुल केन्द्रीय विद्यालय अलवर, गरिमा गुप्ता, परिक्षक, बुलबुल, केन्द्रीय विद्यालय, भरतपुर ने चयनकर्ताओं, प्रशिक्षकों के रूप में अपनी उपस्थिति दर्ज की।

पीएम श्री केन्द्रीय विद्यालय के स्काउट कवार्टर मास्टरकमल मीना, कब्स प्रभारी विनोद नामा बुलबुल प्रभारी स्वाति गोगना, स्काउट प्रभारी सुल्तान मीना गाइड प्रभारी मंजु मीना एवं सपना वर्मा अनुराधा मीना मोनिका गुप्ता जालिम सिंह मीना नीरू चड्ढा एवं साधना चौबे ने त्रिदिवसीय कार्यक्रम हेतु अपने प्रभारों हेतु की गई तेयारियों की जानकारी प्रदान की। कार्यक्रम के अंत में श्री राम नारायण मीना द्वारा उद्घाटन कार्यक्रम की सफलतम सिद्धि में जुटे समस्त शिक्षकगण एवं कर्मचारियों का आभार व्यक्त कर धन्यवाद ज्ञापित किया गया। कार्यक्रम का सफलतम संचालन राजेश रॉय सामतानी व्याख्याता हिंदी एवं अंजु चौधरी अंग्रेजी द्वारा किया गया। प्राचार्य डॉक्टर दर्शन लाल मीना द्वारा डॉ. पंकज कुमार, कमान्डेंट 8वीं आरक्षित वाहिनी, केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल, जयपुर का स्वागत। प्राचार्य डॉक्टर दर्शन लाल मीना एवं मुख्य अतिथि डॉ. पंकज कुमार, कमान्डेंट 8वीं आरक्षित वाहिनी, केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल, जयपुर लार्ड एवं लेडी बेडेन पावेल के आवक्ष पर माल्यार्पण।

राशिफल मंगलवार 13 अगस्त, 2024

पंडित अनिल शर्मा

सावन मास, शुक्ल पक्ष, अष्टमी तिथि, मंगलवार, विक्रम संवत 2081, विशाखा नक्षत्र दिन 10:44 तक, ब्रह्म योग सांय 4:33 तक, बव करण प्रातः 9:32 तक, चन्द्रमा आज वृश्चिक राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थितिः सूर्य-कर्क, चन्द्रमा-वृश्चिक, मंगल-वृष, बुध-सिंह, गुरू-वृष, शुक्र-सिंह, शनि-कुम्भ, राहु-मीन, केतु-कन्या राशि में।

आज रवियोग दिन 10:44 से आरम्भ होगा। आज दुर्गाष्टमी, भौमाष्टमी, मंगला गौरी पूजा और मेला नयना देवी और चित्यपूर्णी है।

श्रेष्ठ चौघड़ियाः चर 9:16 से 10:54 तक, लाभ-अमृत 10:54 से 2:09 तक, शुभ 3:47 से 5:24 तक।

राहूकालः 1:30 से 3:00 तक। सूर्योदय 6मे:01, सूर्यास्त 7:02

मेष
चन्द्रमा अष्टम भाव में शुभ नहीं है। शुभ कार्यों में व्यवधान सामने आ सकते हैं। आवश्यक कार्यों में विलम्ब हो सकता है। बनते कार्य बिगड़ सकते हैं। यात्रा टालना ठीक रहेगा।

वृष
परिवार में आपसी सहयोग-समन्वय बना रहेगा। परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा। परिवार में मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

मिथुन
विवादित मामलों से राहत मिल सकती है। अस्त-व्यस्त दिनचर्या में सुधार होगा। स्वास्थ्य संबंधित चिन्ता दूर होगी। व्यावसायिक/आर्थिक मामलों में लापरवाही ठीक नहीं रहेगी।

कर्क
व्यावसायिक कार्यों को प्राथमिकता से करने का प्रयास करें। चलते कार्यों में प्रगति होगी। व्यावसायिक आय में वृद्धि होगी। अटका हुआ धन प्राप्त होगा।

सिंह
घर-परिवार के कार्यों के कारण भागदौड़ रहेगी। घर-गृहस्थी के खर्चों में अनावश्यक वृद्धि हो सकती है। नौकरीपेशा व्यक्तियों को अतिरिक्त जिम्मेदारी मिल सकती है।

कन्या
आर्थिक मामलों में परिचितों से सहयोग मिल सकता है। व्यावसायिक कार्यों से संबंधित यात्रा संभव है। घर-परिवार में शुभ-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं।

तुला
व्यावसायिक कार्यों से संबंधित आर्थिक समस्या का समाधान हो सकता है। संभावित स्त्रोत से धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक स्थिति ठीक रहेगी।

वृश्चिक
मानसिक तनाव से राहत मिलेगी। मनोबल-आत्मविश्वास बढ़ेगा। आवश्यक कार्य योजनानुसार बनने लगेंगे। व्यावसायिक कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे।

धनु
अनर्गल कार्यों में समय खराब होगा। घर-गृहस्थी के खर्चों में अनावश्यक वृद्धि हो सकती है। पारिवारिक कार्यों के कारण भागदौड़ रहेगी। मन में असंतोष बना रहेगा।

मकर
आर्थिक/वित्तिय मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आय में वृद्धि होगी। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक स्थिति ठीक रहेगी। व्यावसायिक कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा।

कुंभ
व्यावसायिक कार्यों के लिए दिन अच्छा रहेगा। चलते कार्यों में प्रगति होगी। नवीन कार्यों में उचित सफलता मिलेगी। आय में वृद्धि होगी। परिवार में धार्मिक-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं।

मीन
नवीन कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। व्यावसायिक प्रयासों में उचित सफलता मिलेगी। व्यावसायिक वार्ता सफल रहेगी।

आर्मी के कमांडो को शिप्रापथ थाने के पुलिसकर्मियों ने निर्वस्त्र करके डंडों से पीटा

पुलिसकर्मियों ने आर्मी के जवान को अपराधियों के बीच बैठाकर यह कहते हुए जलील भी किया कि ''पुलिस, भारतीय सेना की बाप है।''

जयपुर (कासं)। सेना के कमांडो सीमा पर भले ही दुश्मनों के छक्के छुड़ाते हैं, लेकिन अपने घर में पुलिस से हार जाते हैं। जयपुर में एक ऐसा ही मामला सामने आया है। मानसरोवर के शिप्रा पथ थाने में पुलिस ने सेना के एक कमांडो को न सिर्फ निर्वस्त्र कर डंडों से पीटा, बल्कि अपराधियों के बीच बैठाकर पुलिसकर्मियों ने कहा ''पुलिस, भारतीय सेना की बाप है।'' इसकी शिकायत कमांडो ने जब सैनिक कल्याण मंत्री राज्यवर्धन सिंह राठौड़ से की तो वे सोमवार को थाने पहुंचे और ए.सी.पी. संजय शर्मा को जमकर फटकार लगाई। राठौड़ ने खुद यह घटनाक्रम मीडिया को बताया।

दरअसल, 11 अगस्त को सेना के कमांडो अरविंद अपने परिचित जवान के केस के सिलसिले में जानकारी लेने थाने गए थे। थाने में पुलिसवालों ने ठीक से व्यवहार नहीं किया। उन्होंने खुद के सेना में होने का परिचय दिया। आरोप है कि सब इंस्पेक्टर और पुलिसकर्मियों ने कमांडो को गालियां देते हुए पीटना शुरू कर दिया और हवालात में डालकर कपड़े उतारकर पीटा। कमांडो को जमकर जलील किया गया। कमांडो अभी बारामूला जम्मू कश्मीर में तैनात हैं। पीड़ित ने इसकी शिकायत सैनिक कल्याण मंत्री राज्यवर्धन सिंह राठौड़ से की। सेना के कमांडो से मारपीट पर मंत्री इतने नाराज हुए कि थाने पहुंच गए। कर्नल राठौड़ ने सोमवार को थाने पहुंचकर पुलिसवालों से कमांडो के साथ मारपीट करने पर सवाल-जवाब किए। इस दौरान पुलिस के कई वरिष्ठ अफसर भी पहुंच गए। मंत्री राज्यवर्धन राठौड़ ने मोबाइल में पीड़ित के साथ मारपीट के सबूत दिखाए। इस पर ए.सी.पी. संजय शर्मा ने तर्क दिया कि कमांडो ने पुलिसकर्मियों को गाली दी, मुझे भी गाली दी है।

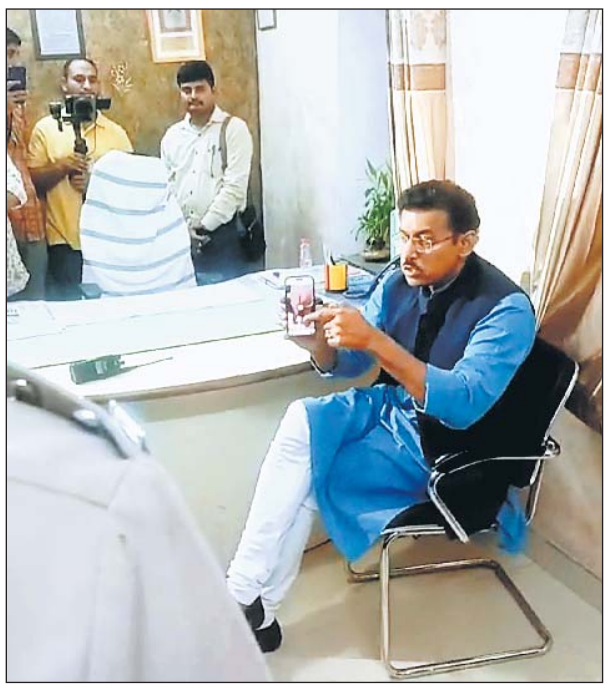

नाराज मंत्री राठौड़ ने ए.सी.पी. संजय शर्मा के बीच में बोलने पर नाराजगी जाहिर करते हुए फटकार लगाई। राज्यवर्धन ने कहा कि, संजय जी, जब मैं बात कर रहा हूं तो आप क्यों बोल रहे हैं? आपको तो बेसिक प्रोटोकॉल ही नहीं पता, मैं बात कर रहा हूं न। आप वहां किससे बात कर रहे हैं? उसे छोड़िए गाली तो बहुत छोटी चीज हो गई। ये तो मुझसे ही लड़ना चाहते हैं। मैं यहां धैर्य से सब सुन रहा हूं, लेकिन संजय शर्मा कंटेस्ट करना चाहते हैं। जब आपसे बात की जाए तो जवाब दीजिए, नहीं तो सावधान में खड़ा रहिए। यहां नहीं खड़े रहना चाहते तो अपने दफ्तर जाइए।

राज्यवर्धन ने कहा कि, ''आपने बेसिक मैनर्स नहीं सीखे। पुलिस के अंदर वर्दी है तो अलग रौब हो गया है। कोई धैर्य, कोई पेशेंस, कुछ है? कोई जनता की सेवा मन में है या दादागिरी है? आप ऐसे लोगों को सामने क्यों रखते हो? मैंने आपको धैर्य से कॉल किया, वो तो मुझसे ही लड़ रहे हैं। उसको गाली दी या नहीं, भाड़ में जाए। आपने सेना में कमांडो को निर्वस्त्र करके डंडे मारे या नहीं मारे?

मंत्री राज्यवर्धन ने पुलिस अफसरों से कहा कि, जिसके पास ताकत होती है, उसको धैर्य की बहुत जरूरत है। धैर्य होना चाहिए। जब हम सेवा में थे। हमारे को लोग गाली-गलौज नहीं करते थे क्या? हमसे भी बहुत गाली गलौच करते थे, लेकिन ध्यान नहीं देते थे। फर्क नहीं पड़ता। जिसको बोलना है, बोलने दें। हम अपना काम करते थे। आप अपना काम करते रहिए। आपको दिखाने की क्या जरूरत पड़ गई कि कौन ज्यादा ताकतवर है?

शिप्रापथ थाने में मंत्री राठौड़ ने मीडिया से बातचीत में कहा कि, कश्मीर में तैनात कमांडो जयपुर आता है। उस कमांडो को पकड़कर पुलिसकर्मियों ने निर्वस्त्र करके डंडों से खूब पिटाई की। फिर निर्वस्त्र करके लोगों के बीच में बैठाकर पुलिसकर्मी उसे दोहराते हैं कि पुलिस, भारतीय सेना की बाप है। यह अत्यंत दुःख की बात है। यह घिनौनी मानसिकता दिखाता है। मैं वर्दी में रहा हूं। राजस्थान पुलिस पर विश्वास है कि ऐसी घिनौनी मानसिकता वाले पुलिसवालों की जांच और इलाज करवाएं। ऐसे लोग समाज के लिए खतरा है। देश की रक्षा करने वालों को वर्दी की धौंस दिखाना कायरता है।

राठौड़ ने कहा कि यह सरकार के जीरो टोलरेंस में आता है। पुलिस को पावर देश के संविधान और सरकार ने दी है। उसके पीछे जिम्मेदारी भी है। मैंने सैनिक की मेडिकल रिपोर्ट देखी है, तस्वीरें देखी हैं। एक भारतीय सैनिक को पांच-पांच पुलिसवाले मिलकर बुरी तरह पीट रहे हैं। उसे बिना कारण मारा गया। मैंने डीजीपी और पुलिस कमिश्नर से बात की है, दोषियों पर कार्रवाई होगी। लेकिन मुझे लगा कि एक सैनिक के साथ इतनी बड़ी घटना हुई है तो मेरा यहां आना जरूरी था, इसलिए यहां आया।

वहीं सब इंस्पेक्टर बन्ना लाल का कहना है कि, अधिकारियों के निर्देशानुसार हुक्का-बार पर कार्रवाई की गई थी। मुझे किसी को छोड़ने के आदेश नहीं थे। सिफारिश करने आए व्यक्ति ने रौब जताना शुरू कर दिया था। अभद्रता करने पर उसके खिलाफ भी रोजनामचे में रपट डालकर कार्रवाई की गई। मेरे जाने के बाद किन पुलिसकर्मियों से उसकी कहासुनी-मारपीट हुई, इस बारे में मुझे पता नहीं है।

जयपुर के शिप्रा पथ थाने में पुलिसकर्मियों द्वारा सेना के कमांडों से मारपीट करने की घटना से नाराज सैनिक कल्याण मंत्री कर्नल राज्यवर्धन सिंह राठौड़ इतने नाराज हुए कि थाने पहुंचकर पुलिसवालों फटकार लगाई।

- जम्मू-कश्मीर में तैनात इस कमांडो की शिकायत पर सैनिक कल्याण मंत्री कर्नल राज्यवर्द्धन सिंह राठौड़ ने थाने पहुंचकर पुलिस अफसरों को फटकार लगाई
- मंत्री राठौड़ ने मोबाइल में पीड़ित कमांडो के साथ मारपीट के सबूत दिखाए तो ए.सी.पी. संजय शर्मा ने तर्क दिया कि कमांडो ने पुलिसकर्मियों को गाली दी, मुझे भी गाली दी है।
- इस पर मंत्री राठौड़ ने कहा ''हम सेना में थे तो लोग हमें भी खूब गाली देते थे, कोई धैर्य, कोई पेशेंस, कुछ है? कोई जनता की सेवा मन में है या दादागिरी है? ''
- कर्नल राठौड़ ने कहा कि, ''ऐसी घिनौनी मानसिकता वाले लोग समाज के लिए खतरा हैं, राजस्थान पुलिस, ऐसे कार्मिकों की जांच और इलाज करवाएं। देश की रक्षा करने वालों को वर्दी की धौंस दिखाना कायरता है।''

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने सोमवार शाम को जयपुर शहर में हुई तेज बारिश के दौरान जवाहर सर्किल, मालवीय नगर अंडर पास, सांगानेर क्षेत्र, चौमूं पुलिया, ढेर के बालाजी चौराहा, 9 नंबर और 14 नंबर चौराहे का जायजा लिया।

दो वर्षीय डिप्लोमा धारकों को नियुक्ति देने का आदेश

जयपुर, (का.सं.)। राजस्थान हाईकोर्ट ने तृतीय श्रेणी विशेष शिक्षक भर्ती-2022 में स्नातक के साथ दो वर्षीय डिप्लोमा धारकों को नियुक्ति के पात्र मानते हुए अभ्यर्थियों को तीन माह में नियुक्ति देने को कहा है। जस्टिस अनूप ढंड की एकलपीठ ने यह आदेश हेमलता व अन्य की याचिका पर सुनवाई करते हुए दिए। याचिका में अधिवक्ता रामप्रताप सैनी ने अदालत को बताया कि राज्य सरकार ने 16 फरवरी 2022 को तृतीय श्रेणी विशेष शिक्षक भर्ती निकाली थी। जिसके पैरा नंबर 6.2 में विशेष शिक्षा में बीएड उत्तीर्ण होना अनिवार्य किया गया।

आम सूचना सर्व साधारण को सूचित है कि रामलाल पुत्र कानाराम जाट, निवासी ढाणी गणतपुरा, सॉगानेर, जयपुर के द्वारा ग्राम भापुरा, तहसील सॉगानेर, जयपुर की भूमि खसरा नम्बर 929 रकबा 0.40 है0 सम्पूर्ण को मेरे अभिभाष्य हनुमान सहाय शर्मा पुत्र रामनारायण, निवासी अभयपुरा, सांगानेर, जयपुर से विक्रय करने का सौदा तैय कर आंशिक प्रतिफल राशि प्राप्त कर जरिये इकरारनामा दिनांकित 21.05.2024 बैचान कर कब्जा उक्त क्रेता को सुपुर्द किया हैं। उक्त क्रेता अपने जिम्मे की शर्तों की पालनार्थ तैयार व तत्पर रहा है तथा आज भी है तथा विधिक सूचना पत्र दिनांकित 18.07.2024 भी विक्रेता को प्रेषित हैं। मेरा अभिभाष्य सदभावी क्रेता है, जिससे यदि उक्त क्रयशुदा आराजी के संबंध में कोई भी व्यक्ति/संस्था के द्वारा किसी भी प्रकार का कोई संव्यवहार किया जाता है तो वह क्रेता के हितों के प्रति स्वतः ही अवैध, प्रभावशुन्य, निरर्थक व अमान्य होगा। सूचित रहें।
(दिनेश शर्मा) एडवोकेट, मो.-9119127788

नाम परिवर्तन

मैं अपना नाम अभिषेक कुमार से बदल कर अभिषेक कुमार शर्मा पुत्र श्री राजेन्द्र प्रसाद शर्मा निवासी 26-ए, निर्मल विहार दादी का फाटक, बेनाड रोड, झोटवाडा, जयपुर भविष्य में मुझे अभिषेक कुमार शर्मा के नाम से जाना जावे।

मैं शोभा सोनी पति अश्विनी गुप्ता निवासी- 136 कृष्णा कॉलोनी रामगढ़ मोड़, जयपुर ने अपने पति की पहली पत्नी निधि गुप्ता की मृत्यु के पश्चात बेटी ऐंजल गुप्ता को गोद लिया है, ऐंजल गुप्ता के समस्त दस्तावेजों में माताजी का नाम निधि गुप्ता से बदलकर शोभा सोनी कर दिया जाए।

खोया पाया

मेरे आवास 46/36, रजत पथ, मानसरोवर जयपुर का मूल नियमितिकरण अदेय प्रमाण पत्र कहीं खो गया है जो कि आवासन मण्डल द्वारा प्रताप सिंह के नाम से जारी हैं कृपया मिलने पर सूचित करें 7726852557

मेरे आवास संख्या 30/56/9, स्वर्ण पथ, मानसरोवर, जयपुर का मूल अदेय प्रमाण पत्र खो गया है मिलने पर सूचित करें मो. 7891994933

आवास संख्या 120/227 मानसरोवर जयपुर का अदेय प्रमाण पत्र गिर/गुम हो गया मिलने पर सूचित करें। नंदना अग्रवाल मो.-9314522791

मेरा प्लॉट नं. ए-223, गली नं.1, राजापार्क, जयपुर जिसका रजिस्टर्ड उपहारपत्र दिनांक 24.01.2024 को पंचवटी सर्किल, राजापार्क के आस-पास कहीं गुम हो गया है। मिलने पर सूचित करें- जगदीश वरयानी 9352263029

कार्यालय नगर निगम ग्रेटर, जयपुर
प दीनदयाल उपाध्याय भवन, लालकोठी, टोंक जयपुर-15)
(राजस्व-द्वितीय प्रकोष्ठ)
क्रमांक-एफ-6()उपा.-द्वितीय (सा.प्र.)नन्जि./2024/798 दिनांक-12/8/24
सार्वजनिक सूचना मूल भूखण्ड संख्या ई-2, अम्बाबाडी, जयपुर का नगर विकास न्यास, जयपुर द्वारा दी जयबैंक कर्मचारी हाऊसिंग को आपरेटिव सो0 लि0 के नाम से क्षेत्रफल 200 वर्गगज भूमि का आवंटन किया गया था। दिनांक 22.03.1991 को श्री महेश मिश्रा पुत्र श्री दीनदयाल मिश्रा बहैसियत अध्यक्ष दी जय बैंक कर्मचारी हाऊसिंग को-आपरेटिव सोसायटी लिमिटेड, जयपुर द्वारा ई-2. अम्बाबाडी योजना, जयपुर क्षेत्रफल 200 वर्गगज श्री कुन्दन सिंह पुत्र श्री प्रेम सिंह के नाम से हस्तान्तरण पत्र का निष्पादन किया गया। दिनांक 10.11.1993 को श्री प्रहलाद सिंह, दिनांक 24.11.2014 को श्री कुन्दन सिंह, दिनांक 08.12.2021 को श्रीमती तुलसी, दिनांक 01.03.2023 को श्रीमती राधा देवी एवं दिनांक 14.03.2009 को श्री प्रवीण सिंह की मृत्यु हो गई। आवेदकों द्वारा प्रस्तुत रजिस्टर्ड हस्तान्तरण पत्र, मृत्यु प्रमाण पत्र, वारिसनामा, अण्डरटेकिंग एवं अन्य दस्तावेजों के आधार पर उक्त भूखण्ड का नगर निगम ग्रेटर, जयपुर द्वारा श्री रमेश सिंह एवं श्री ज्ञान सिंह पुत्र स्व. श्री कुन्दन सिंह के पक्ष में क्षेत्रफल 200 वर्गगज का ऑनलाईन नाम हस्तान्तरण जारी किया जाना है। इस ऑनलाईन नाम हस्तान्तरण जारी किये जाने बाबत् किसी भी व्यक्ति, संस्था, फर्म, कम्पनी को किसी प्रकार की कोई आपत्ति हो तो 07 दिवस में अधोहस्ताक्षरकर्ता के कार्यालय (उपायुक्त राजस्व द्वितीय) में प्रस्तुत करें, अन्यथा निर्धारित अवधि की समाप्ति के बाद, नियमानुसार ऑनलाईन नाम हस्तान्तरण जारी किये जाने की कार्यवाही सम्पादित कर ली जावेगी।
उपायुक्त (राजस्व-द्वितीय) नगर निगम ग्रेटर, जयपुर

उद्घोषणा (इश्तिहार) न्यायालय (राज.)
व्यवहार मिश्रित (मुत्तफरिक) वाद सं. 298 / 2024
विषय : उत्तराधिकार प्रमाण-पत्र प्रोबेट, लेटर आफ एडमिनिस्ट्रेशन प्राप्त करने हेतु प्रार्थना-पत्र।
प्रार्थी :- नाम दुर्गेश कुमावत पुत्र स्व. श्री प्रेमचन्द कुमावत, आयु 42 वर्ष, निवासी प्लाट नंबर 222, श्रीराम नगर ए, झोटवाडा, जयपुर (राज.) मृतक प्रेमचन्द कुमावत की सम्पत्ति के विषय में।
पेशी दिनांक 25-9-24
सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि, उपरोक्त प्रार्थी/प्रार्थीगण ने इस न्यायालय ने इस आशय का प्रार्थना पत्र प्रस्तुत किया है कि मृतक, नाम प्रेमचन्द्र कुमावत पुत्र श्री प्रेमचन्द कुमावत, निवासी-प्लाट नंवर 222, श्रीराम नगर ए, झोटवाडा, जयपुर (राज.) का उत्तराधिकारी स्वीकार कर उसके पक्ष में उत्तराधिकार प्रमाण-पत्र, प्रोबेट, लेटर ऑफ एडमिनिस्ट्रेशन, प्रदान किया जावें।
अतः उक्त प्रार्थना-पत्र की स्वीकृति में यदि किसी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो वह इस न्यायालय में दिनांक को न्यायालय में उपस्थित होकर अपनी आपत्ति प्रमाण सहित प्रस्तुत करें। उक्त दिवस के पश्चात् कोई आपत्ति मान्य नहीं होगी।
आज दिनांक 12 माह 04 सन् 2024 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय मुद्रांकन से जारी किया गया।
आज्ञा न्यायालय से-वरिष्ठ मुंसरिम
मोहर अदालत
जिला एवं सैंशन न्यायालय
जयपुर महानगर-द्वितीय

उद्घोषणा (इश्तिहार) न्यायालय (राज.)
व्यवहार मिश्रित (मुत्तफरिक) वाद सं. 2348/2019
विषय- उत्तराधिकार प्रमाण-पत्र प्रोबेट, लेटर ऑफ एडमिनिस्ट्रेशन प्राप्त करने हेतु प्रार्थना-पत्र।
शशांक शरण भटनागर (मृतक)
प्रार्थी नाम 1/1 श्रीमती स्वीटी माथुर पत्नी श्री शशांक भटनागर R/o P.No.-58, जी-1, अर्पित नगर, गांधी पथ, वैशालीनगर, जयपुर
विवाद स्थान..........
मृतक श्री मुनीन्द्र भटनागर की सम्पत्ति के विषय में।
पेशी दिनांक- 23.08.2024
सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि उपरोक्त प्रार्थी/प्रार्थीगण ने इस न्यायालय में इस आशय का प्रार्थना पत्र प्रस्तुत किया है कि मृतक, नाम मुनीन्द्र भटनागर पुत्र श्री बी.एस. भटनागर निवासी डी-154, दुर्गामार्ग, बनीपार्क, जयपुर का उत्तराधिकारी स्वीकार कर उसके पक्ष में उत्तराधिकार प्रमाण पत्र, प्रोबेट, लेटर ऑफ एडमिनिस्ट्रेशन, प्रदान किया जावें।
अतः उक्त प्रार्थना-पत्र की स्वीकृति में यदि किसी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो वह इस न्यायालय में दिनांक 23 माह 08 सन् 2024 को न्यायालय में उपस्थित होकर अपनी आपत्ति प्रमाण सहित प्रस्तुत करें। उक्त दिवस के पश्चात् कोई आपत्ति मान्य नहीं होगी।
आज दिनांक 6 माह 8 सन् 2024 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय मुद्रांकन से जारी किया गया।
प्रार्थीया ने मृतक मुनीन्द्र भटनागर के नाम प्रा.पत्र में वर्णित शेयर्स बाबत उत्तराधिकार प्रमाण पत्र चाहा है।
आज्ञा न्यायालय से-वरिष्ठ मुंसरिम
मोहर अदालत
जिला एवं सैंशन न्यायालय
जयपुर महानगर-प्रथम

उद्घोषणा (इश्तिहार) न्यायालय (राज.)
व्यवहार मिश्रित (मुत्तफरिक) वाद सं. 19/24
विषय- उत्तराधिकार प्रमाण-पत्र प्रोबेट, लेटर ऑफ एडमिनिस्ट्रेशन प्राप्त करने हेतु प्रार्थना-पत्र।
प्रार्थी नाम श्रीमती मंजू कंवर उर्फ गुणवंत कंवर पत्नी स्व.हीरालाल उर्फ हीरासिंह राव जाति राजपूत
विवाद स्थान जी.पी.एफ. एवं राज्य बीमा दावा
मृतक हीरालाल राव उर्फ हीरासिंह की सम्पत्ति के विषय में।
पेशी दिनांक- 23.08.2024
सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि उपरोक्त प्रार्थी/प्रार्थीगण ने इस न्यायालय में इस आशय का प्रार्थना पत्र प्रस्तुत किया है कि मृतक, नाम हीरालाल राव उर्फ हीरासिंह पुत्र लक्ष्मी नारायण राव जाति राजपूत निवासी 162/82 RHB प्रताप नगर सेक्टर-16, सांगानेर जयपुर का उत्तराधिकारी स्वीकार कर उसके पक्ष में उत्तराधिकार प्रमाण पत्र, प्रोबेट, लेटर ऑफ एडमिनिस्ट्रेशन, प्रदान किया जावें।
अतः उक्त प्रार्थना-पत्र की स्वीकृति में यदि किसी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो वह इस न्यायालय में दिनांक 23 माह 08 सन् 2024 को न्यायालय में उपस्थित होकर अपनी आपत्ति प्रमाण सहित प्रस्तुत करें। उक्त दिवस के पश्चात् कोई आपत्ति मान्य नहीं होगी।
आज दिनांक 12 माह 6 सन् 2024 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय मुद्रांकन से जारी किया गया।
आज्ञा से-शारिस्तेदार
अपर जिला एवं सैंशन न्यायालय
मोहर अदालत
संख्या 10, जयपुर महानगर-प्रथम
न्यायालय सांगानेर

सलूंबर विधानसभा के लिए उपचुनाव की तैयारी शुरू

जयपुर, (का.प्र.)। राजस्थान में होने वाले पांच विधानसभा उपचुनाव के साथ ही सलूंबर विधानसभा उपचुनाव के लिए भी कांग्रेस ने तैयारी शुरू कर दी है। पांच विधानसभा क्षेत्र झुंझुनू, दौसा, देवली-उनियारा, खींवसर और चौरासी के लिए प्रदेश कांग्रेस की ओर से पहले से ही कमेटियों का गठन कर दिया गया था। अब सलूंबर विधानसभा क्षेत्र के लिए भी वरिष्ठ नेताओं की कमेटी का गठन कर तैयारी शुरू कर दी गई है।

सलूम्बर विधानसभा उप चुनाव की तैयारी हेतु राजस्थान प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष गोविन्द सिंह डोटासरा ने संगठनात्मक सक्रियता बढ़ाने हेतु चार सदस्यीय समिति का गठन किया है। राजस्थनान प्रदेश कांग्रेस महासचिव व प्रवक्ता स्वर्णिम चतुर्वेदी ने बताया कि समिति द्वारा ब्लॉक, मण्डल तथा बूथ कांग्रेस कमेटियों की बैठक ली जाकर क्षेत्र के जमीनी कार्यकर्ताओं के साथ सीधा संवाद किया जायेगा। साथ ही जमीनी स्तर पर संगठन का मतदाताओं से संवाद एवं जुड़ाव हेतु कार्य योजना बनाकर विधानसभा उप चुनाव में पार्टी की जीत सुनिश्चित करने हेतु रूपरेखा तैयार की जायेगी। उन्होंने बताया कि सलूम्बर विधानसभा क्षेत्र में होने वाले उप चुनाव में पार्टी संगठन की मजबूती एवं क्षेत्र में जमीनी स्तर तक सक्रियता बढ़ाने हेतु राजस्थान प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष गोविन्द सिंह डोटासरा ने सलूम्बर विधानसभा क्षेत्र हेतु वरिष्ठ कांग्रेसजनों की चार सदस्यीय समिति का गठन किया है।

गठित समिति में विधायक अर्जुनसिंह बामनिया, उदयपुर देहात जिलाध्यक्ष कचरूलाल चौधरी, उदयपुर से रहे लोकसभा प्रत्याशी ताराचंद मीणा एवं पूर्व सांसद रघुवीर सिंह मीणा को शामिल किया गया है।

- कांग्रेस ने बनाई चार नेताओं की कमेटी

हर जिले में वृद्धाश्रम खोलने को लेकर जानकारी मांगी

जयपुर, (का.सं.)। राजस्थान हाईकोर्ट ने वरिष्ठ नागरिक कल्याण अधिनियम के तहत हर जिले में 150 लोगों की क्षमता का वृद्धाश्रम खोलने के संबंध में बजट आदि को लेकर दो सप्ताह में जानकारी मांगी है। जस्टिस पंकज भंडारी और जस्टिस प्रवीर भटनागर की खंडपीठ ने यह आदेश लोक उत्थान संस्थान की जनहित याचिका पर सुनवाई करते हुए दिए।

सुनवाई के दौरान राज्य सरकार की ओर से कहा गया कि वृद्धाश्रम खोलने के लिए 9 एनजीओ ने आवेदन किया है। वहीं याचिकाकर्ता की ओर से अधिवक्ता राजेन्द्र सोनी ने कहा कि हर जिले में वृद्धाश्रम खोलने के बजट आदि की जानकारी नहीं दी गई है। इस पर राज्य सरकार की ओर से मामले में दो सप्ताह का समय मांगा गया। गौरतलब है कि पूर्व में राज्य सरकार ने शपथ पत्र पेश कर अदालत को जानकारी दी गई थी कि प्रदेश में 40 वृद्धाश्रम और 16 डे केयर सेंटर खोले गए हैं। वहीं पुलिस की ओर से तैयार वरिष्ठ नागरिक सुरक्षा एप्लिकेशन भी काम कर रही है।

एस.एम.एस. अस्पताल में डॉक्टर्स ने शुरू की हड़ताल

जयपुर,(का.सं.)। सवाई मान सिंह मेडिकल कॉलेज के डॉक्टरों ने आर.जी. के.ए.आर. मेडिकल कॉलेज में हुई भयावह घटना से क्षुब्ध होकर हड़ताल की घोषणा की है। हालांकि इस दौरान आपातकालीन सेवाएं जारी रहेंगी।

जार्ड की ओर से जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार कोलकाता में एक मेडिकल कॉलेज जहां एक ऑन-ड्यूटी डॉक्टर के साथ बेरहमी से बलात्कार किया गया और उसकी हत्या कर दी गई। हम रेजिडेंट डॉक्टर एसोसिएशन के प्रतिनिधियों के साथ अटूट एकजुटता के साथ खड़े हैं। राष्ट्रव्यापी फ़ेडरेशन ऑफ़ रेजिडेंट डॉक्टर्स द्वारा शुरू की गई हड़ताल के समर्थन में एसोसिएशन और आम सभा की बैठक की सर्वसम्मति के आधार पर एसएमएस मेडिकल कॉलेज, जयपुर, में तत्काल हड़ताल शुरू करके चरणबद्ध विरोध का प्रस्ताव करते हैं। इस दौरान ओपीडी, ओटी और वार्डों सहित सभी वैकल्पिक और गैर-आवश्यक सेवाओं का निलंबन रहेगा। हालांकि गंभीर रूप से बीमार रोगियों को आपातकालीन सेवाएं मिलती रहेंगी, आपातकालीन सेवाएं चालू रहेंगी।

इस मामले में जार्ड पदाधिकारियों ने पारदर्शी जांच सहित सीबीआई को देने की मांग की है। इसी के साथ जिम्मेदार अधिकारियों का इस्तीफे सहित सभी अधिकारियों के निलंबन की मांग की है। इसके साथ ही परिजनों को पर्याप्त मुआवजे की मांग भी की है।

बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में स्वच्छ पेयजल आपूर्ति के निर्देश

जयपुर। प्रदेश में अतिवृष्टि की स्थिति को देखते हुए जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग द्वारा शहरों और गांवों में निर्बाध पेयजल आपूर्ति और पानी की गुणवत्ता सुनिश्चित करने के लिए दिशा-निर्देश प्रदान किये गए हैं। विभागीय अधिकारियों को बाढ़ की स्थिति में पेयजल की सुचारू आपूर्ति के लिए सभी व्यवस्थाएं पुख्ता करने के लिए कहा गया है।

विभाग के शासन सचिव डॉ. समित शर्मा ने इस संबंध में सोमवार को वीसी के माध्यम से बैठक लेकर सभी मुख्य अभियंता, अतिरिक्त मुख्य अभियंता एवं अधीक्षण अभियंता को आवश्यक दिशा-निर्देश प्रदान किये। उन्होंने कहा कि बाढ़ के दौरान बिजली लाइनों के क्षितग्रस्त होने की संभावना के चलते जलापूर्ति बाधित होने की आशंका बनी रहती है। इस स्थिति से बचने के लिए जेनरेटर सेट किराए पर लिए जाएं तथा वैकल्पिक व्यवस्था के तौर पर पानी के टैंकरों की तैनाती की जाए। साथ ही विद्युत वितरण निगम के अधिकारियों के साथ समन्वय कर बिजली आपूर्ति में किसी भी तरह की रुकावट होने पर तुरंत आपूर्ति बहाल किया जाना सुनिश्चित किया जाए।

उन्होंने कहा कि बाढ़ के जल की निकासी के लिए डीजल और बिजली से चलने वाले पंपिंग सेटों को चालू हालत में रखा जाए।

नम्बर मिलाइए 9587884433

सिर्फ एक फोन कॉल पर विज्ञापन घर बैठे बुक करायें।

Skill India कौशल भारत-कुशल भारत | N·S·D·C RE-IMAGINE FUTURE

दुनिया भर में कुशल भारतीयों के लिए अवसर

इज़राइल में होम-बेस्ड केयरगिवर का अवसर

सैलरी 1,30,000 रुपए प्रति माह से शुरू*

रिक्तियों की संख्या – 5000**

पात्रता मापदंड

लिंग – पुरूष और महिला | **उम्र:** 25 - 45 वर्ष | **हाइट/वजन:** न्यूनतम 5 फीट/45 किलोग्राम या अधिक

न्यूनतम योग्यता – 10वीं पास | **पासपोर्ट की वैधता:** न्यूनतम 3 वर्ष | **अंग्रेजी की आवश्यकता:** अच्छी/बेसिक

एक्सपीरियंस, डिप्लोमा और सर्टिफिकेशन

- केयरगिवर सर्विस प्रदान करने में योग्यता प्राप्त हो तथा किसी सक्षम इंडियन रेगुलेटरी अथॉरिटी द्वारा जारी सर्टिफिकेट हो, जो कम से कम 990 घंटों (ओजेटी सहित) का केयरगिवर कोर्स सफलतापूर्वक पूरा करने को दर्शाता हो, जो प्रासंगिक इंडियन अथॉरिटी द्वारा मान्यता प्राप्त या पर्यवेक्षित हो, या किसी भारतीय प्रशिक्षण प्रदाता द्वारा प्रदान की गई नर्सिंग, फिजियोथेरेपी, नर्स असिस्टेंट या दाई (मिडवाइफरी) का प्रशिक्षण पूरा करने का डिप्लोमा हो, जो प्रासंगिक इंडियन अथॉरिटी द्वारा मान्यता प्राप्त हो।
- जीडीए/एएनएम/जीएनएम/बीएससी नर्सिंग/पोस्ट बीएससी नर्सिंग

कृपया ध्यान दें:

- यह महत्वपूर्ण है कि उम्मीदवार ने पहले कभी इजराइल में काम न किया हो/वर्तमान में उसका जीवनसाथी, माता-पिता या बच्चे इजराइल में काम या रह न रहे हों।
- चयन और अस्वीकृति का निर्णय विशेष रूप से इज़रायली नियोक्ता (इम्प्लॉयर) द्वारा किया जाएगा।
- एनएसडीसी केयरगिवर वर्कर्स का नियोक्ता (इम्प्लॉयर) नहीं है, एनएसडीसी केवल सुविधाप्रदाता (फैसिलिटेटर) है।

*यह इज़रायल के न्यूनतम वेतन के अनुसार है।
**यह इज़रायल से प्राप्त वर्तमान मांग के अनुसार है।

cbc 63113/15/0002/2425

ईमेल आईडी: contact@nsdcinternational.com
आवेदन करने के लिए, QR कोड स्कैन करें

रामगढ़ पचवारा में दस इंच बारिश, दौसा जिले में बाढ़ जैसे हालात

तेज बारिश के चलते अधिकांश बांधों में पानी की आवक बनी

■ दौसा-गंगापुर रेल मार्ग पर लालसोट टनल के समीप पहाड़ का मलबा गिरने से रेलवे ट्रैक भी प्रभावित हुआ

दौसा, (निसं)। जिले में भारी बारिश के चलते अधिकांश बांधों में पानी की लगातार आवक बनी हुई है। बांधों के भराव क्षेत्र के आसपास रह रहे ग्रामीणों ने अपने मकान खाली कर दिये हैं तथा अपने गांव चले गये हैं। उधर बांध में पानी की लगातार आवक एवं नदी के ऊफान पर होने के कारण नांगल राजावतान से खानवास जाने वाला मार्ग पूरी तरह से बंद हो गया है। वहीं दूसरी ओर सर्वाधिक वर्षा रामगढ़ पचवारा में करीब दस इंच दर्ज की गई है। लगातार बारिश से जिले में बाढ़ जैसे हालात हो गये हैं। सोमवार को भी दौसा जिले में जमकर बरसात हुई, जिसके चलते शहर के निचले क्षेत्र में स्थित अधिकांश कॉलोनियां जलमग्न हो गई है। बरसात से रेलवे ट्रेक भी प्रभावित हो गया।

दौसा जिल में भारी बारिश से बाढ़ जैसे हालात पैदा हो गये हैं। सोमवार को प्रात: 8 बजे तक लालसोट में करीब सात इंच, रामगढ़ पचवारा में दस इंच, राहुवास में 161 एमएम, निर्झरना में सात इंच, नांगल- राजावतन में सवा पांच इंच, लवाण में सवा पांच इंच और मोरल बांध पर सवा पांच इंच बारिश दर्ज की गई। दौसा-गंगापुर रेल मार्ग पर लालसोट टनल के समीप पहाड़ का मलबा गिरने से रेलवे ट्रैक भी प्रभावित हुआ है। भारी बारिश होने के कारण अधिकतर एनीकट और बांध ओवरफ्लो हो चुके हैं।

सीकर में मूसलाधार बारिश से निचले इलाके जलमग्न

सीकर, (निसं)। जिला मुख्यालय पर पिछले एक हफ्ते से रिमझिम बरसात के बाद सोमवार को हुई मूसलाधार बरसात से जहां शहर के निचले इलाके जलमग्न हो गए, वहीं पानी भराव के चलते वाहन चालकों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ा। शहर में करीब आधा घंटे हुई मूसलाधार बरसात ने प्रशासन के दांवों की पोल खोल कर रख दी।

बरसात का पानी दुकानों और घरों में घुस गया, हालत यह बन गए कि नवलगढ़ रोड और पिपराली रोड सहित शहर के निचले हिस्से पूरी तरह जलमग्न हो गए। सीकर में पिछले एक सप्ताह से जारी रिमझिम बरसात के बाद सोमवार को अंचल में बादल झूम कर के बरसे। सीकर जिला मुख्यालय सहित आसपास के क्षेत्रों में अच्छी बरसात हुई। जहां एक ओर सीकर शहर में बारिश के बाद शहर में अनेक स्थानों पर पानी का भराव हो गया, वहीं खेतों में पानी अमृत बन के बरसा। पलसाना, रानोली क्षेत्र में अच्छी बरसात होने से किसानों ने राहत की सांस ली। वहीं बारिश के चलते पहाड़ी क्षेत्र भी हरियाली से आच्छादित हो चुके हैं। कोट बांध में भी पानी की आवक हुई है। सीकर शहर में बरसात के बाद नवलगढ़ रोड़, लुहारू बस स्टैण्ड, बस डीपो, बजाज रोड़, शिव कॉलोनी सहित मुख्य मार्गों पर पानी का भराव हो गया।

गंभीर नदी पर बनी पुलिया ढही, हिण्डौन-गंगापुर मार्ग अवरुद्ध

गांव काटकर के समीप स्थित पुलिया पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई।

■ गंभीर नदी के रास्ते पानी भरतपुर की ओर बढ़ रहा है, रास्ते में बने कई एनीकट भी ढह गये

■ पांचना बांध के छह गेट खोलने से नदी में तेज बहाव से पानी की आवक जारी

हिंडौन सिटी, (निसं)। पांचना बांध के सभी छह गेट खुलने के बाद गंभीर नदी में पानी के तेज बहाव के चलते गंगापुर मार्ग पर गांव काटकर के समीप स्थित पुलिया पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई, जिससे अब हिण्डौन-गंगापुर मार्ग पूरी तरह अवरुद्ध हो गया है।

जानकारी के अनुसार गत तीन दिन से क्षेत्र में चल रहे भारी बारिश के दौर ने शहर सहित आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों में भी हालातों को बदतर कर दिया है। पांचना बांध में पानी की भारी आवक ने क्षेत्र के लोगों की व प्रशासन की चिंताएं बढ़ा दी जिससे छुटकारा पाने के लिए प्रशासन में तत्काल प्रभाव से निर्णय लेकर पांचना से पानी निकासी के सभी 6 गेट खोल दिए, जिनमें से भारी मात्रा में पानी की निकासी हो रही है। गंभीर नदी के रास्ते यह पानी भरतपुर की ओर बढ़ रहा है, इस बीच रास्ते में बने कई एनीकट भी ढह गये हैं, जिससे पानी का बहाव और तेज हो गया। पानी के इस तेज बहाव ने गंगापुर रोड पर स्थित गांव काटकड़ के समीप सड़क पर बनी पुलिया पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई। हालांकि गत दिनों से छोटे और दोपहिया वाहनों का आवागमन पुलिया पर पानी की चादर चलने के कारण बंद कर रखा था, लेकिन अब पुलिया के क्षतिग्रस्त होने के बाद इस मार्ग पर बड़े वाहनों का आवागमन भी बंद हो गया है, जिससे अब हिंडौन शहर का वजीरपुर और गंगापुर क्षेत्र के गांव से पूरी तरह कट गया है। पानी के तेज बहाव से पुलिया इस तरह क्षतिग्रस्त हुई है कि लगभग 15 फीट के क्षेत्र में सड़क और पुलिया का नामोनिशान ही मिट गया है। अब गंगापुर जाने वाले वाहनों को करौली सपोटरा होते हुए निकाला जा रहा है, जिससे सैकड़ों गांव के लोगों की परेशानी बढ़ गई है। बारिश का कहर थमने का नाम नहीं ले रहा है। पुलिस और प्रशासन पूरी मुस्तादी के साथ भारी बारिश से पैदा हो रही इन समस्याओं से निपटने की कोशिश कर रहा है। इधर जनप्रतिनिधि और विभिन्न सामाजिक संगठनों के लोग भी अतिवृष्टि से आमजन के सामने पैदा हुई इन समस्याओं का सामना करने में मदद कर रहे हैं।

रील बनाने के चक्कर में नहर में गिरी कार, तीन की मौत

■ एक साथ पिता-पुत्र-पोते की हादसे में मौत हो गई

हनुमानगढ़, (कासं)। राजस्थान में लगातार तेज बारिश से हालात बिगड़ते जा रहे है। कई जिलों में अभी भी बारिश का दौर बना हुआ है। ऐसे में अभी तक 30 लोगों की मौत हो चुकी है। मौसम विभाग ने अगले पांच दिन तक प्रदेश में भारी बारिश होने की संभावना व्यक्त की है। वहीं, हनुमानगढ़ जिले के टिब्बी में रील बनाने के चक्कर में एक बड़ा हादसा हो गया। जहां पिता, पुत्र व पोते की तलवाड़ा झील मार्ग पर इंदिरा गांधी नहर के पुल से नहर में कार गिरने से मौत हो गई।

इंदिरा गांधी नहर के पुल से सोमवार सुबह करीब 8:00 बजे गिरी कार को चार घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद नहर से निकाला गया। साथ ही नहर से तीनों के शव भी बरामद किए गए हैं। जिनकी पहचान राठीखेड़ा निवासी मरबूब आलम (60) सानिब हुसैन(19) व हसनैन(5) के रूप में हुई है। कार सवार तीनों पिता, पुत्र व पोते के शव को कस्बे के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पर लाया जा रहा है। जहां उनका पोस्टमार्टम किया गया।

महाराजा गंगा सिंह विश्वविद्यालय, बीकानेर

निविदा सूचना

विश्वविद्यालय में सामग्री/सेवा हेतु ई-निविदा जारी की गयी है, जिसके यूबीएन GSU2425GLOB00022 है। निविदा से संबंधित विस्तृत जानकारी http://www.sppp.rajasthan.gov.in एवं www.eproc.rajasthan.gov.in पर उपलब्ध है।

राज.संवाद/सी/24/3610 — कुलसचिव

कार्यालय नगर निगम, कोटा दक्षिण, राजस्थान

राजीव गांधी भवन, दशहरा मैदान, सी.ए.डी. सर्किल-कोटा

email : nnksouth@gmail.com, websites : www.urban,rajasthan.gov.in/nnks, Ph.: 0744-2502142

क्रमांक :- ननिको/दक्षिण/निर्माण/2024/116-131 — दिनांक :- 08.08.2024

ई-निविदा सूचना संख्या : 07/2024-25

नगर निगम कोटा (उत्तर/दक्षिण) द्वारा विभिन्न अभियान्त्रिकी विभागों "A" एवं "AA" श्रेणी एवं नगर निगम कोटा (उत्तर/दक्षिण) में उपर्युक्त श्रेणी में पंजीकृत संवेदकों से कुल 06 कार्यो हेतु कुल राशि 56.92 लाख रूपये की ऑन लाईन निविदायें दिनांक 12.08.2024 से दिनांक 22.08.2024 तक आमन्त्रित की जाती हैं। टेन्डर बेचे जाने, प्राप्त करने की तिथि व निविदा की शर्ते इत्यादि नगर निगम की वेबसाईट www.urban.rajasthan.gov.in/nnks http://sppp.raj.nic.in, http://eproc.rajasthan.gov.in पर देखी जा सकती हैं।

UBN No. DLB2425WSOB05099 — UBN No. DLB2425WSOB05100
UBN No. DLB2425WSOB05101 — UBN No. DLB2425WSOB05102
UBN No. DLB2425WSOB05103 — UBN No. DLB2425WSOB05104

अधिशाषी अभियन्ता, नगर निगम कोटा दक्षिण

राज.संवाद/सी/24/3590

कार्यालय कृषि उपज मंडी समिति (फल एवं सब्जी) जयपुर

महात्मा ज्योतिबा फूले मुख्य मण्डी प्रांगण ई-मेल kums.jaipurfv@rajasthan.gov.in

क्रमांक :- 1194 - 1211 — दिनांक :- 08/08/2024

ई-निविदा सूचना

कृषि उपज मण्डी समिति (फल सब्जी) जयपुर द्वारा मुख्य मण्डी प्रांगण टर्मिनल मार्केट मुहाना में इन्क्यूबेशन सेन्टर स्थापित किये जाने हेतु विभिन्न शेष उपकरण एवं प्रयोगशाला सामग्री क्रय की जानी है तथा स्थापित इन्क्यूबेशन सेन्टर को 5 वर्ष के लिये संचालन हेतु इच्छुक संस्था/व्यक्ति को Operation and Management (O&M) आधार पर दिया जाना है। उक्त कार्यो हेतु कार्यालय द्वारा ऑनलाईन निविदा संख्या 10/2024-25 एवं 11/2024-25 आंमत्रित की जाती है। निविदा प्रपत्र व शर्ते www.sppp.rajasthan.gov.in/ www.eproc.rajasthan.gov.in, https://agriculture.rajasthan.gov.in पर देखी जा सकती है व www.eproc.rajasthan.gov.in पर दिनांक 08.08.2024 से दिनांक 01.09.2024 सांय 6:00 बजे तक निविदा दरे प्रस्तुत कर भाग लिया जा सकता है।

UBN- Tender-10 (DAM2425GLOB00631)
UBN- Tender-11 (DAM2425WSOB00632)

राज.संवाद/सी/24/3604 — सचिव

कार्यालय नगर पालिका मण्डल, सांभरलेक जिला जयपुर ग्रामीण

क्रमांक :- न.पा.सा./2024/91 — दिनांक :- 08/08/2024

ई-निविदा सूचना संख्या 05/2024

नगर पालिका सांभर लेक द्वारा निम्न कार्य कराये जाने हेतु सेवायें में इच्छुक एवं अनुभवी संवेदकों से निर्धारित प्रपत्र में ई-प्रोक्यूमेन्ट प्रक्रिया हेतु आनलाईन निविदाएँ आमंत्रित की जाती है। निविदा फार्म आनलाईन वेबसाईट http://eproc.rajasthan.gov.in डाउनलोड एवं अपलोड व http://sppp.rajasthan.gov.in पर डाउनलोड किये जा सकते है:-

Particulars	Detail
Unique Bid Number	DLB2425SLOB05377, DLB2425SLOB05378, DLB2425SLOB05380, DLB2425SLOB05381, DLB2425SLOB05379,
Number of Work	05
Estimate Cost of Tender	80.00 लाख
Earnest money (EMD) 2%	1.60 लाख
Cost of tender document (non-refundable) In favor of Municipal Corporation Jaipur Heritage Payable at Jaipur.	निविदा में अंकित कार्य के सम्मुख तालिका अनुसार
RISL Processing Fees (non-refundable) In favor of MD RISL Payable at Jaipur.	निविदा में अंकित कार्य के सम्मुख तालिका अनुसार
Tender Publication on official website http;//eproc.rajasthan.gov.in	10.08.2024
Tender download start date	10.08.2024
Bid Submission start date & Time	13.08.2024
Bid Submission End date & Time	13.08.2024
Technical bid opening date & Time	13.08.2024
Financial bid opening date & Time	Will be Intimated latter to the Technically qualified Bidders

राज.संवाद/सी/24/3615 — अध्यक्ष — अधिशाषी अधिकारी

Mahila Engineering College, Ajmer

(A constituent college of Bikaner Technical University, Bikaner)
Nasirabad Road, Makhupura, Ajmer-305002
Website www.gweca.ac.in — Ph. No. : 0145-2695534-35
Email : principal@gweca.ac.in — Fax No. : 0145-2695102

No. WECA/RHTEQIS/2024/143 — Date: 08.08.2024

CONTRACTUAL HIRING (ASSISTANT TEACHING ASSOCIATES)

Applications in prescribed format are invited from interested eligible candidates for contractual hiring on the post of Assistant Teaching Associates in various departments under Rajasthan Higher Technical Education Quality Improvement Scheme (RHTEQIS) on monthly fixed remuneration of INR 28,850/- (Rupees Twenty Eight Thousand Eight Hundred Fifty only).

Artificial Intelligence and Machine Learning (AIML)	Mechanical Engineering	Electrical Engineering	Computer Science & Engineering
02 [UR-01, UR(F)-01]	01 [UR-01]	01 [UR-01]	01 [BC(W)-01]

Total Post: 05*; UR-Unreserved, BC-Backward Class, SC- Scheduled Caste, ST-Scheduled Tribe, W-Widow, F-Female.

Reservation applicable as per DOP, Govt. of Raj. Order No त-7(2)-कार्मिक/क-2/19 दिनांक 24/02/2020. These contractual hiring shall be made on merit basis and in accordance with order of the Department of Technical Education, Govt. of Rajasthan order No. F.11(4)/T.E./2001/Part Vo-1, Jaipur dated 03.05.2023 for a period of ONE YEAR (extendable on satisfactory performance) or till termination of the Scheme, whichever is earlier. Qualifications and experience for these posts will be as per norms of AICTE applicable for Teaching Posts as on date.

Candidate will have to submit application in prescribed format with the following documents. Those who have applied for the earlier advertisement need to apply again.

DD in favour of Principal, Govt. Mahila Engineering College, Ajmer, payable at Ajmer for INR 200/- (Two Hundred only) towards application fee (non refundable); Self-attested photo copies of Educational qualifications (mark sheets & degree/certificates); GATE Score Card; valid Caste Certificate; Experience

Certificates; document related to conversion of CGPA into percentage.

Age Limit: Minimum-21 years and Maximum up to 40 years. Relaxation as per DOP order No. F.17(4)DOP/A-2/2014 dated 11.01.2022. Last date for submitting hard copy of application by registered/speed post is **28.08.2024, 04.00 PM**. College will not be held responsible for any postal delay and application received late or by hand will be rejected.

Application form and other related details are available on www.gweca.ac.in. Candidates are advised to keep visiting college website for any updated information.

PRINCIPAL

जयपुर विद्युत वितरण निगम लिमिटेड (CIN No: U40109RJ2000SGC016486) | अजमेर विद्युत वितरण निगम लिमिटेड (CIN No: U40109RJ2000SGC016482) | जोधपुर विद्युत वितरण निगम लिमिटेड (CIN No: U40109RJ2000SGC016483)

वर्ष 2024-25 के लिए वार्षिक राजस्व आवश्यकता एवं टैरिफ आदेश के मुख्य बिन्दु:-

राजस्थान विद्युत विनियामक आयोग ने जयपुर विद्युत वितरण निगम लिमिटेड, अजमेर विद्युत वितरण निगम लिमिटेड एवं जोधपुर विद्युत वितरण निगम लिमिटेड के लिए अपने आदेश दिनांक 26.07.2024 के द्वारा वर्ष 2024-25 के लिए वार्षिक राजस्व आवश्यकता एवं टैरिफ आदेश जारी कर दिया है। नया आदेश, दिनांक 01.08.2024 से प्रभावी होगा। विस्तृत वार्षिक राजस्व आवश्यकता एवं टैरिफ आदेश निगमों की वेबसाईट https://energy.rajasthan.gov.in/jvvnl, https://energy.rajasthan.gov.in/avvnl, https://energy.rajasthan.gov.in/jdvvnl एवं माननीय आरईआरसी की वेबसाईट https://rerc.rajasthan.gov.in पर भी उपलब्ध है।

टैरिफ आदेश के मुख्य बिन्दु निम्न प्रकार है:-

- माननीय आयोग ने माना है कि वर्तमान टैरिफ संरचना लागत-प्रतिबिंबित (cost-reflective) नहीं है क्योंकि स्थाई शुल्क से राजस्व, डिस्कॉम्स द्वारा निर्धारित निश्चित लागत के अनुरूप नहीं है और इस प्रकार, अनफंडेड अंतर और इस तथ्य को देखते हुए कि माननीय राजस्थान विद्युत विनियामक आयोग आदेश दिनांक 06.02.2020 के बाद से कोई भी टैरिफ वृद्धि नहीं हुई थी, माननीय राजस्थान विद्युत विनियामक आयोग द्वारा कृषि श्रेणी को छोड़कर सभी उपभोक्ता श्रेणियों पर मौजूदा निर्धारित शुल्क को सांकेतिक संशोधित अनुमोदित किया है।
- 50 यूनिट/माह तक की खपत वाले बीपीएल/आस्था कार्ड धारकों और छोटे घरेलू उपभोक्ताओं के स्लैब को मिलाकर एक स्लैब बनाया गया है।
- वित्त वर्ष 2022-23 की चौथी तिमाही के लिए ईंधन अधिभार (@1.33 रूपये/यूनिट) की वसूली और वित्त वर्ष 2023-24 की पहली तिमाही के लिए ईंधन अधिभार (0.90 रूपये/यूनिट) की वसूली वित्त वर्ष 2024-25 के लिए टैरिफ आदेश में अनुमोदित किया गया है।
- डिस्कॉम्स से ग्रीन पावर का विकल्प चुनने वाले उपभोक्ताओं से हरित बिजली शुल्क (Green power tariff) 0.21 रू./यूनिट , जो कि टैरिफ आदेश के अनुसार संबंधित श्रेणी के सामान्य टैरिफ से अधिक (over and above) है, लगाया जाएगा।
- यदि सौर ऊर्जा और डिस्कॉम के ड्रॉवल दोनों को ध्यान में रखते हुए संयुक्त लोड फैक्टर 50 प्रतिशत या अधिक है और डिस्कॉम के ड्रॉवल का लोड फैक्टर न्यूनतम 40 प्रतिशत या अधिक है। ऐसे मामलों में डिस्कॉम से ली गई ऊर्जा को 1 एमवीए या अधिक बिलिंग मांग और 50 प्रतिशत या अधिक फैक्टर वाले उपभोक्ताओं के लिए लागू टैरिफ पर बिल किया जाएगा।
- पॉलीहाउसों को आपूर्ति कोड विनियमों के अनुसार उनके वोल्टेज स्तर के आधार पर एचटी/ एलटी टैरिफ अनुसूची के तहत मिश्रित भार श्रेणी के अंतर्गत कवर किया जाएगा।
- नवीन औद्योगिक छूट कनेक्शन दिनांक से स्वतः जारी हो जायेगी। तथा उपखण्ड अधिकारी से किसी प्रमाण पत्र की आवश्यकता नहीं होगी।
- वृद्धिशील छूट उन कनेक्शनों पर लागू नहीं होगी, जो सरकारी विभाग/ सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों से संबंधित हैं।
- माननीय राजस्थान विद्युत विनियामक आयोग द्वारा स्पष्ट किया है कि अतिरिक्त मांग अधिभार (बिना छूट या अधिभार पर विचार किए) टैरिफ आदेश में निर्दिष्ट सकल ऊर्जा और स्थाई शुल्क पर लगाया जावेगा
- ट्राईवेक्टर मीटर (टीवीएम) वाले 18.65 किलोवाट से अधिक कनेक्टेड लोड वाले एलटी उपभोक्ताओं और स्मार्ट मीटर वाले अन्य एलटी ईवी उपभोक्ताओं के लिए ईवी चार्जिंग स्टेशनों के लिए टीओडी टैरिफ जारी रहेगी।
- माननीय राजस्थान विद्युत विनियामक आयोग द्वारा टीओडी टैरिफ संशोधित की है। उपरोक्त में सुबह 6:00 AM - 08:00 AM में ऊर्जा शुल्क पर 5% अधिभार एवं सांय 6:00 PM - 10:00 PM .बजे तक ऊर्जा शुल्क पर 10% अधिभार लागू होगा। साथ ही दोपहर 12:00 PM - 04:00 PM बजे तक ऊर्जा शुल्क पर 10% छूट लागू होगी। यह संशोधित टीओडी टैरिफ, एमआईपी (एचटी), एनडीएस (एचटी), एलआईपी (एचटी) और ईवी चार्जिंग स्टेशन उपभोक्ताओं पर लागू होगी।

वर्ष 2024-25 के लिये अनुमोदित टैरिफ

घरेलू श्रेणी (एल.टी-1 एवं एच.टी-1)

(बीपीएल, आस्था कार्ड धारक और लघू घरेलू उपभोक्ता किसी बिलिंग चक्र में 50 यूनिट प्रतिमाह)

बीपीएल और लघू घरेलू

घरेलू श्रेणी: विशिष्टियाँ	मौजूदा टैरिफ: ऊर्जा प्रभार	मौजूदा टैरिफ: स्थाई प्रभार	घरेलू श्रेणी: विशिष्टियाँ	अनुमोदित टैरिफ: ऊर्जा प्रभार	अनुमोदित टैरिफ: स्थाई प्रभार
बीपीएल और आस्था कार्ड धारक *			(i) प्रथम 50 यूनिट प्रतिमाह तक का उपभोग	4.75 रू प्रति यूनिट	150 रू प्रति कनेक्शन प्रतिमाह
(i) 50 यूनिट प्रतिमाह तक का उपभोग	3.50 रू प्रति यूनिट	100 रू प्रति कनेक्शन प्रतिमाह			
लघु घरेलू *					
(i) प्रथम 50 यूनिट प्रतिमाह तक का उपभोग	3.85 रू प्रति यूनिट	125 रू प्रति कनेक्शन प्रतिमाह			

* नोट : बीपीएल और आस्था कार्ड धारक की घरेलू टैरिफ एकल उपभोक्ता पर ही लागू होगी और यह किसी संस्था पर लागू नहीं होगी। यदि बीपीएल, आस्था कार्ड धारक और लघू घरेलू उपभोक्ता किसी बिलिंग चक्र में 50 यूनिट प्रतिमाह से ऊपर उपभोग करते है तो उपभोक्ता पर घरेलू श्रेणी एलटी-1 के अन्तर्गत अतिरिक्त यूनिटों के उपभोग पर सम्बन्धित स्लेब लागू होगी।

सामान्य घरेलू-1

विशिष्टियाँ (मौजूदा): सामान्य घरेलू-1 (150 यूनिट प्रतिमाह तक उपभोग)	ऊर्जा प्रभार	स्थाई प्रभार	विशिष्टियाँ (अनुमोदित): सामान्य घरेलू-1 (150 यूनिट प्रतिमाह तक उपभोग)	ऊर्जा प्रभार	स्थाई प्रभार
(i) प्रथम 50 यूनिट प्रतिमाह तक का उपभोग	4.75 रू प्रति यूनिट	230 रू प्रति कनेक्शन प्रतिमाह	(i) प्रथम 50 यूनिट प्रतिमाह तक का उपभोग	4.75 रू प्रति यूनिट	250 रू प्रति कनेक्शन प्रतिमाह
(ii) 50 यूनिट प्रतिमाह से ऊपर और 150 यूनिट प्रतिमाह तक का उपभोग	6.50 रू प्रति यूनिट		(ii) 50 यूनिट प्रतिमाह से ऊपर और 150 यूनिट प्रतिमाह तक का उपभोग	6.50 रू प्रति यूनिट	

सामान्य घरेलू-2

विशिष्टियाँ (मौजूदा): सामान्य घरेलू-2 (150 यूनिट से ऊपर 300 यूनिट प्रतिमाह तक का उपभोग)	ऊर्जा प्रभार	स्थाई प्रभार	विशिष्टियाँ (अनुमोदित): सामान्य घरेलू-2 (150 यूनिट से ऊपर 300 यूनिट प्रतिमाह तक का उपभोग)	ऊर्जा प्रभार	स्थाई प्रभार
(i) प्रथम 50 यूनिट प्रतिमाह तक का उपभोग	4.75 रू प्रति यूनिट	275 रू प्रति कनेक्शन प्रतिमाह	(i) प्रथम 50 यूनिट प्रतिमाह तक का उपभोग	4.75 रू प्रति यूनिट	300 रू प्रति कनेक्शन प्रतिमाह
(ii) 50 यूनिट प्रतिमाह से ऊपर और 150 यूनिट प्रतिमाह तक का उपभोग	6.50 रू प्रति यूनिट		(ii) 50 यूनिट प्रतिमाह से ऊपर और 150 यूनिट प्रतिमाह तक का उपभोग	6.50 रू प्रति यूनिट	
(iii) 150 यूनिट से ऊपर 300 यूनिट प्रतिमाह तक का उपभोग	7.35 रू प्रति यूनिट		(iii) 150 यूनिट से ऊपर 300 यूनिट प्रतिमाह तक का उपभोग	7.35 रू प्रति यूनिट	

सामान्य घरेलू-3

विशिष्टियाँ (मौजूदा): सामान्य घरेलू-3 (300 यूनिट से ऊपर 500 यूनिट प्रतिमाह तक का उपभोग)	ऊर्जा प्रभार	स्थाई प्रभार	विशिष्टियाँ (अनुमोदित): सामान्य घरेलू-3 (300 यूनिट से ऊपर 500 यूनिट प्रतिमाह तक का उपभोग)	ऊर्जा प्रभार	स्थाई प्रभार
(i) प्रथम 50 यूनिट प्रतिमाह तक का उपभोग	4.75 रू प्रति यूनिट	345 रू प्रति कनेक्शन प्रतिमाह	(i) प्रथम 50 यूनिट प्रतिमाह तक का उपभोग	4.75 रू प्रति यूनिट	400 रू प्रति कनेक्शन प्रतिमाह
(ii) 50 यूनिट से ऊपर और 150 यूनिट प्रतिमाह तक का उपभोग	6.50 रू प्रति यूनिट		(ii) 50 यूनिट से ऊपर और 150 यूनिट प्रतिमाह तक का उपभोग	6.50 रू प्रति यूनिट	
(iii) 150 यूनिट से ऊपर और 300 यूनिट प्रतिमाह तक का उपभोग	7.35 रू प्रति यूनिट		(iii) 150 यूनिट से ऊपर और 300 यूनिट प्रतिमाह तक का उपभोग	7.35 रू प्रति यूनिट	
(iv) 300 यूनिट से ऊपर और 500 यूनिट प्रतिमाह तक का उपभोग	7.65 रू प्रति यूनिट		(iv) 300 यूनिट से ऊपर और 500 यूनिट प्रतिमाह तक का उपभोग	7.65 रू प्रति यूनिट	

सामान्य घरेलू-4

विशिष्टियाँ (मौजूदा): सामान्य घरेलू-4 (500 यूनिट प्रतिमाह से ऊपर का उपभोग)	ऊर्जा प्रभार	स्थाई प्रभार	विशिष्टियाँ (अनुमोदित): सामान्य घरेलू-4 (500 यूनिट प्रतिमाह से ऊपर का उपभोग)	ऊर्जा प्रभार	स्थाई प्रभार
(i) प्रथम 50 यूनिट प्रतिमाह तक का उपभोग	4.75 रू प्रति यूनिट	400 रू प्रति कनेक्शन प्रति माह	(i) प्रथम 50 यूनिट प्रतिमाह तक का उपभोग	4.75 रू प्रति यूनिट	450 रू प्रति कनेक्शन प्रति माह
(ii) 50 यूनिट से ऊपर और 150 यूनिट प्रतिमाह तक का उपभोग	6.50 रू प्रति यूनिट		(ii) 50 यूनिट से ऊपर और 150 यूनिट प्रतिमाह तक का उपभोग	6.50 रू प्रति यूनिट	
(iii) 150 यूनिट से ऊपर और 300 यूनिट प्रतिमाह तक का उपभोग	7.35 रू प्रति यूनिट		(iii) 150 यूनिट से ऊपर और 300 यूनिट प्रतिमाह तक का उपभोग	7.35 रू प्रति यूनिट	
(iv) 300 यूनिट से ऊपर और 500 यूनिट प्रतिमाह तक का उपभोग	7.65 रू प्रति यूनिट		(iv) 300 यूनिट से ऊपर और 500 यूनिट प्रतिमाह तक का उपभोग	7.65 रू प्रति यूनिट	
(v) 500 यूनिट प्रतिमाह से ऊपर का उपभोग	7.95 रू प्रति यूनिट		(v) 500 यूनिट प्रतिमाह से ऊपर का उपभोग	7.95 रू प्रति यूनिट	

घरेलू श्रेणी (एच.टी-1)

विशिष्टियाँ (मौजूदा): एच.टी घरेलू (एच.टी-1)	ऊर्जा प्रभार	स्थाई प्रभार	विशिष्टियाँ (अनुमोदित): एच.टी घरेलू (एच.टी-1)	ऊर्जा प्रभार	स्थाई प्रभार
50 के.वी.ए. से ऊपर की संविदा स्वीकृत मांग	7.15 प्रति यूनिट	बिलिंग डिमाण्ड प्रतिमाह का 250 रू प्रति के.वी.ए.	50 के.वी.ए. से ऊपर की संविदा स्वीकृत मांग	7.15 प्रति यूनिट	बिलिंग डिमाण्ड प्रतिमाह का 275 रू प्रति के.वी.ए.

अघरेलू श्रेणी (एल.टी-2 एवं एच.टी.-2)

अघरेलू 5 किलोवाट तक स्वीकृत सम्बंद्ध भार

(अघरेलू टाईप-1)

विशिष्टियाँ (मौजूदा): एल.टी- अघरेलू (एल.टी-2) 100 यूनिट प्रतिमाह तक का उपभोग (टाईप-1)	ऊर्जा प्रभार	स्थाई प्रभार	विशिष्टियाँ (अनुमोदित): एल.टी- अघरेलू (एल.टी-2) 100 यूनिट प्रतिमाह तक का उपभोग (टाईप-1)	ऊर्जा प्रभार	स्थाई प्रभार
प्रथम 100 यूनिट प्रतिमाह तक का उपभोग	7.55 रू प्रति यूनिट	300 रू प्रति कनेक्शन प्रतिमाह	प्रथम 100 यूनिट प्रतिमाह तक का उपभोग	7.55 रू प्रति यूनिट	330 रू प्रति कनेक्शन प्रतिमाह

(अघरेलू टाईप-2)

विशिष्टियाँ (मौजूदा): एल.टी- अघरेलू (एल.टी-2) 100 यूनिट से ऊपर 200 यूनिट प्रतिमाह तक का उपभोग (टाईप-2)	ऊर्जा प्रभार	स्थाई प्रभार	विशिष्टियाँ (अनुमोदित): एल.टी- अघरेलू (एल.टी-2) 100 यूनिट से ऊपर 200 यूनिट प्रतिमाह तक का उपभोग (टाईप-2)	ऊर्जा प्रभार	स्थाई प्रभार
प्रथम 100 यूनिट प्रतिमाह तक का उपभोग	7.55 रू प्रति यूनिट	300 रू प्रति कनेक्शन प्रतिमाह	प्रथम 100 यूनिट प्रतिमाह तक का उपभोग	7.55 रू प्रति यूनिट	330 रू प्रति कनेक्शन प्रतिमाह
100 यूनिट से ऊपर और 200 यूनिट प्रतिमाह तक का उपभोग	8.50 रू प्रति यूनिट		100 यूनिट से ऊपर और 200 यूनिट प्रतिमाह तक का उपभोग	8.50 रू प्रति यूनिट	

(अघरेलू टाईप-3)

विशिष्टियाँ (मौजूदा): एल.टी- अघरेलू (एल.टी-2) 200 यूनिट से ऊपर 500 यूनिट प्रतिमाह तक का उपभोग (टाईप-3)	ऊर्जा प्रभार	स्थाई प्रभार	विशिष्टियाँ (अनुमोदित): एल.टी- अघरेलू (एल.टी-2) 200 यूनिट से ऊपर 500 यूनिट प्रतिमाह तक का उपभोग (टाईप-3)	ऊर्जा प्रभार	स्थाई प्रभार
प्रथम 100 यूनिट प्रतिमाह तक का उपभोग	7.55 रू प्रति यूनिट	380 रू प्रति कनेक्शन प्रतिमाह	प्रथम 100 यूनिट प्रतिमाह तक का उपभोग	7.55 रू प्रति यूनिट	420 रू प्रति कनेक्शन प्रतिमाह
100 यूनिट से ऊपर और 200 यूनिट प्रतिमाह तक का उपभोग	8.50 रू प्रति यूनिट		100 यूनिट से ऊपर और 200 यूनिट प्रतिमाह तक का उपभोग	8.50 रू प्रति यूनिट	
200 यूनिट प्रतिमाह से ऊपर और 500 यूनिट प्रतिमाह तक उपभोग	8.85 रू प्रति यूनिट		200 यूनिट प्रतिमाह से ऊपर और 500 यूनिट प्रतिमाह तक उपभोग	8.85 रू प्रति यूनिट	

(अघरेलू टाईप-4)

विशिष्टियाँ (मौजूदा): एल.टी- अघरेलू (एल.टी-2) 500 यूनिट प्रतिमाह से ऊपर का उपभोग (टाईप-4)	ऊर्जा प्रभार	स्थाई प्रभार	विशिष्टियाँ (अनुमोदित): एल.टी- अघरेलू (एल.टी-2) 500 यूनिट प्रतिमाह से ऊपर का उपभोग (टाईप-4)	ऊर्जा प्रभार	स्थाई प्रभार
प्रथम 100 यूनिट प्रतिमाह तक का उपभोग	7.55 रू प्रति यूनिट	460 रू प्रति कनेक्शन प्रतिमाह	प्रथम 100 यूनिट प्रतिमाह तक का उपभोग	7.55 रू प्रति यूनिट	500 रू प्रति कनेक्शन प्रतिमाह
100 यूनिट से ऊपर और 200 यूनिट प्रतिमाह तक का उपभोग	8.50 रू प्रति यूनिट		100 यूनिट से ऊपर और 200 यूनिट प्रतिमाह तक का उपभोग	8.50 रू प्रति यूनिट	
200 यूनिट प्रतिमाह से ऊपर और 500 यूनिट प्रतिमाह तक उपभोग	8.85 रू प्रति यूनिट		200 यूनिट प्रतिमाह से ऊपर और 500 यूनिट प्रतिमाह तक उपभोग	8.85 रू प्रति यूनिट	
500 यूनिट प्रतिमाह से ऊपर का उपभोग	8.95 रू प्रति यूनिट		500 यूनिट प्रतिमाह से ऊपर का उपभोग	8.95 रू प्रति यूनिट	

अघरेलू - 5 किलोवाट से ऊपर स्वीकृत संबद्ध भार,

विशिष्टियाँ (मौजूदा): अघरेलू 5 किलोवाट से ऊपर स्वीकृत संबद्ध भार (एल.टी-2)	ऊर्जा प्रभार	स्थाई प्रभार	विशिष्टियाँ (अनुमोदित): अघरेलू 5 किलोवाट से ऊपर स्वीकृत संबद्ध भार (एल.टी-2)	ऊर्जा प्रभार	स्थाई प्रभार
100 यूनिट प्रतिमाह तक का उपभोग	7.55 रू प्रति यूनिट	स्वीकृत सम्बंद्ध भार का 135 रू प्रति किलोवाट प्रतिमाह	100 यूनिट प्रतिमाह तक का उपभोग	7.55 रू प्रति यूनिट	स्वीकृत सम्बंद्ध भार का 150 रू प्रति किलोवाट प्रतिमाह
100 यूनिट से ऊपर और 200 यूनिट प्रतिमाह तक का उपभोग	8.50 रू प्रति यूनिट		100 यूनिट से ऊपर और 200 यूनिट प्रतिमाह तक का उपभोग	8.50 रू प्रति यूनिट	
200 यूनिट प्रतिमाह से ऊपर और 500 यूनिट प्रतिमाह तक उपभोग	8.85 रू प्रति यूनिट		200 यूनिट प्रतिमाह से ऊपर और 500 यूनिट प्रतिमाह तक उपभोग	8.85 रू प्रति यूनिट	
500 यूनिट प्रतिमाह से ऊपर का उपभोग	8.95 रू प्रतियूनिट	स्वीकृत सम्बंद्ध भार का 150 रू प्रति किलोवाट प्रतिमाह या बिलिंग डिमाण्ड प्रतिमाह का 270 रू प्रति के.वी.ए. (यदि स्वीकृत सम्बंद्ध भार18.65 किलोवाट से अधिक है तो)	500 यूनिट प्रतिमाह से ऊपर का उपभोग	8.95 रू प्रतियूनिट	स्वीकृत सम्बंद्ध भार का 165 रू प्रति किलोवाट प्रतिमाह या बिलिंग डिमाण्ड प्रतिमाह का 300 रू प्रति के.वी.ए. (यदि स्वीकृत सम्बंद्ध भार18.65 किलोवाट से अधिक है तो)

अघरेलू 50 के.वी.ए. से ऊपर संविदा मांग

एच.टी- अघरेलू (एच.टी-2) 50 के.वी.ए. से ऊपर संविदा मांग	मौजूदा: ऊर्जा प्रभार	मौजूदा: स्थाई प्रभार	एच.टी- अघरेलू (एच.टी-2) 50 के.वी.ए. से ऊपर संविदा मांग	अनुमोदित: ऊर्जा प्रभार	अनुमोदित: स्थाई प्रभार
सम्पूर्ण यूनिट	8.85 प्रति यूनिट	बिलिंग डिमाण्ड का 270 रू प्रति के.वी.ए. प्रतिमाह	सम्पूर्ण यूनिट	8.85 प्रति यूनिट	बिलिंग डिमाण्ड का 300 रू प्रति के.वी.ए. प्रतिमाह

पी.एस.एल श्रेणी (एल टी-3)

विशिष्टियाँ: पी.एस.एल	मौजूदा: ऊर्जा प्रभार	मौजूदा: स्थाई प्रभार	विशिष्टियाँ: पी.एस.एल	अनुमोदित: ऊर्जा प्रभार	अनुमोदित: स्थाई प्रभार
1 लाख से कम जनसंख्या	7.55 रू प्रति यूनिट	115 रू प्रति लैम्प पाईन्ट प्रतिमाह (अधिकतम 1150 रू प्रति कनेक्शन प्रतिमाह)	1 लाख से कम जनसंख्या	7.55 रू प्रति यूनिट	130 रू प्रति लैम्प पाईन्ट प्रतिमाह (अधिकतम 1300 रू प्रति कनेक्शन प्रतिमाह)
1 लाख या उससे अधिक जनसंख्या	8.10 रू प्रति यूनिट	145 रू प्रति लैम्प पाईन्ट प्रतिमाह (अधिकतम 2835 रू प्रति कनेक्शन प्रतिमाह)	1 लाख या उससे अधिक जनसंख्या	8.10 रू प्रति यूनिट	160 रू प्रति लैम्प पाईन्ट प्रतिमाह (अधिकतम 3120 रू प्रति कनेक्शन प्रतिमाह)

कृषि मीटर्ड श्रेणी (मीटर्ड और फ्लेट रेट) (एल टी-4)

विशिष्टियाँ: कृषि सप्लाई	मौजूदा: ऊर्जा प्रभार	मौजूदा: स्थाई प्रभार	विशिष्टियाँ: कृषि सप्लाई	अनुमोदित: ऊर्जा प्रभार	अनुमोदित: स्थाई प्रभार
मीटर्ड (एजी/एमएस(एल टी-4)			मीटर्ड (एजी/एमएस(एल टी-4)		
(i) सामान्य श्रेणी (जिन उपभोक्ताओ को ब्लॉक में बिजली मिल रही है)	5.55 रू प्रति यूनिट	स्वीकृत सम्बंद्ध भार का 30 रू प्रति एच.पी. प्रतिमाह	(i) सामान्य श्रेणी (जिन उपभोक्ताओ को ब्लॉक में बिजली मिल रही है)	5.55 रू प्रति यूनिट	स्वीकृत सम्बंद्ध भार का 30 रू प्रति एच.पी. प्रतिमाह
(ii) वे सभी उपभोक्ता जो कि उपरोक्त (i) में नहीं आते है और जिनको ब्लॉक घण्टो से ज्यादा बिजली मिल रही है।	7.10 रू प्रति यूनिट	स्वीकृत सम्बंद्ध भार का 60 रू प्रति एच.पी. प्रतिमाह	(ii) वे सभी उपभोक्ता जो कि उपरोक्त (i) में नहीं आते है और जिनको ब्लॉक घण्टो से ज्यादा बिजली मिल रही है।	7.10 रू प्रति यूनिट	स्वीकृत सम्बंद्ध भार का 60 रू प्रति एच.पी. प्रतिमाह
फ्लेट / अमीटर्ड (एजी/ एफआर(एल टी-4)			फ्लेट / अमीटर्ड (एजी/ एफआर(एल टी-4)		
(i) सामान्य श्रेणी (जिन उपभोक्ताओ को ब्लॉक में बिजली मिल रही है)	745 रू प्रति एच.पी. प्रति माह	स्वीकृत सम्बंद्ध भार का 30 रू प्रति एच.पी. प्रतिमाह	(i) सामान्य श्रेणी (जिन उपभोक्ताओ को ब्लॉक में बिजली मिल रही है)	745 रू प्रति एच.पी. प्रति माह	स्वीकृत सम्बंद्ध भार का 30 रू प्रति एच.पी. प्रतिमाह
(ii) वे सभी उपभोक्ता जो कि उपरोक्त (i) में नहीं आते है और जिनको ब्लॉक घण्टो से ज्यादा बिजली मिल रही है।	895 रू प्रति एच.पी. प्रति माह	स्वीकृत सम्बंद्ध भार का 60 रू प्रति एच.पी. प्रतिमाह	(ii) वे सभी उपभोक्ता जो कि उपरोक्त (i) में नहीं आते है और जिनको ब्लॉक घण्टो से ज्यादा बिजली मिल रही है।	895 रू प्रति एच.पी. प्रति माह	स्वीकृत सम्बंद्ध भार का 60 रू प्रति एच.पी. प्रतिमाह

लघु औघोगिक श्रेणी (एल टी-5)

विशिष्टियाँ: लघु औद्योगिक सेवा (एल.टी.-5) (18.65 किलोवाट (25 एच.पी) से अधिक भार नहीं,)	मौजूदा: ऊर्जा प्रभार	मौजूदा: स्थाई प्रभार	विशिष्टियाँ: लघु औद्योगिक सेवा (एल.टी.-5) (18.65 किलोवाट (25 एच.पी) से अधिक भार नहीं,)	अनुमोदित: ऊर्जा प्रभार	अनुमोदित: स्थाई प्रभार
500 यूनिट तक उपभोग	6 रू प्रति यूनिट	स्वीकृत सम्बंद्ध भार का 80 रू प्रति एच.पी. प्रतिमाह	500 यूनिट तक उपभोग	6 रू प्रति यूनिट	स्वीकृत सम्बंद्ध भार का 90 रू प्रति एच.पी. प्रतिमाह
500 यूनिट से ऊपर का उपभोग	6.45 रू प्रति यूनिट	स्वीकृत सम्बंद्ध भार का 110 रू प्रति एच.पी. प्रतिमाह	500 यूनिट से ऊपर का उपभोग	6.45 रू प्रति यूनिट	स्वीकृत सम्बंद्ध भार का 120 रू प्रति एच.पी. प्रतिमाह

मध्यम औघोगिक श्रेणी (एल टी-6 और एच टी-3)

विशिष्टियाँ	मौजूदा: ऊर्जा प्रभार	मौजूदा: स्थाई प्रभार	विशिष्टियाँ	अनुमोदित: ऊर्जा प्रभार	अनुमोदित: स्थाई प्रभार
मध्यम औघोगिक सेवा (एल.टी-6)	7 रू प्रति यूनिट	स्वीकृत सम्बंद्ध भार का 115 रू प्रति एच.पी. प्रतिमाह या बिलिंग डिमाण्ड का 230 रू प्रति के.वी.ए. प्रतिमाह	मध्यम औघोगिक सेवा (एल.टी-6)	7 रू प्रति यूनिट	स्वीकृत सम्बंद्ध भार का 130 रू प्रति एच.पी. प्रतिमाह या बिलिंग डिमाण्ड का 255 रू प्रति के.वी.ए. प्रतिमाह
मध्यम औघोगिक सेवा (एच.टी-3)	7 रू प्रति यूनिट	बिलिंग डिमाण्ड का 230 रू प्रति के.वी.ए. प्रतिमाह	मध्यम औघोगिक सेवा (एच.टी-3)*	7 रू प्रति यूनिट	बिलिंग डिमाण्ड का 255 रू प्रति के.वी.ए. प्रतिमाह

*** सभी छूटों पर विचार करने के बाद एचटी-3 के लिए न्यूनतम ऊर्जा शुल्क 6.30 रू प्रति यूनिट**

मिक्स लोड श्रेणी ब्लक सप्लाई (एल टी-7 और एच टी-4)

विशिष्टियाँ	मौजूदा: ऊर्जा प्रभार	मौजूदा: स्थाई प्रभार	विशिष्टियाँ	अनुमोदित: ऊर्जा प्रभार	अनुमोदित: स्थाई प्रभार
मिक्स लोड सेवा (एल.टी-7)	8.05 रू प्रति यूनिट	स्वीकृत सम्बंद्ध भार का 105 रू प्रति एच.पी. प्रतिमाह या बिलिंग डिमाण्ड का 215 रू प्रति के.वी.ए. प्रतिमाह	मिक्स लोड सेवा (एल. टी-7)	8.05 रू प्रति यूनिट	स्वीकृत सम्बंद्ध भार का 115 रू प्रति एच.पी. प्रतिमाह या बिलिंग डिमाण्ड का 240 रू प्रति के.वी.ए. प्रतिमाह
मिक्स लोड सेवा (एच.टी-4)	8.05 रू प्रति यूनिट	बिलिंग डिमाण्ड का 215 रू प्रति के.वी.ए. प्रतिमाह	मिक्स लोड सेवा (एच. टी-4)	8.05 रू प्रति यूनिट	बिलिंग डिमाण्ड का 240 रू प्रति के.वी.ए. प्रतिमाह

वृहद औघोगिक श्रेणी (एच टी-5)

विशिष्टियाँ	मौजूदा: ऊर्जा प्रभार (कुल उपभोग पर)	मौजूदा: स्थाई प्रभार	विशिष्टियाँ	अनुमोदित: ऊर्जा प्रभार (कुल उपभोग पर)	अनुमोदित: स्थाई प्रभार
(A) स्वीकृत संबद्ध भार 150 एच.पी. से अधिक और/ या अधिकतम अनुबंधित/अधिकतम मांग 125 के.वी.ए. से ऊपर	7.30 रू प्रति यूनिट	बिलिंग डिमाण्ड का 270 रू प्रति के.वी.ए. प्रतिमाह	(A) स्वीकृत संबद्ध भार 150 एच.पी. से अधिक और/ या अधिकतम अनुबंधित/अधिकतम मांग 125 के.वी.ए. से ऊपर	7.30 रू प्रति यूनिट	बिलिंग डिमाण्ड का 300 रू प्रति के.वी.ए. प्रतिमाह
(B) ऐसे उपभोक्ता जिनकी बिलिंग डिमांड 1 एम.वी.ए. अथवा उससे अधिक है और लोड फेक्टर 50 प्रतिशत या उससे अधिक है	6.30 रू प्रति यूनिट	बिलिंग डिमाण्ड का 270 रू प्रति के.वी.ए. प्रतिमाह	(B) ऐसे उपभोक्ता जिनकी बिलिंग डिमांड 1 एम.वी.ए. अथवा उससे अधिक है और लोड फेक्टर 50 प्रतिशत या उससे अधिक है	6.30 रू प्रति यूनिट	बिलिंग डिमाण्ड का 300 रू प्रति के.वी.ए. प्रतिमाह

वृहद् औद्योगिक श्रेणी के लिये वोल्टेज वार अनुमोदित टैरिफ*

स्वीकृत सम्बद्ध भार 150 एचपी से ऊपर या 125 कवीए से अधिक अनुबंधित / अधिकतम मांग वाले उपभोक्ताओं के लिए वोल्टेज वार *

वोल्टेज स्तर	मौजूदा: ऊर्जा प्रभार	मौजूदा: स्थाई प्रभार	वोल्टेज स्तर	अनुमोदित: ऊर्जा प्रभार	अनुमोदित: स्थाई प्रभार
11 केवी	7.300	बिलिंग मांग का 270 रू. प्रति केवीए प्रति माह	11 केवी	7.300	बिलिंग मांग का 300 रू. प्रति केवीए प्रति माह
33 केवी	7.081		33 केवी	7.081	
132 केवी	7.008		132 केवी	7.008	
220 केवी	6.935		220 केवी	6.935	

ऐसे उपभोक्ता जिनकी बिलिंग डिमांड 1 एम.वी.ए. अथवा उससे अधिक है और लोड फेक्टर 50 प्रतिशत या उससे अधिक है, वोल्टेज वार* दरें

वोल्टेज स्तर	ऊर्जा प्रभार	स्थाई प्रभार	वोल्टेज स्तर	ऊर्जा प्रभार	स्थाई प्रभार
11 केवी	6.300	बिलिंग मांग का 270 रू. प्रति केवीए प्रति माह	11 केवी	6.300	बिलिंग मांग का 300 रू. प्रति केवीए प्रति माह
33 केवी	6.111		33 केवी	6.111	
132 केवी	6.048		132 केवी	6.048	
220 केवी	5.985		220 केवी	5.985	

*** वृहद औघोगिक श्रेणी के लिये कोई अन्य वॉल्टेज छूट प्रयोज्य नहीं होगी।**

न्यूनतम ऊर्जा प्रभार'

वोल्टेज स्तर	मौजूदा टैरिफ: ऊर्जा प्रभार	वोल्टेज स्तर	अनुमोदित टैरिफ: ऊर्जा प्रभार
11 केवी	6.00	11 केवी	6.00
33 केवी	5.82	33 केवी	5.82
132 केवी	5.76	132 केवी	5.76
220 केवी	5.70	220 केवी	5.70

*** वृहद औघोगिक श्रेणी के लिये कोई अन्य वॉल्टेज छूट प्रयोज्य नहीं होगी।**

विद्युत चलित वाहनों हेतु चार्जिंग स्टेशन (एल टी -8 और एच टी -6)

श्रेणी	मौजूदा: ऊर्जा प्रभार	मौजूदा: स्थाई प्रभार	श्रेणी	अनुमोदित: ऊर्जा प्रभार	अनुमोदित: स्थाई प्रभार
सार्वजनिक चार्जिंग स्टेशन (एल टी -8)	6.00 रू. प्रति यूनिट	स्वीकृत सम्बंद्ध भार का 40 रू प्रति एच.पी. प्रतिमाह	सार्वजनिक चार्जिंग स्टेशन (एल टी -8)	6.00 रू. प्रति यूनिट	स्वीकृत सम्बंद्ध भार का 45 रू प्रति एच.पी. प्रतिमाह
सार्वजनिक चार्जिंग स्टेशन (एच टी -6)	6.00 रू. प्रति यूनिट	135 रू. प्रति केवीए प्रति माह	सार्वजनिक चार्जिंग स्टेशन (एच टी -6)	6.00 रू. प्रति यूनिट	150 रू. प्रति केवीए प्रति माह

टीओडी छुट और अधिभार (एनडीएस (एचटी-2), मध्यम उद्योग (एचटी-3), बड़े उद्योग (एचटी-5) और इलेक्ट्रिक वाहन चार्जिंग स्टेशन (एलटी-8 और एचटी-6) पर लागू)

स्लॉट्स	6:00AM to 8:00AM (2 घंटे) ऊर्जा प्रभार पर अधिभार	12:00PM to 4:00PM (4 घंटे) ऊर्जा प्रभार पर छुट	6:00PM to 10:00PM (4 घंटे) ऊर्जा प्रभार पर अधिभार
अनुमोदित टीओडी	5%	10%	10%

ट्रैक्शन लोड (एच टी-7)

श्रेणी	मौजूदा: ऊर्जा प्रभार	मौजूदा: स्थाई प्रभार	श्रेणी	अनुमोदित: ऊर्जा प्रभार	अनुमोदित: स्थाई प्रभार
ट्रैक्शन लोड (एच टी-7)	5.70 रू. प्रति यूनिट	135 रू. प्रति केवीए प्रति माह	ट्रैक्शन लोड (एच टी-7)	5.70 रू. प्रति यूनिट	150 रू. प्रति केवीए प्रति माह

अन्य टैरिफ:

(अ) व्हीलिंग शुल्क

वोल्टेज स्तर	मौजूदा टैरिफ(रू./यूनिट)	अनुमोदित टैरिफ(रू./यूनिट)
132 KV	0.01	0.01
33 KV	0.15	0.13
11 KV	0.79	0.74

(ब) क्रॉस सब्सिडी प्रभार

ओपन एक्सेस उपभोक्ता श्रेणी	वोल्टेज	मौजूदा टैरिफ (रू./यूनिट)	अनुमोदित क्रॉस सब्सिडी प्रभार (रू./यूनिट)
अघरेलू	11 केवी.	2.23	1.59
	33 केवी.	2.16	1.59
	132 केवी. और उससे ऊपर	2.14	1.59
मिक्स लोड/बल्क सप्लाई	11 केवी.	1.92	1.59
	33 केवी.	1.86	1.59
	132 केवी. और उससे ऊपर	1.84	1.59
वृहद् उद्योग	11 केवी.	1.58	1.59
	33 केवी.	1.67	1.59
	132 केवी. और उससे ऊपर	1.65	1.59

(स) अतिरिक्त सरचार्ज

अतिरिक्त सरचार्ज	मौजूदा टैरिफ(रू./यूनिट)	अनुमोदित (रू./यूनिट)
	0.89	0.53

(द) हरित टैरिफ

हरित टैरिफ (Green Tariff) (रू./यूनिट) सामान्य टैरिफ से ऊपर	0.21 (रू./यूनिट)

नोट :- वर्तमान में वह सभी प्रावधान जो कि इस आदेश में संशोधित नही किये गये है, लागू रहेंगे।

JPR 2871 (2024) — अधीक्षण अभियंता (रेगूलेशन)

राज.संवाद/सी/24/3662 — जयपुर/अजमेर/जोधपुर विद्युत वितरण निगम लिमिटेड

मूसलाधार बारिश ने जयपुर के ड्रेनेज सिस्टम की पोल खोली, अधिकांश सड़कें जलमग्न

बीते दो दिनों में जयपुर शहर में करीब 5 इंच से अधिक बारिश दर्ज, आज भी बारिश की संभावना

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर । राजधानी जयपुर में बीते 2 दिनों में पांच इंच बरसात दर्ज हुई है। आगामी 2-3 दिन बारिश दौर बने रहने की संभावना है। शनिवार रात से शुरू हुई बारिश थम-थमकर सोमवार को भी जारी रही। कभी तेज तो कभी मध्यम बारिश के कारण शहर की सड़कें जलमग्न हो गईं। जलमहल का पानी भी पाल लांघकर सड़क पर आ गया, वहीं डूब क्षेत्र की कॉलोनियों में जलभराव के कारण जन-जीवन अस्त-व्यस्त हो गया है।

सोमवार को लगातार तीसरे दिन तेज बारिश के कारण सीकर रोड स्थित ढेहर के बालाजी क्षेत्र में मुख्य सड़क पर 3 फीट तक पानी भरा रहा। इस दौरान यहां से गुजरने वाले वाहन चालकों को भारी परेशानियां झेलनी पड़ी। फोटो-राष्ट्रदूत

- टूटी सड़कों से गुजरना हुआ दूभर; गड्ढों में गिरकर चोटिल हो रहे लोग, ट्रैफिक जाम की समस्या भी बढ़ी
- सीकर रोड पर ढेहर के बालाजी, जलमहल, नंदपुरी अंडरपास, कालवाड़ रोड समेत कई इलाकों में पानी भरा

सीकर रोड पर ढेहर के बालाजी क्षेत्र, एम.आई.रोड, परकोटा, कालवाड़ रोड, सिरसी रोड, कनकपुरा-खिरणी फाटक, मालवीय नगर में नंदपुरी अंडरपास और ब्रह्मपुरी नाले के पास जलभराव के कारण लोगों को परेशानी झेलनी पड़ी। शहर की अधिकांश सड़कें बारिश के कारण टूट चुकी है, जिन्हें दुरुस्त नहीं किए जाने के कारण बड़े-बड़े खड्ढे लोगों के लिए मुसीबत बन रहे हैं। साथ ही ट्रैफिक जाम की समस्या भी बढ़ गई है।

तेज बारिश के कारण द्रव्यवती नदी उफान पर बहने लगी है। यहां महारानी फार्म पर नदी का पानी पुलिया के ऊपर से बहने लगा। पुलिया पर वाहनों की आवाजाही रोक दी गई। पैदल जाने वाले लोग भी पुलिया के दोनों तरफ खड़े नजर आए। कुछ लोग जान जोखिम में डालकर गाड़ियों से पुलिया पार करते दिखे। इसके बाद पुलिस टीम मौके पर पहुंची। बैरिकेडिंग कर गाड़ियों को सड़क पार करने से रोका।

सीकर रोड से ढेहर का बालाजी जाने वाली सड़क पर करीब तीन फीट तक पानी भर गया। इससे जाम की स्थिति बन गई। स्थानीय व्यापारियों ने बताया कि सड़क पर पानी भरने से बड़े वाहन बस-कार निकलने पर दुकानों में पानी जाता है। इससे स्थानीय दुकानदार काफी परेशान है। यहां अतिक्रमण के कारण नालियां चौक हो चुकी है। इससे हर बारिश में यहां पानी भरता है। जिम्मेदारों को शिकायत के बाद भी कोई कार्रवाई नहीं होती।

यहां के पानी की निकासी अमानीशाह नाले से कनैक्ट कर दी जाए तो इस समस्या का समाधान हो जाएगा।

कालवाड़ रोड पर रावण गेट चौराहे से लेकर हाथोज तक मुख्य सड़क पर जगह-जगह पानी भरा हुआ है। ड्रेनेज सिस्टम नहीं होने के कारण मुख्य सड़क पर करीब 2 फीट तक पानी भरा हुआ है। सड़क में जगह-जगह गड्ढे होने के कारण आये दिन वाहन चालक गिरकर चोटिल हो रहे हैं। ऐसा ही हाल खिरणी फाटक और सिरसी रोड का है। यहां भी कई कॉलोनियों में जलभराव के कारण लोगों को आवागमन में परेशानियां हो रही हैं।

मालवीय नगर के नंदपुरी अंडरपास में बारिश का पानी भरने के कारण आवागमन अवरूद्ध हो गया है, सोमवार को कई वाहन पानी के बीच में जाकर फंस गए, जिन्हें धक्का देकर बाहर निकालना पड़ा। मोतीडूंगरी रोड पर भी दुकानों में पानी भर गया।

स्थानीय लोगों ने बताया कि हर बार बारिश पर यहां जलभराव की स्थिति नजर आती है। दुकानों में पानी भर जाता है, पानी के कारण सड़क और फुटपाथ की दूरी का अंदाजा नहीं लग पाता। इससे हादसे भी होते हैं। इसी तरह करतारपुरा नाले के पास बनी कॉलोनियों में पानी भरा नजर आया। नाले का पानी पुलिया के ऊपर से तेज बहाव में बहने लगा। यहां बैरिकेड्स लगाकर ट्रैफिक को बंद किया गया। यहां प्रशासन की ओर से नाले के पास जेसीबी से सफाई करवाई जा रही थी। हालांकि निगम कर्मचारी बारिश थमने का इंतजार करते नजर आए। नाले के पास बनी कॉलोनी में पानी भरा नजर आया।

स्थानीय पार्षद महेंद्र हिंगोनिया ने बताया कि तेज बारिश से पथिक भवन बागवान विहार में मिट्टी के कट्टे डलवाए गए। 500 मिट्टी के कट्टे निगम और 200 कट्टे जेडीए से मंगवाकर नाले के पास स्थित मकान के पास डलवाए गए हैं। करतारपुरा नाले से जो सड़क स्वेज फार्म की ओर जाती है। उसे पानी के तेज बहाव के कारण बंद करवाया गया।

वहीं मुहाना मंडी रोड पर केसर चौराहा के पास तेज बारिश से सड़क पर चार फीट गहरा और 15 फीट चौड़ा गड्ढा हो गया। स्थानीय लोगों ने बताया कि सीवरेज में बारिश के पानी के रिसाव के कारण सड़क धंस गई। यहां मिट्टी डालने के लिए जो ट्रैक्टर आया था, उसका टायर भी सड़क धंसने से तीन फीट गड्ढे में चला गया। इसके बाद जेसीबी की मदद से ट्रैक्टर को बाहर निकाला गया।

परकोटे में चांदी की टकसाल से लेकर सुभाष चौक तक सड़क पर पानी भर गया। चांदी की टकसाल स्थित काले हनुमान जी मंदिर के बाहर पानी भर गया। यहां मंदिर में घुसने से पानी को रोकने के लिए तीन लेयर में लोह की बैरिकेडिंग की गई। इसके बावजूद पानी मंदिर के अंदर पहुंच गया। सड़क पर पानी भरे होने के कारण श्रद्धालु बाहर से ही भगवान के दर्शन किए। हाल ही में हैरिटेज मेयर ने यहां ड्रेनेज सिस्टम सुधारने का दावा किया था। स्थानीय लोगों ने बताया कि यहां तेज बारिश में तीन-चार फीट पानी भर जाता है।

बारिश के दौरान एसएमएस अस्पताल के बाहर घुटनों तक पानी भर गया। यहां आने वाले मरीजों, उनके परिजन और डॉक्टर्स को पानी से होकर गुजरना पड़ा। एसएमएस हॉस्पिटल के अंदर भी डॉक्टर्स-ड्यूटी रूम और कुछ वार्डों में पानी टपकता रहा। मरीजों के साथ मौजूद परिवार के लोगों ने बताया कि साउथ विंग सेकेंड में हालात नहीं सुधरे हैं। यहां पानी ऊपर से टपक रहा है। इससे परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। बता दें कि रविवार को ड्यूटी रूम में शॉर्ट सर्किट भी हुआ था।

जयपुर जिले के स्कूलों में आज भी रहेगा अवकाश

जयपुर, (का.सं.)। जयपुर शहर और जयपुर ग्रामीण में भारी बारिश को देखते हुए जिला कलेक्टर ने 13 अगस्त को अवकाश घोषित किया है। गौरतलब है कि 12 अगस्त को भी स्कूलों में अवकाश घोषित किया था। मुख्य जिला शिक्षा अधिकारी मंजू शर्मा ने आदेश जारी किया है कि जयपुर शहर और जयपुर ग्रामीण के सभी राजकीय और गैर राजकीय विद्यालयों में कक्षा एक से 12 तक सभी छात्र-छात्राओं का मंगलवर को अवकाश घोषित किया जाता है। सभी संस्था प्रधान इस आदेश की पालना सुनिश्चित करेंगे।

गलता कुंड में डूबने से 2 चचेरे भाइयों की मौत

- दोनों युवक नहाने के लिए कुंड में उतरे थे, लेकिन बाहर नहीं निकल सके

जयपुर । गलता गेट थाना इलाके में सोमवार को कावड़ लेने आए दो चचेरे भाइयों की गलता कुंड में डूबने से मौत हो गई। पुलिस जानकारी में सामने आया है कि वह अपने दोस्तों के साथ कावड़ लेने के लिए गलताकुंड आए थे और नहाने के लिए छलांग लगाने पर दोनों भाई डूब गए।

सूचना मिलने पर पुलिस ने सिविल डिफेंस टीम की मदद से दोनों शवों को पानी से बाहर निकलवा कर पोस्टमॉर्टम के लिए सवाई मानसिंह अस्पताल (एसएमएस) की मोर्चरी में भिजवा कर परिजनों को हादसे की सूचना दी गई। परिजनों की मौजूदगी में दोनों शवों का पोस्टमॉर्टम कर उनके हवाले कर दिया गया। एसआई गिरिराज ने बताया कि गलताकुंड में डूबने से सवाई माधोपुर निवासी सोनू (20) और राहुल (23) की मौत हो गई। दोनों चचेरे भाई कानोता में मीना पालड़ी में रहते थे और सोमवार दोपहर को तीन दोस्तों के साथ गलताजी कावड़ लेने आए थे। गलताजी पहुंचते ही सीढ़ियों पर अपने तीनों साथियों को चढ़ता छोड़कर भागते हुए नहाने के लिए जनाना कुंड में छलांग लगा दी। कुछ देर बाद दोनों एक-दूसरे को पकड़कर पानी में डूबते दिखाई देने पर लोगों ने हंगामा मच गया। हादसे की सूचना मिलने पर पुलिस ने सिविल डिफेंस टीम को सूचना दी। सूचना मिलने पर सिविल डिफेंस टीम मौके पर पहुंची और कुंड में टीम को रेस्क्यू के लिए उतारा। सिविल डिफेंस टीम ने एक घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद दोनों चचेरे भाइयों के शवों को कुंड से बाहर निकाल कर सवाई मानसिंह अस्पताल की मोर्चरी में भिजवाया।

सुरक्षा गार्ड ने की बच्ची से छेड़छाड़

जयपुर । विद्याधर नगर में पांच वर्षीय बच्ची से गंदी हरकत करने का मामला सामने आया है। परिजनों के साथ वह मंदिर में चल रहे कार्यक्रम में शामिल होने आई थी। यहां मासूम को अकेला पाकर सुरक्षा गार्ड ने बाथरूम में लेकर जाकर गंदी हरकत की। पुलिस ने पोक्सो एक्ट में मामला दर्ज कर कार्रवाई करते हुए आरोपित गार्ड को डिटेन कर पूछताछ कर रही है। पुलिस ने बताया कि हरमाड़ा निवासी युवक ने मामला दर्ज करवाया है कि विद्याधर नगर इलाके में स्थित मंदिर में परिचित ने रविवार को सहस्त्र घट का कार्यक्रम रखा था। रविवार दोपहर वह पत्नी और पांच वर्षीय बच्ची बेटी के साथ कार्यक्रम में शामिल होने मंदिर आए थे। रविवार देर शाम मंदिर परिसर में मासूम बेटी खेल रही थी। अकेला पाकर मंदिर के सुरक्षा गार्ड कंवर सिंह गुर्जर निवासी सुमेलपुर जिला दौसा ने मासूम को अपने पास बुलाकर बाथरुम में ले जाकर गंदी हरकत की। कुछ देर बाद मां के पास लौटी मासूम ने आरोपी की करतूत बताई, जिसके बाद लोगों ने उसकी पिटाई कर पुलिस को सौंप दिया।

घटिया होने के संदेह पर 1200 लीटर घी सीज

जयपुर । खाद्य सुरक्षा आयुक्त इकबाल खान के निर्देशन में सोमवार को को इंदौर से जयपुर लाए जा रहे 1200 लीटर से अधिक घी को अमानक और घटिया होने के संदेह पर सीज किया गया।

अतिरिक्त आयुक्त पंकज ओझा ने बताया कि मदर चॉइस ब्रांड का 705 लीटर एवं मिल्क क्रीम ब्राण्ड का 540 लीटर घी सैंपल लेने के बाद सीज किया गया है। यह घी इंदौर से बस में रखकर जयपुर लाया जा रहा था, जिसे अलग-अलग जगह सप्लाई किया जाना था। जून 2024 माह में भी इस पर कार्रवाई कर नमूने लिए गए थे, जो अमानक पाए गए थे। कार्रवाई में सीएमएचओ प्रथम डॉ. विजय सिंह फौजदार, खाद्य सुरक्षा अधिकारी रतन गोदारा, पवन गुप्ता और नरेंद्र शर्मा शामिल रहे।

'घुमंतू-अर्द्ध घुमंतू परिवारों को मिलेंगे ऑनलाइन पट्टे'

जयपुर । पंचायती राज मंत्री मदन दिलावर ने कहा कि घुमंतू एवं अर्द्ध घुमंतू जाति के परिवारों को 2 अक्टूबर को एक साथ ऑनलाइन पट्टे दिये जायेंगे। उन्होंने अधिकारियों को कहा कि विभागीय योजनाओं के लक्ष्यों को त्वरित गति से समय पर पूरा करें। दिलावर सोमवार को शिक्षा संकुल में पंचायती राज विभाग की विभागीय समीक्षा बैठक ले रहे थे। उन्होंने अधिकारियों को ''हरियालो राजस्थान'' अभियान को सफल बनाने के लिए बधाई दी। स्वच्छ भारत मिशन अभियान के बारे में मदन दिलावर ने कहा कि हिंदुस्तान में राजस्थान सबसे स्वच्छ राज्य दिखना चाहिए। जिनके पास शौचालय नहीं है उनका सर्वे किया जाये। ग्रामीण परिवारों को चिन्हित करके शौचालय बनाने और उनका उपयोग करने के बारे में जागरुक करें। प्रदेश में अब तक 1 करोड़ 9 लाख शौचालय बनाये जा चुके है। तरल कचरा प्रबंधन के लिए पॉलिसी बनाकर काम करने और नालियों में ढलान देने के लिए कहा।

शिक्षा में निजी क्षेत्र में फर्जीवाड़ा नहीं हो, संदेश स्पष्ट जाना चाहिए कि 'सुधरो नहीं तो बंद कर दिया जाएगा' : राज्यपाल

राज्यपाल हरिभाऊ बागड़े ने विश्वविद्यालयों में रिक्त पद भरने के निर्देश दिए

राज्यपाल हरिभाऊ बागडे ने सोमवार को राजभवन में उच्च-तकनीकी और संस्कृत शिक्षा विभाग की समीक्षा बैठक ली। उनके साथ उपमुख्यमंत्री प्रेमचंद बैरवा व कई अधिकारी मौजूद थे।

जयपुर, (का.सं.)। राज्यपाल हरिभाऊ किसनराव बागडे ने विश्वविद्यालयों और महाविद्यालयों की नेक रैंकिंग हेतु 15 दिन में टीम बनाने, प्रति वर्ष 8 विश्वविद्यालयों की नेक रैंकिंग करवाने और पांच वर्ष में सभी विश्वविद्यालयों की नेक रैंकिंग सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने राज्य के विश्वविद्यालयों और महाविद्यालयों में रिक्त पदों की जानकारी लेते हुए वहां रिक्त पदों को भरने की कार्यवाही त्वरित किए जाने के भी निर्देश दिए। उन्होंने विद्यार्थियों में बौद्धिक क्षमता बढ़ाने और कॉपी मुक्त शिक्षण संस्थान स्थापित करने के लिए भी कार्य करने पर जोर दिया। उन्होंने तकनीकी शिक्षा के अंतर्गत राज्य के उद्योगों की मांग के अनुसार पाठ्यक्रम निर्मित कर युवाओं को दक्ष किए जाने पर जोर दिया। उन्होंने तकनीकी शिक्षण संस्थानों की साख बढ़ाकर नामांकन वृद्धि के प्रयास किए जाने के भी निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि वह परिणाम चाहते हैं, इसके लिए सभी प्रयास करें। उन्होंने स्पष्ट कहा कि शिक्षा में अनियमितता नहीं होनी चाहिए। निजी क्षेत्र में भी फर्जीवाड़ा नहीं होना चाहिए। यह संदेश जाए कि सुधरो नहीं तो संस्थान बंद करवा दिया जाएगा। उन्होंने राज्य के विश्वविद्यालयों और महाविद्यालयों की नेक रैंकिंग के आवेदन के लिए वहां का सर्वे करवाकर कार्यवाही करने के भी निर्देश दिए। उन्होंने इस संबंध में अभियान चलाकर प्रति वर्ष न्यूनतम 8 से 10 विश्वविद्यालयों की नेक रैंकिंग के लक्ष्य निर्धारित कर कार्यवाही करने का भी आव्हान किया। बागडे ने सोमवार को राजभवन में उच्च, तकनीकी और संस्कृत शिक्षा विभाग की समीक्षा बैठक में संबोधित कर रहे थे। बैठक में उप मुख्यमंत्री और उच्च एवं तकनीकी शिक्षा मंत्री डा. प्रेमचंद बैरवा भी उपस्थित रहे।

राज्यपाल ने कहा कि प्रदेश में उच्च शिक्षा प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों का बौद्धिक स्तर बढ़ाने के लिए प्रयास हो। उन्होंने उच्च शिक्षा में गुणवत्ता वृद्धि के लिए प्रभावी कार्य करने के निर्देश दिए। राज्यपाल ने कौशल शिक्षण के लिए विशेष प्रयास करने, महाविद्यालयों की संख्या वृद्धि के स्थान पर मौजूदा उच्च शिक्षण संस्थानों में गुवतापूर्ण शिक्षा पर अधिक ध्यान देने की आवश्यकता जताई। बैठक में उच्च एवं तकनीकी शिक्षा विभाग के प्रमुख सचिव सुबीर कुमार ने उच्च एवं तकनीकी शिक्षा के राज्य परिदृश्य के बारे में विस्तार से जानकारी दी।

उच्च शिक्षा विभाग के आयुक्त पुखराज सेन और संस्कृत शिक्षा विभाग की सचिव डा. पूनम ने विभागीय प्रस्तुति दी। राज्यपाल के सचिव गौरव गोयल ने उच्च, तकनीकी और संस्कृत शिक्षा से जुड़े महती विषयों के बारे में अवगत कराया। बैठक में बड़ी संख्या में विभाग के अधिकारी उपस्थित रहे।

कांग्रेस का हाथ हिंदुओं व भारत के विरूद्ध करता है काम : मदन राठौड़

- उन्होंने कहा कि 'बांग्लादेश में हिन्दुओं का नरसंहार चिंतनीय, अन्तरराष्ट्रीय बिरादरी इसमें दखल दें।'
- मदन राठौड़ ने कहा कि, गाजा में इजराइली हमले पर हाय-तौबा मचाने वाला विपक्ष बांग्लादेश में हिन्दू नरसंहार पर मौन क्यों है?'

जयपुर । भाजपा के प्रदेशाध्यक्ष एवं सांसद मदन राठौड़ ने बांग्लादेश में हो रही हिन्दुओं सहित वहां के अल्पसंख्यक समुदाय के लोगों की हत्याओं और उत्पीड़न पर गहरा दु:ख व्यक्त किया है। राठौड़ ने कहा कि हाल ही की घटनाओं ने इस क्षेत्र में हिन्दुओं के खिलाफ लक्षित हिंसा के नए और खतरनाक पैटर्न देखा गया है जो बेहद चिंताजनक है।

भाजपा प्रदेशाध्यक्ष ने कहा कि मेहरपुर का इस्कॉन मंदिर हो या बांग्लादेश के हिन्दू मंदिरों में तोड़फोड करना हो या निहत्थे हिन्दुओं की बर्बरता पूर्वक हत्या करनी हो या फिर महिलाओं के साथ दुष्कर्म करना हो इन सब घटनाओं का जिस प्रकार वीडियो बनाकर दंगाई जश्न मना रहे हैं, वह मानवता पर कलंक है। उन्होंने कहा कि बांग्लादेश में हिन्दुओं ने बार-बार उत्पीड़न झेला है, ऐसी घटनाएं राजनीतिक अस्थिरता के दौर में ओर बढ़ जाती है। वर्तमान दौर की घटनाएं 1971 के बांग्लादेश के गठन के उस दौर की याद दिलाती है जब पाकिस्तानी शासन द्वारा 2.5 मिलियन हिन्दुओं की हत्या कर दी गई थी। राठौड़ ने कहा कि जिस मांग को लेकर वहां आंदोलन हो रहा था, उसमें बतौर नागरिक हिन्दू भी आंदोलनकारियों के साथ थे, परन्तु सत्ता परिवर्तन के बाद जिस तरह हिन्दू समाज को निशाना बनाया जा रहा है, उससे लगता है कि वो सिर्फ राजनीतिक आंदोलन नहीं, बल्कि मजहबी आधार पर हिन्दुओं के नरसंहार की सोची, समझी साजिश का हिस्सा है। उन्होंने इस बात पर चिंता व्यक्त की कि बांग्लादेश के एक पत्रकार ने राहुल गांधी की बांग्लादेश के एक बड़े नेता के साथ गोपनीय बैठक करने की बात कहीं है। वह इस बात को इंगित करती है कि कांग्रेस और कांग्रेस के नेता देश की सुरक्षा तथा हिन्दुओं के हितों की अपने लाभ के लिए बलि लेने को भी तैयार है। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी का चीनी दूतावास में जाकर ऐसे समय में चर्चा करना जब देश की सरहद पर भारत के जवान चीनी सेना के आमने सामने थे, वह घटना कोई भी राष्ट्रवादी भारतीय भूल नहीं सकता। मदन राठौड ने बांग्लादेश के हिन्दुओं की सुरक्षा और उनके अधिकारों की रक्षा के लिए अन्तरराष्ट्रीय बिरादरी के दखल की आवश्यकता जताई।

सार-समाचार

अर्पित काला को मुंबई में अवार्ड मिला

जयपुर । जयपुर के अर्पित काला को हाल ही में मुंबई में आयोजित दुनिया के दूसरे सबसे बड़े जेम्स और ज्वैलरी बी-टू-बी शो, इंडिया इंटरनेशनल ज्वैलरी शो के 40वें संस्करण में ''द ब्राइट टैलेंट्स इन 40 अंडर 40'' अवॉर्ड से सम्मानित किया गया। उन्हें यह अवॉर्ड जेम एंड ज्वैलरी एक्सपोर्ट प्रमोशन काउंसिल द्वारा ज्वैलरी इंडस्ट्री पर महत्वपूर्ण प्रभाव डालने के लिए प्रदान किया गया। अर्पित काला इंडियन ज्वैलर मैग्जीन के एसोसिएट एडिटर और कोट्यारे इंडिया ज्वैलरी शो के आयोजक भी हैं। अर्पित ने वर्ल्ड गोल्ड काउंसिल के सचिन जैन और इंडिया इंटरनेशनल ज्वैलरी शो, मुंबई के संयोजक, नीरव भंसाली द्वारा यह सम्मान प्राप्त किया। उन्होंने कहा कि ''यह मेरे लिए ही नहीं बल्कि पूरे जयपुर जेम एंड ज्वैलरी इंडस्ट्री के लिए गर्व का क्षण है। जयपुर के रत्न और आभूषण देश में ही नहीं बल्कि पूरे विश्व में प्रसिद्ध हैं।

शांति लाल जैन का अभिनंदन किया

जयपुर । जैन बैंकर्स रत्न शांतिलाल जैन, प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी, इंडियन बैंक एवं डिप्टी चेयरमैन आईबीए ने सपत्नीक कीर्तिनगर जैन मंदिर में विराजित मुनिराज समत्व सागर महाराज को श्रीफल भेंट कर आशीर्वाद प्राप्त किया। पार्श्वनाथ मोक्ष कल्याणक के अवसर पर धर्मसभा में आपने चित्र अनावरण एवं दीप प्रज्जवलन किया एवं अर्घ वाचन के साथ भक्तिभाव से मोक्ष कल्याणक लड्डू अर्पित किया। मुनिराज के प्रवचन का लाभ भी प्राप्त किया। इस अवसर पर जैन बैंकर्स फोरम से अध्यक्ष भागचंद जैन, कार्याध्यक्ष पदम बिलाला, संरक्षक प्रदीप जैन लाला, संयोजक सुकेश काला, नवीन जैन, धर्म चंद जैन आदि ने शांति लाल जैन एवं उनकी धर्म पत्नि सपना जैन को माला, दुपट्टा, शाल एवं साफा पहनाकर स्वागत किया एवं जयपुर फोरम द्वारा की जा रही विभिन्न गतिविधियों की जानकारी से अवगत कराया गया, जिसकी उन्होंने वर्तमान में आवश्यकता बताई ।

लैब ग्रोन हीरों की मांग : राजू मंगोड़ीवाला

जयपुर । मुंबई के बॉम्बे एक्जीबिशन सेंटर पर 9 अगस्त से इंडिया इंटरनेशनल ज्वैलरी शो के 40वें संस्करण व दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा रत्न और आभूषण बी-टू-बी शो का आयोजन किया गया। जिसमें विश्व भर के व्यापारी ज्वैलरी की ख़रीद-फ़रोख़्त करते है। जयपुर ज्वैलर एसोसिएशन के उपाध्यक्ष व 'जस' शो के को-कन्वेयनर राजू मंगोड़ीवाला ने बताया कि इस शो में जयपुर के ज्वैलर्स की बड़ी भूमिका रही। उन्होंने कहा कि आने वाला समय लैब ग्रोन डायमंड का होगा। हर घर डायमंड की मुहिम अब पूरे देश में चल पड़ी है, क्योंकि दुनिया के सबसे बड़े लैब ग्रोन मैन्युफैक्चरर्स ग्रीन लैब ज्वैल्स के मालिक संकित पटेल व विपुल पटेल ने बताया कि अब हिंदुस्तान में भी लोग बहुत ही तेज़ी से लैब ग्रोन डायमंड ख़रीदने लगे हैं। आम आदमी भी 1-2 कैरेट डायमंड आसानी से पहन सकेंगे, क्योंकि ये रियल डायमंड की कीमत से 10 प्रतिशत कीमत पर ही उपलब्ध हो जाता है।

विनोद दासारी जेटवर्क बोर्ड में शामिल

जयपुर । कॉन्ट्रैक्ट मैन्युफैक्चरिंग के लिए दुनिया के सबसे बड़े बाज़ार के रूप में स्थापित 'ज़ेटवर्क' अपने कस्टमर्स तथा स्टेकहोल्डर्स को बेहतर सेवा देने के लिए विस्तार कर रहा है। अपनी विस्तार योजना के तहत ही प्लेटफ़ॉर्म ने अपनी लीडरशिप को मजबूत करने के लिए विनोद कुमार दासारी को बोर्ड में शामिल करने की घोषणा की है। जेटवर्क के बोर्ड में दासारी जी ऐसे समय में शामिल हुए हैं, जब कंपनी कंज्यूमर इलेक्ट्रॉनिक्स, एयरोस्पेस, रिन्यूवेबल्स और इंडस्ट्रियल जैसे प्रमुख क्षेत्रों में रणनीतिक रूप से तेजी से बढ़ रही है। अपनी नियुक्ति पर विनोद कुमार दासारी ने कहा, मुझे मैं जेटवर्क के बोर्ड में शामिल होने पर काफी खुशी हो रही है। मैं जेटवर्क के बोर्ड में शामिल होने के साथ एक ऐसी कंपनी का हिस्सा बना हूं जो मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर में इनोवेशन के लिए जानी जाती है। ज्ञात रहे कि दासारी के पास ऑटोमोबाइल और इंजीनियरिंग जैसे अलग-अलग क्षेत्रों में मैन्युफैक्चरिंग बिज़नेस को आगे बढ़ाने और बड़े स्तर तक ले जाने का लगभग 4 दशकों का अनुभव है। जेटवर्क बोर्ड में शामिल होने से पहले दासारी, निजी इक्विटी फर्म एडवेंट इंटरनेशनल, रॉयल एनफील्ड और अशोक लेलैंड जैसी बड़ी फर्मो में भी महत्वपूर्ण योगदान दे चुके हैं।

जेडीए में सजाई बर्फानी बाबा की झांकी

जयपुर । जयपुर विकास प्राधिकरण परिसर में स्थित महाकाल मंदिर में सोमवार को फल-फूलों व बर्फानी बाबा की 15वीं झांकी सजाई गई। कार्यक्रम में हजारों भक्तों एवं आमजन ने प्रसादी ग्रहण की। इस अवसर पर जेडीए के मुख्य नियंत्रक प्रवर्तन महेन्द्र शर्मा, ओलंपियन एथलेटिक्स खिलाड़ी सपना पूनिया, जेडीए अधिकारी एवं कर्मचारी परिषद के अध्यक्ष बाबू लाल मीणा, राधेश्याम तंवर अध्यक्ष सुप्यार देवी फाउंडेशन, अजय सिंह तंवर, मेघना तंवर सहित गणमान्य अतिथि भी उपस्थित हुए। कार्यक्रम में भगवान के भजन शांत वातावरण में गुंजायमान हो उठे, जो उपस्थित लोगों के दिलों और आत्मा को छू गए। कार्यक्रम में आए सभी लोगो ने कार्यक्रम के आयोजन को अति सुंदर बताया।

शाला स्वास्थ्य परीक्षण मोबाइल एप लॉंच

जयपुर । शिक्षा मंत्री मदन दिलावर ने सोमवार को शिक्षा संकुल में राजकीय विद्यालयों मे पढ़ने वाले बच्चों के स्वास्थ्य परीक्षण के लिए शाला स्वास्थ्य परीक्षण मोबाइल एप का शुभारंभ किया। इस अवसर पर शिक्षा विभाग के शासन सचिव कृष्ण कुणाल, निदेशक माध्यमिक शिक्षा आशीष मोदी, निदेशक प्राथमिक शिक्षा सीताराम जाट सहित विभाग के अन्य अधिकारी उपस्थित थे। शाला स्वास्थ्य परीक्षण मोबाइल एप्लीकेशन के जरिए सरकारी स्कूलों के 81 लाख बच्चों और 72 हजार विद्यालयो में स्वास्थ्य परीक्षण किया जायेगा। एप्लीकेशन के माध्यम से 70 प्रश्नों के आधार पर पेपरलेस सर्वेक्षण कर बच्चों में रोग की पहचान कर सलाह दी जा सकेगी। सर्वेक्षण 12 से 31 अगस्त, 2024 के दौरान प्रदेश के स्कूलों मे किया जायेगा।

ARBiT
it happens here...

International Lefthanders Day

From scissors to knives, from can openers to cork screws, *Left Handers* (also sometimes called Southpaws) can be the brunt of jokes all year long due to their unique hand dominance. But this is the day to ignore all of that and bring awareness to all of those right-handed folks around the globe in celebration of *Left Handers Day*. After all, as the old saying goes, right-handed people operate on the left side of the brain, which means that left-handed people are functioning on the right side. Therefore, only left-handed people are in their right mind!

राष्ट्रदूत
TUESDAY
13 August 2024
A-B

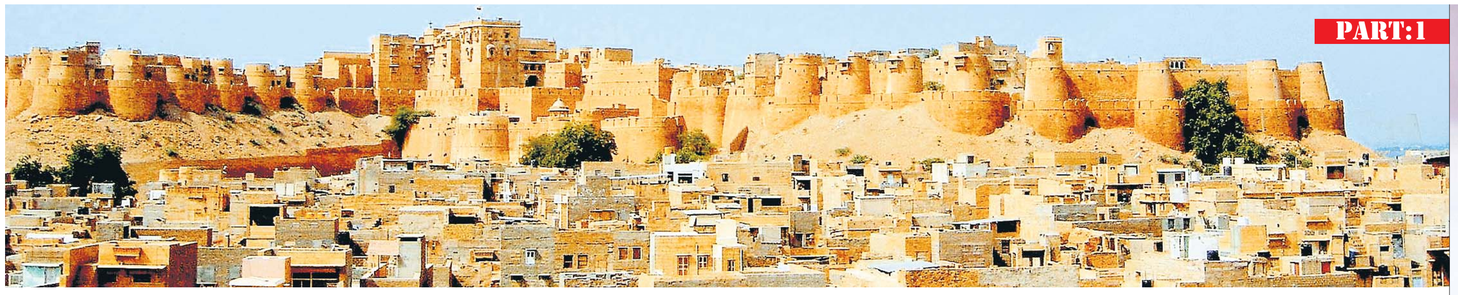

PART: 1

FREEDOM OF JAISALMER

The first murmur of opposition to the Maharawal was by the traders. They had an old tradition of gifting sugar and *misri* amongst each other on ceremonial occasions in brass vessels. This custom was known as *Lani*. Maharawal Shalivahan II imposed a tax of Rs. 1000 on it in 1896 AD. There was a lot of opposition to this step and the traders went on a strike also, but the Maharawal did not withdraw it. It resulted in several traders and business families migrating from Jaisalmer. This resulted in a tremendous economic decline of the state.

Dr. Sudhir Varma, IAS (Retd.)
(Former Collector, Jaisalmer)

#HISTORY

When the country under Mahatma Gandhi was fighting against the British rule, Jaisalmer and a few other Princely States were fighting a grim battle against their own rulers, some of them were as cruel as the British. The ruler, called the *Maharawal*, was not only cruel but also was not allowing any information to the local people about what the country was going through.

The Princely State of Jaisalmer, entitled to a 15-gun salute, with an area of 41, 600 sq. kms, is located in southwestern boundary of Rajasthan. In 1901, it had a population of 73,370 and a revenue of Rs. 1,20000. It was a part of the western *Rajputana States Residency* since 1880. For a long time, it had been ruled by the Bhati dynasty, which claimed its origin from Lord Krishna. During the 20th century, Sir Jawahar Singh KCSI, educated at Mayo College, was the ruler, from 1914 till 1949, when Girdhar Singh took over but he could rule for only one year, after whom Raghunath Singh took over.

Compared to other regions of India, we must concede that *Rajputana's* participation in freedom struggle for the country was limited to a few illustrious freedom fighters, who never got the commendation that martyrs got in other parts of India.

It should also be realized that the first people in India to realize the true nature of British oppression were those who had travelled abroad and were the first to rebel. *Rajputana*, on the other hand, by virtue of its manpower being bonded to the Princes, had no significant movement of labour and general manpower outside the shores of India. The only *Rajasthanis*, who went abroad, were Princess and the representatives of the Princess. Also, those who were able to get higher education were belonging to the aristocracy. Ajmer, probably, was the only part of Rajputana which was directly under the British rule and the repression of the British was visible because of the means of transportation like railways. Schools of higher learning, like the Mayo College, were also there. That is why it had fighters like Hemu Kalani, who fought for the independence struggle.

In order to understand the reasons for lack of participation of Rajputana in freedom struggle, we need to understand the administrative setup of Rajputana during the British rule, which suited both, the British and the Rulers of such states.

At the time of independence, Rajputana had 19 princely states. 16 had Rajput Princes, including the larger states of Mewar, Jodhpur, Bikaner and Jaipur, two had *Jat* Princes, Bharatpur and Dholpur, and one had a *Muslim Nawab* at Tonk. Ajmer- Merwara was under the direct British rule, headquartered at Mount Abu under an Agent. He had a representative in each State called the *Resident*

Maharawal Shri Jawahar Singh.

Sagarmal Gopa.

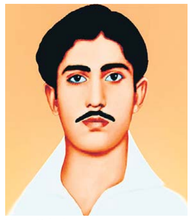
Hemu Kalani.

> There was a lack of direct contact of the public of the Princely states with the British rulers. The local rulers from *thakurs* or *zamindars* to *Maharajas* were all Indians and they continued with their old feudal system of governance, with a good balance of benevolence and suppression.

Rajputana, who did not participate in Indian independence movement because of several reasons.

There was a lack of direct contact of the public of the Princely states with the British rulers. The local rulers from *thakurs* or *zamindars* to *Maharajas* were all Indians and they continued with their old feudal system of governance, with a good balance of benevolence and suppression. Local administration was run with the help of the Prime Minister, police, ministers and armed forces with administrative officers at the lower level also.

There were well-entrenched feudal conditions which were difficult to fight by the public. Whether their states were under the Mughals, Marathas or the British, the same motley bunch of Princely Rulers managed to hang on, providing a relative stability compared to other states or provinces like Mysore, Bengal, Bombay or Punjab, which were uprooted every time a new power swept through India. The people of Rajputana had a generational conditioning of accepting *suzerainty* of any super power, as long as their local rulers remained, whom they found no reason to resist.

Lack of formal education in the Princely states was a big reason for ignorance about the outside world. By 1900 AD, almost all areas under the princely states made little effort to set up institutes of primary and secondary education, based on western system of education, because they were run by religious institutions, far away from concepts of democracy. Most of Rajputana was badly intraconnected because the level of road infrastructure was far worse than the area under the British rule. Most of the roads were not metled. The result was most of the people felt isolated in their own locations. Surprisingly, the local trains could be used only for the Princes and not for common people. Lack of communication was a major reason for lack of spread of *independence* ideas in Rajputana.

While the printing press was used across the rest of India to propagate new ideas of revolt, like the newspapers in Punjab or Bombay, Rajputana had no significant press movement. The printing presses were subservient to the local *Maharawal* and all flow of information was controlled. Indian independence struggle was initiated by people who had exposure to western democracies through education or through travel. The facility was lacking in Rajputana.

Moreover, the public also never asked for independence from the local rulers. They continued to have high esteem for them.

> One day, one of them told the client that it was like being treated as a bridegroom. The *Maheshwaris* took objection to it and prohibited them to stitch their clothes. They also stopped the grain merchants to give them ration. The tailors started starving and complained to the Maharawal.

They were also scared of sedition laws, which were used at the drop of a hat. The struggle for independence began in Jaisalmer much later than the other parts of the country. A part of Rajputana in pre-independent India and ruled by the powerful Bhati rulers, the region had faced tough times and turmoil in its history. As this region did not have a good network of railroads, most of the goods and travellers used roads between Punjab and Sindh, on one side, and Bahawalpur, Afghanistan and Baluchistan, on the other as the famous silk route which made *Jaisalmer* an important Trade Center. The rulers of India, from times immemorial, wanted to capture it. Alauddin kept it under his control for many years after the siege of the Fort. As its location was of strategic interest to them, the East India Company also had made a treaty with the state in 1818 AD. With British protection, the Maharawal had become more dictatorial, old- fashioned and superstitious. He did not allow the public any role in running the administration. No attempts were made by him to spread education. Most of the funds were used on the royalty. In one of the annual budgets, out of a total revenue of Rs. 40000, Rs. 10000 was spent on the jewellery of the wives of the Maharawal. Under these circumstances, any struggle for independence was difficult. Any powerful person who raised his voice was assured of *jagirs* or other lucrative offers, and was forced to sit quiet. The result was that for 125 years, the public remained ignorant of the rise of freedom struggle in the country. However, with growing facilities for communications, the desire for freedom grew. But there was a time, when any mention of the Congress, Gandhi or Nehru or wearing *khadi* or even reading newspapers, was punished. Its meagre population was widely dispersed and the state was called the *Andaman-Nicobar of Rajputana*. It was famous that only those people with stone legs could reach the place. The first murmur of opposition to the Maharawal was by the traders. They had an old tradition of gifting sugar and *misri* amongst each other on ceremonial occasions in brass vessels. This custom was known as *Lani*. Maharawal Shalivahan II imposed a tax of Rs. 1000 on it in 1896 AD. There was a lot of opposition to this step and the traders went on a strike also, but the Maharawal did not withdraw it. It resulted in several traders and business families migrating from Jaisalmer. This resulted in a tremendous economic decline of the state.

During the 1920-21's non-cooperation movement, there was no visible impact in Jaisalmer, although, both, Gopa from Nagpur and Naraindas Bhatia from Calcutta, had visited Jaisalmer from time to time to spread the message of Gandhi and *Khadi*. Both took interest in the library also. Bhatia worked for *Khadi* and Gopa for political reforms. Because of their modern views and work, both of them fell foul of the Maharawal, caught and harassed, but neither of them complained to the public.

In 1920, the first seeds of nationalism started germinating. In February 1920, some residents of Jaisalmer living outside the state, with some locals, gave a memorandum to the Maharawal with the following demands.

1. Educational institutes should be given government aid.
2. Newspapers should be allowed to be published.
3. Newspapers coming from outside the state should be permitted.
4. Elections to the local bodies should be held and their members should be from the public.
5. Arrangements should be made to clean the city.
6. Arrangements for transport and communications should be made. Surprisingly, the Maharawal accepted all the demands.

Sagarmal Gopa, a *Pushkarna Brahmin*, whose father was in the employment of the Maharawal, published the agreement in the form of a booklet and distributed in the public. This was disliked by the Maharawal because it looked like his defeat. It also exposed the dictatorial manner of his working. The publication was banned and Sagarmal Gopa, along with his two colleagues, Raghunath Singh Mehta and Aidan Singh, were arrested.

rajeshsharma1049@gmail.com

Darzi Satyagraha

Another incident, (not directly related with freedom struggle) is that there was a kind of disobedience of *Maharawal's orders* by the ordinary public, known as *Darzi Satyagraha*. According to an old tradition, the tailors were going from house to house to stitch the clothes of the powerful *Maheshwaris* and were getting paid four *annas*. In addition to that, they were also given lunch, free of cost. The tradition was not liked by the young tailors. One day, one of them told the client that it was like being treated as a bridegroom. The Maheshwaris took objection to it and prohibited them to stitch their clothes. They also stopped the grain merchants to give them ration. The tailors started starving and complained to the Maharawal, who ordered the grain merchants to give them ration. As the Maheshwaris were very powerful, they did not comply with Maharawal's orders, annoying him. The tailors stopped stitching for other communities also. The Maharawal called both the parties and got the matter patched up but he quietly continued to harass the Maheshwaris, especially in the Raghunath Singh case.

The First Sign of Unrest against the Maharawal

In 1915, some young men, under the leadership of Sagarmal Gopa, a *Brahmin* from a prosperous family, tried to set up a *Sarva Hitkari* reading room. As it also kept the state officials happy through some of its actions, it remained in existence for sometime. In 1918, it organized a public function, in which it invited some good teachers, who demanded a middle school, probably, the first public demand. This raised the heckles of the Maharawal and the public reading room was forced to close.

The second attempt at raising awareness about a public issue was made by a renowned scholar of Economics and Political Science, who belonged to Jaisalmer but lived outside. He came to Jaisalmer, met the Maharawal and submitted a memorandum about the need for improving education, health, roads, etc. No attention was paid to the memorandum. On the other hand, the mention of those issues was also disliked. It also did not get any support from the public, which favoured the decision of the royalty.

"Au revoir" The French Way

Yseult dressed in *Dior Haute Couture ensemble* that paid homage to the iconic fashion house's rich history. The outfit, crafted by Maria Grazia Chiuri, featured a black silk New Bar jacket, a modern reinterpretation of the signature Bar jacket, that debuted in the 1940s as part of Christian Dior's revolutionary "New Look."

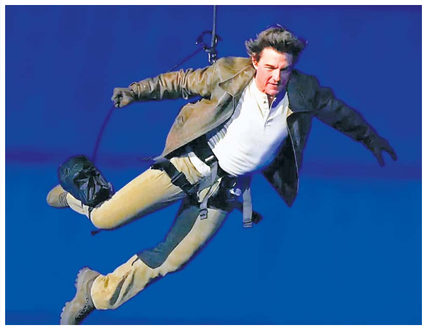

Prakash Bhandari
The writer is a senior journalist

#OLYMPICS

Hollywood superstar, Tom Cruise, played a role, more glamorous, than he has ever played before. Sunday night at Paris, Olympics closing ceremony saw him descending on a wire from the Stade de France roof.

Spectators shrieked in delight as the Mission, Impossible star, dressed in leather jacket and gloves, lowered himself into the stadium while his compatriot performed on guitar. To mark the handover to Los Angeles, which will host the Olympics in 2028, Cruise was seen in a pre-recorded film, travelling through Paris and onto the US. There, he journeyed to the legendary Hollywood sign and unfurled the Olympic colours.

The ceremony in Paris marked a formal 'au revoir' to this year's host city. Cruise proceeded to take the Olympic flag from one of the stars of Paris, American gymnast Simone Biles, before the thrilled audience watched him zip away on a motorbike. The pre-recorded clip showing his journey to LA was soundtracked by California natives Red Hot Chili Peppers. The funk-rock hitmakers, then, delivered a live performance of their classic track *Can't Stop on a palm-fringed beach in Los Angeles.*

Other acts included Billie Eilish and Snoop Dogg, who performed with Dr. Dre Snoop, who is from LA himself, was a regular fixture at the Games, which culminated with the US topping the medals table after a dramatic win in Sunday's final event, the women's basketball final. Antoine Dupont, the French rugby star and one of the two flagbearers for France, during the closing ceremony, passed the French flag to Nantenin Keita, a Paralympic track and field runner. This handover symbolizes the transition from the Olympics to the Paralympics.

Other Hollywood luminaries have teased what LA 2028 may have in store by offering their services to this summer's games. Steven Spielberg starred in and narrated a special introduction that welcomed us to the games and even Beyoncé helped out with a music video hyping up Team USA. In addition, figures like Lady Gaga and Celiné Dion made the streets of Paris cry out with joy over their performances during the opening ceremony. French singer, Yseult, delivered a breathtaking performance at the closing ceremony, dressed in an exquisite *Dior Haute Couture ensemble* that paid homage to the iconic fashion house's rich history. The outfit, crafted by Maria Grazia Chiuri, featured a black silk New Bar jacket, a modern reinterpretation of the signature Bar jacket that debuted in the 1940s as part of Christian Dior's revolutionary "New Look." Yseult paired the jacket with a flowing black silk skirt, adding a contemporary twist to the classic ensemble. Her look was completed with a *Dior* hat, gloves, and shoes, embodying the epitome of *French haute couture*. Her performance, as stunning as her attire, was a fitting finale to the Paris 2024 Olympic Games, blending high fashion with a powerful musical presence. Olympic torch was carefully brought on stage by Léon Merchand, as athletes rushed back towards the center of the stadium. The focus now shifts to Los Angeles, which will host the 2028 Games. Beyond that, Brisbane, Australia will take the stage in 2032, bringing the Olympics back down under. As for 2036, the host city remains undecided, with contenders like Ahmedabad in India, Berlin, potentially marking 100 years since the 1936 Games, and even Santiago in Chile. About half-an-hour after the closing ceremony ended, the Olympic rings were lowered, marking the final moments of the Games. Confetti still covered the floor, while the once-crowded stands were now completely empty.

> Olympic torch was carefully brought on stage by Léon Merchand, as athletes rushed back towards the center of the stadium. The focus now shifts to Los Angeles, which will host the 2028 Games. Beyond that, Brisbane, Australia will take the stage in 2032, bringing the Olympics back down under. As for 2036, the host city remains undecided, with contenders like Ahmedabad in India, Berlin.

Thomas Bach, President of the International Olympic Committee, said that the Paris Games had been 'sensational.' In his closing speech, he praised athletes for their 'simply amazing' performances, saying that they showed 'what greatness we humans are capable of.' He continued, "During all this time, you lived peacefully together under one roof in the Olympic Village. You embraced each other. You respected each other, even if your countries are divided by war and conflict. You created a culture of peace. This inspired all of us and billions of people around the globe. Thank you for making us dream."

Olympic torch was carefully brought on stage by Léon Merchand, as athletes rushed back towards the center of the stadium. The focus now shifts to Los Angeles, which will host the 2028 Games. Beyond that, Brisbane, Australia will take the stage in 2032, bringing the Olympics back down under. As for 2036, the host city remains undecided, with contenders like Ahmedabad in India, Berlin, potentially marking 100 years since the 1936 Games, and even Santiago in Chile. About half-an-hour after the closing ceremony ended, the Olympic rings were lowered, marking the final moments of the Games. Confetti still covered the floor, while the once-crowded stands were now completely empty.

rajeshsharma1049@gmail.com

THE WALL

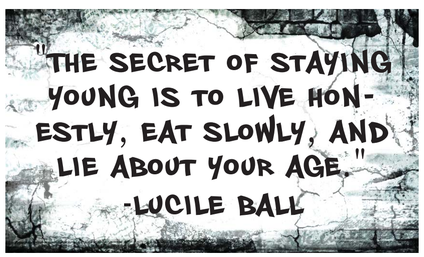

BABY BLUES

By Rick Kirkman & Jerry Scott

ZITS

By Jerry Scott & Jim Borgman

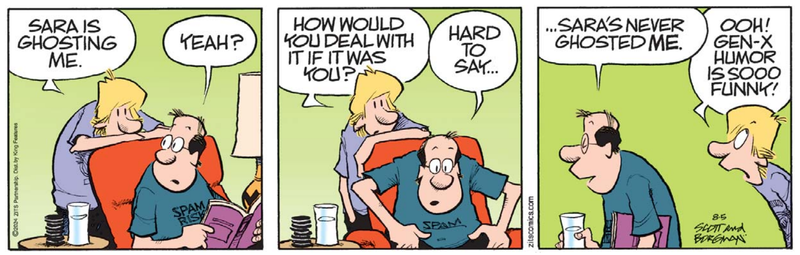

शमी से इसे लेकर बातचीत होनी चाहिए। कोशिश होनी चाहिए की वह अगले 3-4 साल खेलें। ऐसा करने के लिए रास्त बनाना होगा। इसे लेकर उनसे बातचीत होनी चाहिए।

- पारस महाम्ब

पूर्व भारतीय गेंदबाजी कोच, मोहम्मद शमी के बारे में बोलते हुए।

खेल जगत

आज का खिलाड़ी

रोहित शर्मा

भारतीय क्रिकेट टीम के कप्तान रोहित शर्मा इन दिनों काफी अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं। वह लगातार गेंदबाजों को परेशान कर रहे हैं। रोहित अपने इस इरादे में सफल भी रहे हैं और उनकी इस तरह की बल्लेबाजी से भारतीय टीम को तेज शुरुआत भी मिल रही है। वहीं वनडे वर्ल्ड कप 2023 की बात करें या फिर टी20 वर्ल्ड कप 2024 की या फिर उसके बाद श्रीलंका के खिलाफ 3 मैचों की वनडे सीरीज की। रोहित ने हर जगह गेंदबाजों को अपनी बल्लेबाजी से परेशान किया। इसके दम पर वो अन्य भारतीय बल्लेबाजों के मुकाबले ज्यादा सफल भी रहे।

क्या आप जानते हैं ?... विश्वकप फुटबाल में पहली हैट्रिक करने का श्रेय फीफा अमेरिका के ब्रेट्रेम को जाता है, वहीं कुछ लोग अर्जेंटीना के गुलिरेमा स्टे विल को यह सम्मान देते हैं।

रंग-बिरंगी आतिशबाजी के बीच पेरिस ओलंपिक का समापन

बुझाई गई मशाल, हैंडओवर हुआ ओलंपिक फ्लैग

पेरिस, 12 अगस्त। 33वें ओलंपिक का समापन हो गया। फ्रांस की राजधानी पेरिस में आयोजित हुए इन खेलों ने पूरी दुनिया को एंटरटेन किया। अभूतपूर्व और रंगारंग कार्यक्रम के बीच विश्व में खेलों के सबसे बड़े महाकुंभ का जब समापन हुआ तो पेरिस ओलंपिक 2024 कमेटी के अध्य टोनी एस्टांगुएट ने अपनी स्पीच में कहा कि वह ओलंपिक खेलों का समापन हीं है, ये केवल उद्घाघटन समारोह की समाप्ति है और विश्राम है, बल्कि खेलों को तो अनवरत होते रहना है। तीन घंटे तक चले इस समारोह की शुरुआत एक फ्रेंच गीत से हुई थी। स्टेड डी फ्रांस स्टेडियम ऑफ नेशंस के बाद बेल्जियम की पॉप सिंगर एंजेले वान वीक ने परफॉर्म किया।

इसके बाद ऑस्ट्रेलिया के गोल्डन वॉयजर बैंड ने ओलंपिक की खोज दिखाई, इशमें थॉमस जॉली ने डायरेक्ट किया था। इसके बाद पांच बार की ग्रैमी अवॉर्ड जीतने वाली गैब्रिएला सरमिएंटो विल्सन ने अमेरिका का नेशनल एंथम गाया। स्टेड डी फ्रांस से टॉम क्रूज ने स्टंट दिखाते हुए ओलंपिक ध्वस को लॉस एंजिलिस ले गए। वहां, पॉप गायिका बिलि एलिश, रैपर स्नूप डॉग और डॉक्टर ड्रे ने परफॉर्म किया। इस तरह मशाल बुझाकर 33वें ओलंपिक का समापन हुआ।

ओलंपिक फ्लैग हैंडओवर के बाद अमेरिकी नेशनल एंथम गाया गया। इसके बाद हॉलीवुड स्टार टॉम क्रूज की स्टेडियम में एंट्री हुई। वो अपनी बाइक पर ओलंपिक फ्लैग लेकर गए। उन्होंने अपनी बाइक को चार्टर्ड फ्लाइट में रखा। फिर हवा में डाइव लगाते हुए पैराशूट लैंडिंग के जरिए जमीन पर आए। यहां से उन्होंने साइकिल के जरिए ओलंपिक फ्लैग को अपनी जगह लॉस एंजिल्स के लिए भेजा, हॉलीवुड में अगले ओलंपिक की मेजबानी मिलने का जश्न मनाया गया। लोकप्रिय रॉक बैंड रेड हॉट चिली पेपर्स ने अपने हिट गाने कैन्ट स्टॉप से समा बांध दिया।

भारतीय मुक्केबाजों से ओलंपिक में अच्छे प्रदर्शन की उम्मीद थी

नई दिल्ली, 12 अगस्त। निकहत ज़रीन और लवलीना बोरगोहेन जैसे मौजूदा विश्व चैंपियन खिलाड़ियों के बावजूद भारतीय मुक्केबाज पेरिस ओलंपिक में उम्मीद के अनुसार प्रदर्शन नहीं कर पाए और उन्हें बिना पदक के वापस लौटना पड़ा। विजेंदर सिंह के बीजिंग ओलंपिक 2008 में ऐतिहासिक कांस्य पदक जीतने के बाद भारतीय मुक्केबाजों से ओलंपिक में अच्छे प्रदर्शन की उम्मीद की जाने लगी थी।

इसके चार साल बाद एमसी मैरी कॉम ने लंदन ओलंपिक में कांस्य पदक जीता था। रियो ओलंपिक 2016 में भारतीय मुक्केबाज पदक नहीं जीत पाए लेकिन तोक्यो ओलंपिक में लवलीना कांस्य पदक हासिल करने में सफल रही थी। इस परिदृश्य में उम्मीद की जा रही थी कि भारतीय मुक्केबाज पदक जीतने का सिलसिला जारी रखेंगे लेकिन उनका प्रदर्शन निराशाजनक रहा।

खेल केजानकारों का मानना था कि क्वालीफाई करने वाले छह मुक्केबाजों से दो नहीं तो कम से कम एक पदक की उम्मीद की जा सकती है। दो बार की विश्व चैंपियन जरीन (50 किग्रा), लवलीना (75 किग्रा) और विश्व चैंपियनशिप 2023 के कांस्य पदक विजेता निशांत देव (71 किग्रा)सभी को पोडियम पर पहुंचने का मजबूत दावेदार माना जा रहा था। लेकिन जब वास्तविक प्रतिस्पर्धा की बात आई तो भारतीय खिलाड़ियों में आवश्यक गति की कमी नजर आई। निशांत को अपवाद माना जा सकता है।

क्योंकि क्वार्टर फाइनल में विवादास्पद परिणाम के कारण वह पदक से वंचित हो गए। जहां तक जरीन और लवलीना का सवाल है तो वह अपनी मजबूत प्रतिद्वंदियोंके सामने संघर्ष करती हुई नजर आई। अमित पंघाल (51 किग्रा) अपनी पिछली फॉर्म को दिखाने में नाकाम रहे। लवलीना, पंघाल और निशांत को पदक सुरक्षित करने के लिए सिर्फ दो जीत की जरूरत थी।

दमदार प्रदर्शन का इरादा, भारतीय यूथ महिला हैंडबॉल टीम वर्ल्ड चैम्पियनशिप के लिये चीन पहुंची

टीम में राजस्थान की टीना, मुस्कान व मनीषा भारतीय टीम की कोच होगी प्रदेश की मनीषा

जयपुर, 12 अगस्त। चुझोउ (चीन) में 14 से 25 अगस्त तक होनी वाली यूथ महिला हैंडबॉल वर्ल्ड चैंपियनशिप के लिये भारतीय यूथ महिला हैंडबॉल टीम ने क्वालीफाई किया है। वर्ल्ड चैंपियनशिप में भाग लेने वाली भारतीय टीम में राजस्थान की टीना, मुस्कान व मनीषा जाट चयन हुआ है। टीम की कोच राजस्थान राज्य क्रीड़ा परिषद की हैंडबॉल कोच मनीषा राठौड़ को बनाया गया है। इस चैंपियनशिप में भाग लेने के लिये भारतीय टीम सोमवार को चीन पहुँच गयी।

राजस्थान राज्य हैंडबॉल संघ के मानद सचिव यश प्रताप सिंह ने बताया कि भारतीय टीम में राजस्थान से शामिल टीना, मुस्कान तथा मनीषा जाट राजस्थान राज्य क्रीड़ा परिषद् द्वारा जयपुर में संचालित महिला हैंडबॉल अकादमी की खिलाड़ी हैं। इनमें टीना पीवट की पोजीशन पर, मुस्कान लेफ्ट बैक और मनीषा जाट राइट बैक की पोजीशन पर खेलती है।

रवानगी से पूर्व भारतीय टीम को इस चैंपियनशिप के लिए रवानगी से पूर्व भारतीय टीम को भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा के सुपुत्र हरीश नड्डा, हैंडबॉल एसोसिएशन इंडिया के कार्यकारी निदेशक डा.आनन्देश्वर पाण्डेय व महासचिव डा. तेजराज सिंह ने वर्ल्ड चैंपियनशिप में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन के लिए शुभकामनाएं दी। हैंडबॉल एसोसिएशन इंडिया के महासचिव डा. तेजराज सिंह ने बताया कि भारतीय टीम की कप्तान हिमाचल प्रदेश की खुशी व उपकप्तान भारतीय खेल प्राधिकरण (साई) की सुजाता को बनाया गया है।

उन्होंने बताया कि इस चैंपियनशिप की तैयारी के लिए भारतीय टीम का प्रशिक्षण शिविर गत 31 जुलाई से 10 अगस्त, 2024 तक भारतीय खेल प्राधिकरण एनसीओई- गांधीनगर (गुजरात) में लगाया गया था। इस चैंपियनशिप के लिए भारतीय टीम के कोच एम.कार्तिकेयन (साई, एनसीओई गांधीनगर), सचिन चौधरी (रेलवे) व मनीषा राठौड़ (राजस्थान) बनाए गए हैं।

भारतीय टीम :- गोलकीपर : आरुषी, कनिका (हिमाचल प्रदेश), लवीषा (चंडीगढ़), राइट बैक :- रेणुका (हरियाणा), मुस्कान देवी (हिमाचल प्रदेश), मनीषा जाट (राजस्थान) सेंटर बैक :-सुजाता - उपकप्तान (साई), खुशी - कप्तान (हिमाचल प्रदेश)। लेफ्ट बैक :- काजल (हिमाचल प्रदेश), मुस्कान (राजस्थान), अनिका (हरियाणा)। राइट विंग :-काफी (हरियाणा), ईशू (साई)। पिवोट :-वैष्णवी (गोल्डन ईगल अकादमी, उत्तर प्रदेश), टीना (राजस्थान), तन्नु (साई)। लेफ्ट विंग :- तमन्ना (साई), पूजा (गोल्डन ईगल अकादमी, उत्तर प्रदेश)।

दलीप ट्रॉफी पहले दौर का मैच बेंगलुरू में

अश्विन और बुमराह को छोड़कर सभी सितारे खेलेंगे

बेंगलुरू, 12 अगस्त। तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह और सीनियर स्पिनर रविचंद्रन अश्विन को छोड़कर भारत के कुछ नियमित स्टार दलीप ट्रॉफी के पहले दौर में खेलेंगे जिसे बीसीसीआई ने अनंतपुर की जगह बेंगलुरू में कराने का फैसला किया है। सीनियर बल्लेबाज विराट कोहली और रोहित शर्मा को छूट दी जा सकती है। टूर्नामेंट में भाग लेने का फैसला पूरी तरह से उन पर छोड़ा जायेगा। दलीप ट्रॉफी के पहले दौर के दो सेट के मैच आंध्रप्रदेश के अनंतपुर में पांच सितंबर से होने थे लेकिन अब उनमें से एक को एम चिन्नास्वामी स्टेडियम में कराया जायेगा ताकि लॉजिस्टिक की समस्या नहीं आये। अनंतपुर बेंगलुरू से 230 किलोमीटर दूर है और हवाई मार्ग से जुड़ा हुआ भी नहीं है। एक सूत्र ने बताया ,'' कुछ शीर्ष खिलाड़ियों की सुविधा के लिये यह फैसला लिया गया है ताकि उन्हें बांग्लादेश के खिलाफ टेस्ट श्रृंखला से पहले लाल गेंद के क्रिकेट का अनुभव हो जाये।''

गोल्ड मेडलिस्ट अरशद नदीम का पाक में जोरदार स्वागत

नई दिल्ली, 12 अगस्त। पाकिस्तान के गोल्ड मेडलिस्ट अरशद नदीम पेरिस ओलंपिक 2024 से अपने वतन लौट चुके हैं। जहां उनका एयरपोर्ट पर गर्मजोशी के साथ स्वागत हुआ। पेरिस ओलंपिक में अरशद नदीम ने 92.97 मीटर की दूरी पर भाला फेंकर गोल्ड मेडल जीता। इस थ्रो के कारण भारतीय जेवलिन थ्रोअर नीरज चोपड़ा को दूसरा स्थान मिला था। ओलंपिक गोल्ड मेडल जीतकर इतिहास रचने वाले अरशद नदीम अपने घर लौट आए हैं। पाकिस्तान की तरफ से अरशद नदीम पर नकद पुरस्कार की बारिश हो रही है। लेकिन उनके ससुर ने इस बीच रिकॉर्डधारी थ्रोअर को उपहार में भैंस देकर सुर्खियां बटोरी हैं। बता दें कि, नदीम के गांव से ससुर मोहम्मद नवाज ने स्थानीय मीडिया को बताया कि उनके गांव में भैंस उपहार में देने का मतलब काफी मूल्यवान और सम्मानीय होता है। नदीम अपनी जड़ों से जुड़े हुए हैं और सफलता हासिल करने के बावजूद वह अपने गांव में अपने परिवार के साथ ही रह रहे हैं।

राजस्थान

जतिधाम आश्रम में फंसे सैकड़ों श्रद्धालुओं को रेस्क्यू कर निकाला

जतिधाम आश्रम पर डिग्गी कल्याण पैदल यात्रा पर जाने वाले सौ से अधिक श्रद्धालु बरसाती नाले का पानी तेज आने से फंस गए थे

सवाई माधोपुर, (निसं)। जिले में तीन दिन से बारिश का दौर लगातार जारी है, जिसके चलते नदी- नाले उफान पर हैं। बरसाती नालों ने भी रौद्र रूप धारण कर रखा है। लगातार हो रही बरसात में कई जगह विकट हालात पैदा कर दिए हैं। जिसके चलते लोगों को परेशानियों का सामना भी करना पड़ रहा है।

- **रेस्क्यू टीम ने नाले में बही एक महिला के शव को भी रेस्क्यू किया**

सिविल डिफेंस टीम ने जतिधाम में फंसे हुए यात्रियों को सुरक्षित बाहर निकाला।

जिला मुख्यालय के निकट खंडार रोड कुशालीपुरा स्थित जतिधाम आश्रम पर डिग्गी कल्याण पैदल यात्रा पर जाने वाले सौ से अधिक श्रद्धालु यात्री बरसाती नाले का पानी तेज आने के कारण आश्रम में फंस गए, जिसकी सूचना लोगों ने पुलिस प्रशासन व जिला प्रशासन को दी तो वहां से निर्देश मिलते ही शहर पुलिस चौकी इंचार्ज जितेंद्र सिंह, सिविल डिफेंस इंचार्ज देवहंस गुर्जर टीम के साथ मौके पर पहुंचे। साथ में कोतवाली पुलिस भी मौके पर पहुंची। पुलिस तथा सिविल डिफेंस सहित पुलिस मित्र सुभम सीठा सहित स्थानीय लोगो के संयुक्त प्रयासों से जतिधाम में फंसे हुए यात्रियों को कड़ी मशक्कत करके सकुशल सुरक्षित बाहर निकाला। रेस्क्यू के दौरान वतन फाउंडेशन टीम के साथियों ने पुलिस और सिविल डिफेंस टीम के साथ यात्रियों को निकलवाने में मदद की। इस दौरान रेस्क्यू टीम को बताया गया कि इन यात्रियों में से कुछ यात्री स्वम नाला पार करने लगे तो उनमें से एक महिला बह गई जिसको लोगों ने तलाश भी किया लेकिन महिला नहीं मिली। उसके बाद पुलिस और सिविल डिफेंस की टीम ने रेस्क्यू ऑपरेशन चलाया और पानी में बही महिला के शव को निकाला। पानी में डूबने के कारण महिला की मौत हो गई। मृतक महिला कल्लो आदिवासी निवासी टारडा जिला श्योपुर मध्यप्रदेश की बताई जा रही है। मृतक महिला का शव कोतवाली पुलिस ने सामान्य चिकित्सालय की मोर्चरी पहुंचाया। रेस्क्यू के दौरान शहर पुलिस चौकी इंचार्ज जितेंद्र सिंह, पुलिस मित्र सुभम सीठा एवं सिविल डिफेंस टीम इंचार्ज देवहंस गुर्जर, कमलेश पूर्विया, पैगाम, परवेज, गणेश चौधरी, कमलेश मीणा, देशराज, हंसराज, सूबेदार नेत्रुलाल, राजेश, वतन फाऊंडेशन के मोइन खान, नरेन्द्र शर्मा सहित कई आमजन मौजूद रहे। रविवार को भी जिला मुख्यालय के ठींगला में पूरे वेग से बह रहे लटिया नाले में एक युवक बह गया था।

80 हजार की रिश्वत लेते हैड कांस्टेबल को दबोचा

मुकदमे में से नाम हटाने के लिए एक लाख रूपए की मांग की थी

नागौर, (निसं)। नागौर के सदर थाने में कार्यरत एक हैडकांस्टेबल को भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो की टीम ने 80 हजार रूपए की रिश्वत लेते पकड़ा है। एसीबी अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक कल्पना सोलंकी ने बताया कि एक मुकदमे में से शिकायतकर्त्ता का नाम हटाने की एवज में 1 लाख रूपए की रिश्वत मांगी गई थी और फिर 80 हजार रूपए में सौदा तय हुआ था। ट्रैप की कार्रवाई सदर थाने के गेट पर ही की गई।

शिकायत के सत्यापन के दौरान आरोपी हैडकांस्टेबल ने शिकायतकर्ता से ये भी कहा कि 1 लाख रूपए लगेंगे लेकिन साहब से बात कर लो तो राशि कम भी हो सकती है, क्योंकि इसमें से 1 रूपया भी मेरा नहीं है। एसीबी के अनुसार मामले में ''साहब'' का नाम सदर थाने के सीआई का लिया जा रहा है। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो की एएसपी कल्पना सोलंकी ने बताया कि डुकोसी निवासी राधाकिशन ने शिकायत देते हुए बताया था कि जोधपुर रोड पर उसकी होटल है। गत दिनों वहां एक युवक व युवती आए थे, इसके बाद युवती के परिजन भी मौके पर पहुंचे थे और परिजनों ने युवक व युवती के अविवाहित होने के बावजूद होटल में रूम देने को लेकर पहले राधाकिशन से बहस की और सदर पुलिस थाने में मुकदमा दर्ज करवा दिया।

हैडकांस्टेबल ने मुकदमे में से राधाकिशन का नाम हटाने के लिए एक लाख रूपए की मांग की थी। परिवादी एसीबी में शिकायत देने के बाद हैडकांस्टेबल को एक लाख रूपए बतौर रिश्वत देने को तैयार हो गया। सोमवार को परिवादी रिश्वत की राशि लेकर सदर थाने पहुंचा और हैडकांस्टेबल जालम सिंह ने उससे 80 हजार रूपए ले दिए और 20 हजार रूपए वापस कर दिए, इसके तुरंत बाद एसीबी की टीम ने हैड कांस्टेबल की जेब से रूपए बरामद कर लिए। इससे पहले एसीबी नागौर की एएसपी कल्पना सोलंकी ने शिकायत का सत्यापन किया। इसके बाद पूरी तैयारी के साथ आज एसीबी की टीम के साथ ट्रैप की कार्रवाई करते हुए आरोपी को परिवादी से 80 हजार रुपए की रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों गिरफ्तार कर लिया। आरोपी से पूछताछ व अन्य कार्रवाई जारी है। एसीबी ने मामले में भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के अन्तर्गत मामला दर्ज कर जांच प्रारंभ की है।

ट्रेलर व बाइक की भिड़ंत, तीन युवकों की मौत

उदयपुर, (कासं)। शहर के समीप स्थित कुराबड़ थाना क्षैत्र में ट्रेलर व बाइक की आमने सामने हुई भिडंत में तीन युवकों की दर्दनाक मौत हो गई।

पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार कुराबड़ थानाक्षैत्र में कुराबड़ पंचायत समिति के सामने बम्बोरा की तरफ से आ रही बाइक व उदयपुर की तरफ से जा रहे ट्रेलर आमने-सामने भिड़ गए। हादसे में बाइक सवार अजय (21) पुत्र भैरूलाल मीणा निवासी लालपुरा, युवराज (20) पुत्र प्यारेलाल मीणा निवासी बुढल व पुष्कर पुत्र वालचंद मीणा निवासी बुढल की मौके पर ही मौत हो गई। हादसे को देख चालक ट्रेलर को छोड़ मौके से भाग गया। सूचना पर कुराबड़ थानाधिकारी चेलसिंह ने मौके पर पहुंचकर मृतकों के शवों को कुराबड़ चिकित्सालय मोर्चरी पहुंचाया।

तीनों युवक बाइक पर ईडाणा माता के दर्शन कर लौट रहे थे। जहां बीच रास्ते हादसा हो गया। घटना के बाद परिजनों ने मुआवजें की मांग को लेकर हंगामा कर दिया। थानाधिकारी मय जाप्ते द्वारा समझाइश की गई और सरकारी योजनानुसार मुआवजा दिलाने का आश्वासन दिया। पुष्कर बीएसटीसी कर टीचर बनने की तैयारी कर रहा था वहीं अजय व युवराज पढ़ाई कर रहे थे।

हिंडौन में तीसरे दिन भी छह घण्टे में चार इंच बारिश

हिंडौन सिटी, (निसं)। गत तीन दिनों से हिंडौन शहर सहित आसपास के क्षेत्र में हो रही बादलों की बेरहमी सोमवार को भी बरकरार रही और छह घंटे में फिर चार इंच बारिश दर्ज हुई। इस दौरान जलसन तालाब ओवरफ्लो हो गया तो वहीं एक दर्जन से ज्यादा बांध और तालाब लबालब हो गये हैं। शहर में पैदा हुए बाढ़ के हालातों से जनजीवन पूरी तरह अस्त-व्यस्त है। जनप्रतिनिधि और अधिकारी बाढ़ग्रसित क्षेत्र का दौरा कर रहे हैं तो वहीं प्रशासन और आमजन की ओर से लोगों को रसद सामग्री पहुंचाने का भी काम किया जा रहा है।

- **क्षेत्र में अतिवृष्टि से बाढ़ जैसे हालात पैदा हो गए हैं, बाजार में तीन दिन से लबालब पानी भरा हुआ है**

कटरा बाजार की कॉलोनी से एक बुजुर्ग को एसडीआरएफ व एनडीआरएफ के जवानों ने सुरक्षित स्थान पर पहुंचाया।

जानकारी के अनुसार गत शनिवार से क्षेत्र में भारी बारिश का दौर शुरू हुआ, जिसमें सोमवार को भी सुबह चार बजे से दस तक फिर से झमाझम बारिश हुई। इस दौरान छह घंटे में चार इंच बारिश दर्ज हुई। गौरतलब है कि शनिवार को चार इंच, रविवार को साढे चार इंच और सोमवार को फिर चार इंच बारिश दर्ज हुई है। प्राप्त आंकड़ों के अनुसार 1 जून से लेकर अब तक हिंडौन क्षेत्र में 612 एमएम बारिश दर्ज हुई है जिसमें से 312 एमएम बारिश गत 3 दिनों में दर्ज हुई है। इस तरह कहा जा सकता है कि मौसम की अब तक की आधी बारिश केवल तीन दिनों में हुई है। शहर से बिल्कुल सटे हुए जलसैन तालाब में भी पानी की भारी आवक हो गई है जिससे जलसैन तालाब ओवरफ्लो हो गया है और पाल के ऊपर से पानी जा रहा है। यह पानी शहर में घुस रहा है। जिससे पहले से ही लबालब कॉलोनी में जलस्तर और बढ़ गया। इस तरह क्षेत्र में अतिवृष्टि से बाढ़ जैसे हालात पैदा हो गए हैं। बाजार में तीन दिन से लबालब पानी भरा हुआ है। कई कॉलोनी में तो 5 से 6 फीट तक पानी भरा हुआ है। इधर मौसम विभाग आगामी 72 घंटे में क्षेत्र में फिर से भारी बारिश की चेतावनी दे रहा है।

सोमवार को भी संभागीय आयुक्त सांवरमल वर्मा व जिला कलेक्टर नीलाभ सक्सेना सहित कई आला अधिकारी डेरा डाले रहे। बाढ़ग्रसित क्षेत्र में फंसे लोगों को भोजन के पैकेट, दूध व अन्य रसद सामग्री पहुंचाने के के लिए नगर परिषद प्रशासन के अलावा क्षेत्र के समाजसेवी व आसपास के गांवों से जनप्रतिनिधि व अन्य लोग भी जुटे हुए हैं।

रणथम्भौर के त्रिनेत्र गणेश मंदिर में फंसे 23 श्रद्धालुओं की जान बचाई

जयपुर। सवाई माधोपुर जिले में थाना कुन्दरा के अंतर्गत अतिवृष्टि के कारण रणथम्भौर के त्रिनेत्र गणेश मंदिर में फंसे 23 श्रद्धालुओं को रेस्क्यू रोप एवं लाइफ जैकेट की सहायता से एसडीआरएफ रेस्क्यू टीम ने बचाकर सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया।

एसडीआरएफ के कमांडेंट राजेंद्र सिंह सिसोदिया ने बताया कि रणथम्भौर के त्रिनेत्र गणेश मंदिर में दर्शन के लिए कुछ दर्शनार्थी आए हुए थे। क्षेत्र में हो रही अतिवृष्टि के कारण कुछ दर्शनार्थी वहीं फंस गए। इसकी सूचना मिलने पर आपदा राहत एवं बचाव के लिए सवाई माधोपुर में तैनात रेस्क्यू टीम सी-7 के प्रभारी हैड कांस्टेबल कंवर पाल सिंह को अविलम्ब घटनाएं स्थल के लिए रवाना होने के निर्देश दिए गए। रेस्क्यू टीम प्रभारी 10 जवानों की टीम तथा आपदा राहत उपकरणों के साथ शाम 6:15 बजे घटनास्थल पर पहुंचे। रेस्क्यू टीम के जवानों ने रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू किया। रेस्क्यू टीम रोप रेस्क्यू उपकरणों की सहायता से मंदिर में फंसे दर्शनार्थियों के पास पहुंची। टीम ने रात 9:30 बजे तक मंदिर में फंसे कुल 17 दर्शनार्थियों को लाइफ जैकेट पहनाकर सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया। बाकी दर्शनार्थियों के सुरक्षित होने पर रेस्क्यू ऑपरेशन सुबह तक के लिए स्थगित कर दिया गया। सोमवार सुबह फिर से रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू किया गया। रेस्क्यू टीम रोप रेस्क्यू उपकरणों की सहायता से फिर मंदिर में फंसे दर्शनार्थियों के पास पहुंची और शेष बचे 6 दर्शनार्थियों को लाइफ जैकेट पहना कर रोप की सहायता से सुरक्षित स्थान पर पहुंचाया। कमांडेंट सिसोदिया ने बताया कि एसडीआरएफ रेस्क्यू टीम ने त्रिनेत्र गणेश मंदिर में फंसे कुल 23 दर्शनार्थियों को सुरक्षित रेस्क्यू कर एसडीआरएफ के स्लोगन आपदा सेवार्थ कटिबद्धता को पूर्ण रूप से चरितार्थ किया है।

क्रमांक : 330 दिनांक : 30.07.2024

प्रेषक : वरिष्ठ सिविल न्यायाधीश एवं मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट,
जयपुर महानगर प्रथम

प्रेषिति : श्रीमान् आयुक्त महोदय,
जयपुर विकास प्राधिकरण, जयपुर

इस न्यायालय में 65 रेफरेंस प्रकरण पक्षकारान् की तामील हेतु दिनांक 13.08.2024 हेतु नियत है, उक्त सभी रेफरेंस प्रकरणों में 05 वर्ष से भी अधिक समय से हितधारियों की तामील जयपुर विकास प्राधिकरण द्वारा सही एवं पूर्ण पता प्रस्तुत नहीं करने से नहीं हो पाई है। इन सभी हितधारियों की भूमि अवाप्त करते ही अवार्ड में अंकित पते से ये सभी हितधारी विस्थापित हो गये थे तथा हितधारीगण/पक्षकारान की अवाप्त भूमि पर सरकार ने अलग-अलग योजनाएं विकसित कर दी है। जिससे अवार्ड में वर्णित पते और इस सम्मन में अंकित पते पर वर्तमान में हितधारीगण/पक्षकारान् के नहीं होने से उनकी तामील अभी तक नहीं हो पाई है। पक्षकारों की व्यक्तिगत रूप से या डाक द्वारा तामील नहीं हुई है। पक्षकारान् की तामील के अभाव में उक्त सभी प्रकरण लम्बे समय से लम्बित चले आ रहे हैं।

अतः आदेश 5 नियम 20 सी.पी.सी के तहत इस न्यायालय के आदेशानुसार इन सभी पक्षकारों की तामील इस पत्र के संलग्न सम्मन के अनुसार दैनिक अखबार में प्रकाशन के माध्यम से आप द्वारा करवायी जाये। पत्र प्राप्ति से 07 दिवस की अवधि के भीतर इन सम्मन (जिनमें प्रकरण संख्या, उनवान, हितधारी के नाम, पते, अवाप्त भूखण्ड संख्या, योजना का नाम कर अंकन है) का प्रकाशन दैनिक समाचार पत्र में करवाकर उक्त प्रकाशन की प्रति इस न्यायालय को उक्त प्रकरणों में नियत आगामी पेशी 13.08.2024 से पूर्व प्रेषित करें।

क्रमांक : 331 दिनांक : 30.07.2024

प्रेषक : वरिष्ठ सिविल न्यायाधीश एवं मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट,
जयपुर महानगर प्रथम

जरिये : आयुक्त, जयपुर विकास प्राधिकरण, जयपुर

इस न्यायालय में लम्बित रेफरेंस प्रकरणों में अधिकांश प्रकरण पाँच वर्ष या उससे अधिक पुराने है जिनमें से भूमि अवाप्ति से संबंधित सैकड़ों प्रकरण वर्तमान में भी तामील के प्रक्रम में ही चल रहे है। इन सभी पक्षकारों की जमीन राज्य सरकार द्वारा अवाप्त की जा चुकी है और वे वर्तमान में अपने मूल स्थान से विस्थापित हो चुके है तथा उनके वर्तमान निवास स्थान और पते के संबंध में इस न्यायालय को कोई जानकारी नहीं हो पाई है। इन पक्षकारों की तामील सम्मनों का अखबार में प्रकाशन करके ही करवाया जाना संभव रह गया है। आयुक्त, जयपुर विकास प्राधिकरण, जयपुर को न्यायालय में लम्बित 65 रेफरेंस प्रकरणों के पक्षकारों के सम्मनों की सूची अखबार प्रकाशन हेतु प्रेषित की गयी है। उनके द्वारा उक्त सूची आपके अखबार में प्रकाशित करवायी जायेगी।
न्यायालय द्वारा जारी सम्मनों का प्रकाशन वाणिज्यिक गतिविधियों का हिस्सा नहीं है, बल्कि न्यायहित में किया जाना वाला एक कार्य है।

परिशिष्ट ख, संख्यांक 1

वाद/रेफरेंस के निपटारे के लिए समन (आदेश 5 के नियम 1 और 5)

(शीर्षक)

जरिये - आयुक्त, जयपुर विकास प्राधिकरण, जयपुर।

(नाम, वर्णन और निवासियान) संलग्न प्रारूप अनुसार ने अपने विरूद्ध संलग्न प्रारूप अनुसार के लिए वाद/ रेफरेंस संस्थित किया है आपको इस न्यायालय में (प्रकाशन से 30 दिवस में) दावे/रेफरेंस में कार्यवाही करने के लिये उपसंजात (हाजिर) होने के लिए सम्मन दिया जाता है। आप न्यायालय में स्वयं या किसी ऐसे प्लीडर द्वारा उपसंजात हो सकते हैं जिसे सम्यक् अनुदेश दिए गये हो और जो इस वाद/रेफरेंस से संबंधित सभी सारवान प्रश्नों का उत्तर दे सके या उसके साथ कोई ऐसा व्यक्ति हो जो ऐसे सब प्रश्नों का उत्तर दे सके। न्यायालय में आपकी उपसंजाति के लिए जो दिन नियत किया गया है वह इस वाद के अन्तिम निपटारे के लिए नियत दिन है, इसलिये आपको उस दिन अपने उन सब साथियों को या उन सब दस्तावेजों को पेश करने के लिए तैयार रहना चाहिए जिन पर अपनी प्रतिरक्षा के लिए निर्भर रहना चाहते हैं। आपको सूचित किया जाता है कि यदि आप उपर बताई गई तारीख को इस न्यायालय में उपसंजात नहीं होंगे तो वाद की सुनवाई और उसका निपटारा आपकी अनुपस्थिति में किया जायेगा। करीब 20 साल से आपकी और से इन रेफरेंस कार्यवाही में उपस्थिति नहीं दी गई है। अन्तिम बार अखबार में चस्पानगी के द्वारा तामील नोटिस के जरिये आपको तलब किया जा रहा है।

नोट - सूची क्रम संख्या 1 लगायत 65 रेफरेंस प्रकरणों की सूची वास्ते प्रकाशन हेतु संलग्न है।
यह आज तारीख 30.07.2024 को मेरे हस्ताक्षर से और न्यायालय की मुद्रा लगाकर दिया गया।

वरिष्ठ सिविल न्यायाधीश एवं मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट
जयपुर महानगर प्रथम

न्यायालय–मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट एवं वरिष्ठ सिविल न्यायाधीश, जयपुर महानगर प्रथम

क्र.सं.	प्रकरण संख्या	सी.आई.एस. नं.	उनवान	योजना का नाम	खसरा नम्बर	पक्षकार/हितधारी/आपत्तिकर्ता का नाम व पता
1.	13/12	524/14	छीतरमल शर्मा बनाम अनूप	रिंग रोड एवं विकसित कोरिडोर परियोजना	198, 199, 201 एवं 479 ग्राम रातल्या, तहसील-सांगानेर	अनूप पत्नी श्री कैलाश नारायण बागडा, पटेल कॉलोली, ग्राम-रातल्या, तहसील-सांगानेर
2.	17/12	202/14	भीम सिंह बनाम गणपत सिंह	रिंग रोड एवं विकसित कोरिडोर परियोजना	176 से 186 ग्राम-सूरजपुरा, तहसील-सांगानेर	किशोर सिंह, गणपत सिंह पि. गुलाब सिंह विधिक वारिसानल भीमा सिंह, बहादुर, बलवीर, सम्पत, पि. मोती सिंह, सदा कंवर बेवा किशन ग्राम-सूरजपुरा, सांगानेर
3.	18/12	423/14	ग्यारसा वगै. / नारायण वगै.	रिंग रोड एवं विकसित कोरिडोर परियोजना	63, 64, 67, 68, 70, 71, 72, 73, 74 ग्राम-सूरजपुरा, सांगानेर	नारायण सिंह, गोविन्द सिंह पि. दौलत सिंह ग्राम-सीतारामपुरा, तहसील-सांगानेर
4.	05/12	76/14	रामकल्याण / भौंरी देवी	रिंग रोड एवं विकसित कोरिडोर परियोजना	82 रकबा 21 बीघा 18 बिस्वा ग्राम-भटेसरी, तहसील-बस्सी	रमेश चन्द, भीमराज पुत्रान् सीताराम, रमेश चन्द पुत्र सीताराम निवासी भटेसरी तहसील-सांगानेर
5.	08/12	461/14	एल.ए.ओ / धन्ना वगैरह	रिंग रोड एवं विकसित कोरिडोर परियोजना	990 ग्राम-बूडथल, तहसील-बस्सी	धन्ना, सोन्या, ग्यारसा पि. काना बलाई, ग्राम-बूडथल, तहसील-बस्सी
6.	09/12	374/14	एल.ए.ओ / रामपाल वगै.	रिंग रोड एवं विकसित कोरिडोर परियोजना	1002 ग्राम-बूडथल, तहसील-बस्सी	माफी मन्दिर, ग्राम-बूडथल, तहसील-बस्सी
7.	20/12	204/14	एल.ए.ओ / जयनारायण	रिंग रोड एवं विकसित कोरिडोर परियोजना	153, 154, 155 ग्राम-दयालपुरा, तहसील-सांगानेर	जय नारायण पुत्र छोटू धानका, दयालपुरा, तहसील-सांगानेर
8.	21/12	152/14	तहसीलदार/मन्दिर श्री बालाजी	रिंग रोड एवं विकसित कोरिडोर परियोजना	317 ग्राम-दयालपुरा, तहसील-सांगानेर	मन्दिर श्री बालाजी सा. देह खातेदार दयालपुरा, तहसील-सांगानेर
9.	23/12	441/14	तहसीलदार सांगानेर/मन्दिरा श्री बालाजी	रिंग रोड एवं विकसित कोरिडोर परियोजना	315, 316, 318, 325, 326, 327, 328, 329 ग्राम-दयालपुरा, तहसील-सांगानेर	मन्दिर श्री बालाजी सा. देह खातेदार दयालपुरा, तहसील-सांगानेर
10.	25/12	154/14	शीला बनाम भगवती देवी	रिंग रोड एवं विकसित कोरिडोर परियोजना	341, 342, 345 ग्राम-दयालपुरा, तहसील-सांगानेर	भगवती देवी पत्नी श्री रामरतन, दुर्गा देवी पत्नी प्रहलाद ग्राम-दयालपुरा, तहसील-सांगानेर
11.	26/12	521/14	भौंरिया वगैरह बनाम नारायण वगैरह	रिंग रोड एवं विकसित कोरिडोर परियोजना	334, 341 ग्राम-श्यामपुरा बुहारिया तहसील-सांगानेर	श्री नारायण पुत्र ग्यारसी लाल, दत्तक पुत्र सूजीलाल, भौंरया पुत्र ग्यारसी लाल, प्रभु पुत्र ग्यारसी लाल, कमली देवी, लड्डू, जाति-बागड़ा, ग्राम-श्यामपुरा बुहारिया, तहसील-सांगानेर
12.	28/12	205/14	भौंरीलाल बनाम भूमि माफी मन्दिर-तहसीलदार सांगानेर	रिंग रोड एवं विकसित कोरिडोर परियोजना	437, 439 ग्राम-श्यामपुरा बुहारिया तहसील-सांगानेर	भौंरीलाल पुत्र मांगीलाल बागडा, ग्राम-श्यामपुरा बुहारिया , तहसील-सांगानेर
13.	29/12	122/14	छीतर वगैरह बनाम गोपाल वगैरह	रिंग रोड एवं विकसित कोरिडोर परियोजना	467 ग्राम खेतापुरा, तहसील-सांगानेर	छीतर, मांगीलाल पिता परमा, बाबूलाल पिता ठाकरिया, नाथू पिता जैनारायण, जाति बागडा, सा. देह हनुमान सहाय पुत्र कल्याण व मु. भूरी बेवा कल्याण, जाति बागडा, ग्राम-खेतापुरा, तहसील-सांगानेर
14.	31/12	203/14	सुधीन्द्र कुमार सिंह बनाम मु. लक्ष्मा वगैरह	रिंग रोड एवं विकसित कोरिडोर परियोजना	23, 53, 54, 55 ग्राम-रानीपुरा, तहसील-सांगानेर	मु. लक्ष्मा बेवा छाजू, छीतरमल, केसरलाल पिता लाला, जाति बागडा, ग्राम-जयराजपुरा, तहसील-सांगानेर
15.	32/12	200/14	एल.ए.ओ. / बलदेव वगैरह	रिंग रोड एवं विकसित कोरिडोर परियोजना	342, 343/418 ग्राम-लक्ष्मीपुरा, तहसील-सांगानेर	बलदेव, रामलाल, ज्ञान पिता गणेश, बिरदा पि. भूरा, गोदया, रामचन्दा पि. लाला, जगदीश पि. भूरिया, कल्या पुत्र जगन्नाथ पुत्र चूरिया, जाति-मीणा, निवासी- बास मोहालाल, निवासी ग्राम लक्ष्मीपुरा
16.	34/12	462/14	हनुमान शर्मा बनाम भौंरीलाल	रिंग रोड एवं विकसित कोरिडोर परियोजना	33, 35 ग्राम-अजयराजपुरा तहसील-सांगानेर	भौंरीलाल, नारायण, श्रवण, जगदीश, गोपाल, गोविन्दा पि. श्रीया, जाति-खाती, निवासी- लक्ष्मीपुरा, तहसील-सांगानेर
17.	59/12	77/14	एल.ए.ओ. / कैलाश वगैरह	रिंग रोड एवं विकसित कोरिडोर परियोजना	660, 945, 661, 662, 663, 665, 666, 686, 716, 717, 727, 730, 731, 826, 827, 836, 849, 851, 873, 874, 875 ग्राम-प्रहलादपुरा, तह.-सांगानेर	कैलाश, लक्ष्मीनारायण, रामनिवास पि. रामनाथ, रामेश्वर, रामचन्द, रामकिशोर पि. भूरा, जाति बारागांव ब्राह्मण निवासी ग्राम-प्रहलादपुरा, तहसील-सांगानेर
18.	58/12	417/14	कैलाश बनाम हरिनारायण	रिंग रोड एवं विकसित कोरिडोर परियोजना	481, 482, 516 ग्राम-खेतापुरा, तहसील-सांगानेर	हरिनारायण, भौंरीलाल, श्रीनारायण, जगदीश पुत्र मांग्या निवासी ग्राम-खेतापुरा, तहसील-सांगानेर
19.	42/12	389/14	बंशीलाल पुत्र भौंरीलाल वगैरह	रिंग रोड एवं विकसित कोरिडोर परियोजना	252, 253 ग्राम-अजयराजपुरा तहसील-सांगानेर	जयपुर विकास प्राधिकरण, जयपुर
20.	43/12	214/14	एल.ए.ओ./मंगल्या फूल्या	रिंग रोड एवं विकसित कोरिडोर परियोजना	327, 328, 329, 330, 331, 332/2, 332/1 ग्राम-अजयराजपुरा, तह.-सांगानेर	मंगल्या, फूल्या, रामू पि. जगन्नाथ, सीताराम, रामधन पि. जगन्नाथ, कौशल्या देवी पत्नी कैलाश चन्द, सुगना पत्नी रामधन निवासी ग्राम-होलावास, तहसील-बानसूर, जिला-अलवर
21.	45/12	79/14	एल.ए.ओ. / रोडूराम वगैरह	रिंग रोड एवं विकसित कोरिडोर परियोजना	546, 547, 547/2241 ग्राम-शिवदासपुरा, तहसील-सांगानेर	रोडू राम पुत्र मोहन, बदरी पुत्र बालू, हरी, जगदीश, गोपाल, रामस्वरूप पि. लच्छा, सीताराम, नाथू, पप्पू, राजू, भंवरा, प्रभु पि. गोपी, गोपाल पुत्र हीरा, जाति-बैरागी, निवासी ग्राम-नानगपुरा, तहसील-सांगानेर
22.	46/12	418/14	एल.ए.ओ./श्याम सिंह वगैरह	रिंग रोड एवं विकसित कोरिडोर परियोजना	114 ग्राम-गोवर्धनपुरा, तहसील-चाकसू	श्याम सिंह, हेम सिंह पि. गोविन्द सिंह, रतन कंवर बेवा गोविन्द सिंह, निवासी ग्राम-श्योपुर, तहसील-सांगानेर
23.	49/12	358/14	बाबूलाल वगैरह बनाम देवाराम वगैरह	रिंग रोड एवं विकसित कोरिडोर परियोजना	3120, 3121, 3122 ग्राम-गोनेर, तहसील-सांगानेर	देवाराम, जगदीश पि. गुल्ला, नन्दलाल, प्रभुनारायण पि. कालूराम, अम्बालाली पत्नी कालूराम, निवासी ग्राम-गोनेर, तहसील-सांगानेर
24.	61/12	430/14	गिरधारीलाल शर्मा बनाम एल.ए.ओ	गोपालपुरा बाईपास गन्दे नाले की पुलिया की एप्रोच रोड हेतु	214, 318, 320 ग्राम-देवरी, तहसील-सांगानेर	भौंरीलाल, गिरधारी, जीवणराम पुत्र मंगला निवासी ग्राम-देवरी, तहसील-सांगानेर
25.	62/12	198/14	एल.ए.ओ / सीताराम जी	रिंग रोड एवं विकसित कोरिडोर परियोजना	864 ग्राम-दांतली, तहसील-सांगानेर	मन्दिर श्री सीताराम जी वाके ग्राम-दांतली, तहसील-सांगानेर
26.	68/12	572/14	मुकेश वगैरह बनाम राजू वगैरह	रिंग रोड एवं विकसित कोरिडोर परियोजना	592/639, 593/640, 594, 621, 622 ग्राम-खोरी रोपाड़ा, तहसील-सांगानेर	राजू पिता मु. रामलाल, रामप्रसाद, चौथू, जगदीश, रामस्वरूप, रामकृष्णा पिता गोपाल, रामप्रसाद पुत्र गोपाल जाति-ब्राह्मण निवासी ग्राम-खोरी रोपाड़ा, तहसील-सांगानेर
27.	70/12	94/14	बाबूलाल वगैरह बनाम जानकी वगैरह	बस्सी जगतपुरा लिंक रोड निर्माण	1199 ग्राम-गोविन्दपुरा उर्फ रोपाडा, तहसील-सांगानेर	जानकी पत्नी जगदीश नारायण, जगदीश नारायण, मोहनलाल पिता गोविन्दा, बाबूलाल पुत्र गोविन्दा, पूजा पुत्री बद्रीनारायण, जाति मीणा निवासी सा. देह तहसील-सांगानेर
28.	74/12	517/14	एल.ए.ओ./ मदनलाल वगैरह	रिंग रोड एवं विकसित कोरिडोर परियोजना	627 ग्राम-पीपला भरतसिंह, तहसील-सांगानेर	मदनलाल, पप्पूलाल पि. लक्ष्मी जाति माली, सा. देह तहसील-सांगानेर
29.	77/12	442/14	एल.ए.ओ./ मंदिर श्री ठाकुर जी ग्राम पीपला भरत सिंह	रिंग रोड एवं विकसित कोरिडोर परियोजना	629 ग्राम-पीपला भरतसिंह, तहसील-सांगानेर	मन्दिर श्री ठाकुर जी निवासी ग्राम-पीपला भरत सिंह, तहसील-सांगानेर
30.	78/12	415/14	शांति देवी बनाम मीना देवी	रिंग रोड एवं विकसित कोरिडोर परियोजना	203 ग्राम-पीपला भरतसिंह, तहसील-सांगानेर	श्रीमती शांति देवी पत्नी धानचन्द निवासी प्लाट नम्बर 31, रामद्वारा कॉलोनी, सांगानेर, जयपुर
31.	79/12	425/14	भोला बनाम जनता गृह निर्माण सहकारी समिति	रिंग रोड एवं विकसित कोरिडोर परियोजना	1241 ग्राम-भांकरोटा, तहसील-सांगानेर	भौला पुत्र श्री शिवदयाल, जाति धानका, निवासी बिचपुड़ा लोहरान, तहसील-खण्डार, जिला-सवाई माधोपुर
32.	80/12	633/14	अर्जुनलाल बनाम हनुमान विहार विकास समिति	रिंग रोड एवं विकसित कोरिडोर परियोजना	1190, 1191, 1192 ग्राम-भांकरोटा, तहसील-सांगानेर	अर्जुन लाल पुत्र घीसी लाल, जाति मीणा, निवासी भूरी पहाडी
33.	No Ins	No Ins	ग्राम केशोपुरा की जाँच रिपोर्ट (टर्मिनल योजना)	रिंग रोड एवं विकसित कोरिडोर परियोजना	380, 381, 380/2, 375/2 ग्राम-केशोपुरा	सीता, राधिया, जमना, दया, धन्ना, राधी, ग्राम-केशोपुरा
34.	08/2013	622/14	एल.ए.ओ./लादू वगैरह	रिंग रोड एवं विकसित कोरिडोर परियोजना	875/989, 878 रकबा 1.04 हैक्टेयर ग्राम-अभयपुरा, तहसील-सांगानेर	नोट- रेफरेंस पत्र क्रमांक भू.अ./नवि/2013 डी-1014 दिनांक 15.04.2013 एवं अवार्ड दिनांक 19.06.2008 से संबंधित पक्षकारान्
35.	10/2013	625/14	एल.ए.ओ./मै. सिल्वर इन रिसोर्ट प्रा. लि.	रिंग रोड एवं विकसित कोरिडोर परियोजना	288/371 ग्राम-हशमपुरा, तहसील-सांगानेर	मै. सिल्वर इन रिसोर्ट प्रा.लि. पंजीकृत कार्यालय- लश्करी हाउस, भांकरोटा, सांगानेर जरिये डायरेक्टर राधा गोविन्द लश्करी पुत्र बंशीधर लश्करी, जाति महाजन, निवासी जयपुर, मूलचन्द यादव पुत्र चौथमल यादव, निवासी 1/89, विद्याधर नगर, जयपुर
36.	11/2013	623/14	एल.ए.ओ./गोविन्द वगैरह	रिंग रोड एवं विकसित कोरिडोर परियोजना	858, 957 ग्राम-अभयपुरा, तहसील-सांगानेर	गोविन्दराम पुत्र नाथू, देवेन्द्र कुमार प्रभुनारायण, जयसियाराम पि. रामेश्वर मु. गिरधारी देवी बेवा रामेश्वर, सीताराम, लक्ष्मीनारायण पि. दुर्गालाल, जगन्नाथ, चंदालाल, बंशी, श्यामलाल, प्रभु, पि. सुवालाल, भीवाराम, नारायण लाल पि. गोपीराम, प्रहलाद कुमार, लालचन्द, सत्यनारायण, सुरेश कुमार पिता रामकिशोर, हरसहाय, रूगन्नाथ पिता भूरा, जाति ब्राह्मण, निवासी ग्राम-अभयपुरा, तहसील-सांगानेर, जयपुर
37.	17/2013	604/14	एल.ए.ओ./मै. सिल्वर इन रिसोर्ट प्रा. लि.	रिंग रोड एवं विकसित कोरिडोर परियोजना	112, 114, 116 रकबा 0.59 हैक्टेयर ग्राम-चिमनपुरा, तहसील-सांगानेर	सीताराम, बाबूलाल, गोपाल, हनुमान, सुरेश पिता लालूराम, विनोद, नानगराम पिता रामस्वरूप, ना. संरक्षिका मु. लाली बेवा रामस्वरूप जाति जाट सा. मांग्यावास
38.	21/2013	18/2015	मन्दिर श्री चतुर्भुज खातेदार बनाम एल.ए.ओ.	रिंग रोड एवं विकसित कोरिडोर परियोजना	1322 ग्राम-मुहाना, तहसील-सांगानेर	मन्दिर श्री चतुर्भुज खातेदार
39.	24/2013	9/2015	रमेश चन्द पुरोहित बनाम एल.ए.ओ.	जयपुर मेट्रो रेल परियोजना-।। हेतु मानसरोवर से श्याम नगर स्टेशन तक हाईटेंशन लाईन तक अवाप्त भूमि बाबत्	21 मिन अवाप्त क्षेत्रफल 2670.58 वर्गगज (ग्राम-बृजलालपुरा, जयपुर)	रमेश चन्द पुरोहित, दिनेश चन्द पुरोहित, श्याम चन्द पुरोहित पुत्रान् मोहन प्रसाद पुरोहित, श्रीमती तारा पुरोहित पत्नी रमेश चन्द, श्रीमती कुसुम पुरोहित पत्नी दिनेश चन्द, श्रीमती शशिकला व्यास पत्नी डॉ. एम.सी.आर. व्यास, कु. पूर्वी पुरोहित पुत्री रमेश चन्द, श्रीमती ज्योत्सना पुरोहित पत्नी श्री श्याम चन्द पुरोहित, श्रीमती उत्तरा पुरोहित पुत्र श्री श्याम चन्द पुरोहित, अंशुमान पुरोहित पुत्र श्री मनुचन्द पुरोहित व शशि पुरोहित पत्नी मनुचन्द पुरोहित, निवासी एल-4, कृष्णा मार्ग, सी-स्कीम, जयपुर
40.	27/13	25/2015	एल.ए.ओ./रामनारायण	जयपुर मेट्रो रेल परियोजना-।। हेतु सोडाला थाने से अजमेर पुलिया से आगे बड़ौदिया की सीमा तक	49 मिन अवाप्त रकबा 665.30 वर्गमीटर (ग्राम-बड़ौदा, जयपुर)	रामनारायण पुत्र पन्नालाल राठी वगैरह, निवासी सुखी जीवन हाउसिंग कॉम्पलेक्स, अजमेर रोड़, रेल्वे ब्रिज कॉर्नर, जयपुर
41.	31/13	28/2015	एल.ए.ओ./नानगराम वगैरह	रिंग रोड एवं विकसित कोरिडोर परियोजना	917, 926, 922 ग्राम-मुहाना, तहसील-सांगानेर	नानगराम, गोपाल, रामसहाय, लालचन्द पि. केसरा, जाति-बागड़ा, सा. देह. तहसील-सांगानेर
42.	35/13	14/2015	एल.ए.ओ./शशिबाला वगैरह	रिंग रोड एवं विकसित कोरिडोर परियोजना	5, 8, 43 ग्राम-मुहाना, तहसील-सांगानेर	शशिबाला पुत्री हरिराम, रवीन्द्र कौर पुत्र दिलीप सिंह, जाति हिन्दू, जिला जयपुर। हाल आबाद एम.आर.एम.एस. पूंज, डी.पी. सांगानेर एरोड्रॉम, ई-अफसर एयरपोर्ट, सांगानेर, जयपुर
43.	37/13	192/15	एल.ए.ओ./डाकू कैलाश वगैरह	रिंग रोड एवं विकसित कोरिडोर परियोजना	1109 ग्राम-मुहाना, तहसील-सांगानेर	डाकू, कैलाश, किशना चतर, महेन्द्र, कालू, विमला बेवा कालू, जाति माली
44.	40/13	193/15	एल.ए.ओ./चन्द्रभान वगैरह	सार्वजनिक प्रयोजनार्थ केन्द्र सरकार द्वारा उत्तर-पश्चिम रेल्वे जोनल कार्यालय एवं स्टॉफ क्वार्टर्स हेतु अवाप्त	138, 139, 140, 141, 142, 143, 144 (ग्राम-टोडीरमजानीपुरा, तह.-सांगानेर)	चन्द्रभान पुत्र भूरामल जाति ब्राह्मण घीया मार्ग, बनीपार्क, जयपुर
45.	03/2017	03/2017	लालचन्द बनाम एल.ए.ओ.	एल.सी. नम्बर-233 पर रेल्वे ओवर ब्रिज निर्माण एवं सम्पर्क सड़क हेतु	288 ग्राम-किशोरपुरा चारणान/जयपुर	लालचन्द पिता नानूराम निवासी बाढ पीथावास, जयपुर
46.	04/2017	04/2017	भागीरथ बनाम एल.ए.ओ.	एल.सी. नम्बर-233 पर रेल्वे ओवर ब्रिज निर्माण एवं सम्पर्क सड़क हेतु	77 ग्राम-नानूसर / जयपुर	भागीरथ, कालूराम पिता बिरदीचन्द, नाथी बेवा नानगराम, मुकेश पिता नानगराम, निवासी ग्राम-नानूसर, तहसील-जयपुर
47.	05/2017	05/2017	लालचन्द बनाम एल.ए.ओ.	एल.सी. नम्बर-233 पर रेल्वे ओवर ब्रिज निर्माण एवं सम्पर्क सड़क हेतु	289/2 ग्राम-किशोरपुरा चारणान/जयपुर	लालचन्द पिता नानूराम निवासी बाड पीथावास, जयपुर
48.	06/2017	06/2017	लक्ष्मीनारायण बनाम एल.ए.ओ.	एल.सी. नम्बर-233 पर रेल्वे ओवर ब्रिज निर्माण एवं सम्पर्क सड़क हेतु	79 ग्राम-नानूसर / जयपुर	लक्ष्मीनारायण पुत्र रामदेव, ग्राम-नानूसर, तहसील-जयपुर
49.	07/2017	07/2017	कमला देवी वगैरह बनाम एल.ए.ओ.	एल.सी. नम्बर-233 पर रेल्वे ओवर ब्रिज निर्माण एवं सम्पर्क सड़क हेतु	86/3 ग्राम-विजयपुराबास नानूसर/जयपुर	कमला देवी पत्नी जमनालाल, जाति बागडा, निवासी लोकण्डा की ढाणी, तह.-सांगानेर, तेजसिंह पुत्र सोहन सिंह जाति सिख, लक्ष्मीनारायण पुत्र मन्ना, सोहनलाल, बालूराम, रामकरण, मंगलचन्द पि. मन्ना, भीवाराम, लालाराम, रामगोपाल, लक्ष्मण पि. भूरा, जाति जाट
50.	08/2018	08/2018	जगदीश वगैरह बनाम एल.ए.ओ.	एल.सी. नम्बर-233 पर रेल्वे ओवर ब्रिज निर्माण एवं सम्पर्क सड़क हेतु	288 ग्राम-किशोरपुरा चरणान/जयपुर	जगदीश, लालचन्द पिता नानूराम, कालूराम पुत्र कानाराम, कालूराम, रामनिवास, केसरलाल, दामोदर प्रसाद पुत्र कानाराम निवासी ग्राम-किशोरपुरचारणान, तहसील व जिला जयपुर
51.	14/2017	14/2017	भैरूराम वगैरह बनाम एल.ए.ओ.	नींदड़ आवासीय योजना	2679/1 ग्राम-नींदड/आमेर	भैरूराम, मूलचन्द पिता भूरा, ग्राम-नींदड़, तहसील-आमेर, जयपुर
52.	03/2018	03/2018	एल.ए.ओ./उमा देवी	एल.सी. नम्बर-233 पर रेल्व ओवर ब्रिज निर्माण एवं सम्पर्क सड़क हेतु	364 ग्राम-बिन्दायका/जयपुर	श्रीमती उमा देवी पत्नी स्व. जी. रामचन्द्र मीणा, श्रीमती गीता सिंह देव पत्नी ओ.पी. मीणा, निवासी एच-47, टैगोर पथ, बनीपार्क, जयपुर पुष्प मित्र सिंह देव पुत्र जी. रामचन्द्र निवासी ग्राम-बिन्दायका, तहसील व जिला जयपुर
53.	29/2018	30/2018	श्रीमती आनी बनाम एल.ए.ओ	एयरपोर्ट के सामने 200 फीट चौड़ी सड़क निर्माण हेतु	365/2, 367/2, 362/599, 364/600 (ग्राम बुद्धसिंहपुरा, तहसील सांगानेर)	श्रीमती आनी पत्नी श्रीचन्द, देवी पत्नी मूलचन्द सैनी निवासी ग्राम-बुद्धसिंहपुरा, तहसील-सांगानेर
54.	30/2018	31/2018	पीर व भैरू जी, ग्राम-बुद्धसिंहपुरा बनाम एल.ए.ओ	एयरपोर्ट के सामने 200 फीट चौड़ी सड़क निर्माण हेतु	556 (ग्राम बुद्धसिंहपुरा, तहसील सांगानेर)	पीर व भैरू जी, ग्राम-बुद्धसिंहपुरा, तहसील-सांगानेर
55.	33/2018	34/2018	बिरदा राम बनाम एल.ए.ओ	एयरपोर्ट के सामने 200 फीट चौड़ी सड़क निर्माण हेतु	361 (ग्राम बुद्धसिंहपुरा, तहसील सांगानेर)	बिरदाराम पुत्र छोटूराम बलाई, निवासी ग्राम-बुद्धसिंहपुरा, तहसील-सांगानेर
56.	34/2018	35/2018	गुलाब बनाम एल.ए.ओ	एयरपोर्ट के सामने 200 फीट चौड़ी सड़क निर्माण हेतु	280/2 (ग्राम बुद्धसिंहपुरा, तहसील सांगानेर)	गुलाब पुत्र बिरदीचन्द मीणा, निवासी ग्राम-बुद्धसिंहपुरा, तहसील-सांगानेर
57.	36/2018	37/2018	श्रीमती कबूल कंवर बनाम एल.ए.ओ	एयरपोर्ट के सामने 200 फीट चौड़ी सड़क निर्माण हेतु	305, 306 (ग्राम बुद्धसिंहपुरा, तहसील सांगानेर)	श्रीमती कबूल कंवर पत्नी बुद्ध सिंह, निवासी 57, इन्द्रप्रस्थ कॉलोनी, बुद्धसिंहपुरा, तहसील-सांगानेर, जयपुर
58.	37/2018	38/2018	लालसिंह बनाम एल.ए.ओ	एयरपोर्ट के सामने 200 फीट चौड़ी सड़क निर्माण हेतु	365/2, 364/2, 362/599, 364/ 600 (ग्राम बुद्धसिंहपुरा, तहसील सांगानेर)	लालसिंह पुत्र सहजाराम, मकान नम्बर 19, गौरीशंकर कॉलोनी, भरतपुर
59.	40/2018	40/2018	मालचन्द वगैरह बनाम एल.ए.ओ	नींदड आवासीय योजना	3040, 3042, 3076 ग्राम नींदड/आमेर	मालचन्द, भैरूलाल, गोपाल, शिशुपाल पिता भूरा, सावरमल, रामजीलाल पिता गंगाराम, नारायण पिता रामनिवास, जाति ब्राह्मण, निवासी ग्राम-नींदड, आमेर
60.	01/2019	01/2019	श्रीमती नाथी देवी बनाम मैट्रो रेल	जयपुर मैट्रो रेल परियोजना कॉरिडोर हेतु श्याम नगर से सोड़ाला थाने तक अवाप्त भूमि	254 मिन अवाप्त रकबा 4.50 वर्गमीटर सोड़ाला/जयपुर	श्रीमती नाथी देवी पत्नी नानगराम सैनी, निवासी राजकीय स्कूल के पास, अजमेर रोड़, सोड़ाला, जयपुर
61.	02/2019	02/2019	सांवरमल सिंघनिया बनाम मैट्रो रेल	जयपुर मैट्रो रेल परियोजना कॉरिडोर हेतु श्याम नगर से सोड़ाला थाने तक अवाप्त भूमि	244 मिन, 245 मिन, 246 मिन, 247 मिन, 248 मिन, कुल अवाप्त रकबा 3600 वर्गमीटर सोड़ाला/जयपुर	सांवरमल सिंघानिया, फ्लेट नम्बर 3-डी, अन्नपूर्णा बिल्डिंग, 6 सरत बोस रोड, कोलकाता-700020 एवं श्रीमती पुष्पा देवी गोयनका-1, लोवर राउडन स्ट्रीट, कोलकाता-700020
62.	03/2019	03/2019	मृतक मंजीत सिंह बनाम मैट्रो रेल	जयपुर मैट्रो रेल परियोजना कॉरिडोर हेतु श्याम नगर से सोड़ाला थाने तक अवाप्त भूमि	211/1 मिन, कुल अवाप्त रकबा 2850 वर्गमीटर सोड़ाला/जयपुर	मृतक मंजीत सिंह, श्री गुरूदत्त सिंह के वारिसान, निवासी 11, महावीर मार्ग, संग्राम कॉलोनी, सी-स्कीम, जयपुर
63.	04/2019	04/2019	श्रीमती पुष्पा धामाणी बनाम मैट्रो रेल	जयपुर मैट्रो रेल परियोजना कॉरिडोर हेतु श्याम नगर से सोड़ाला थाने तक अवाप्त भूमि	215 मिन, 216 मिन, कुल अवाप्त रकबा 3900 वर्गमीटर सोड़ाला/जयपुर	श्रीमती पुष्पा धामाणी पत्नी श्री लक्ष्मीनारायण धामाणी, निवासी धामाणी मार्केट, चौडा रास्ता, जयपुर
64.	05/2019	05/2019	गोपाल बनाम मैट्रो रेल	जयपुर मैट्रो रेल परियोजना कॉरिडोर हेतु श्याम नगर से सोड़ाला थाने तक अवाप्त भूमि	241 मिन, 242 मिन, 243 मिन कुल अवाप्त रकबा 2130 वर्गमीटर सोड़ाला/जयपुर	गोपाल पुत्र रामरतन धामाणी, निवासी प्लॉट नम्बर 951, धामाणी मार्केट चौडा रास्ता, जयपुर एवं त्रिवेणी देवी पत्नी श्री रामगोपाल चमड़िया, निवासी 55, जवाहर लाल नेहरू रोड, कोलकाता-700016
65.	38/2019	38/2019	जे.डी.ए. बनाम बसन्त सिंधी हाउसिंग सोसायटी लिमिटेड सिरामल मोटवानी	गोपालपुरा चौराहे पर स्लीप लेन निर्माण हेतु अवाप्त भूमि	51 ग्राम-मानपुरा देवरी, जयपुर	बसन्त बहार सिंधी को-ऑपरेटिव सोसायटी लिमिटेड, सिरामल मोटवानी पुत्र जेठामल गोठवानी व मंत्री बंशीलाल पुत्र मतराम बालानी

नोट :- उक्त तालिका में दर्शायी गई सभी योजनाओं एवं खसरा नंबरान से संबंधित हितधारीगण/खातेदारान/आपत्तिकर्तागण न्यायालय में सुनवायी हेतु नियत पेशी/प्रकाशन के 30 दिवस में आवश्यक रूप से स्वयं अथवा अपने प्लीडर द्वारा न्यायालय में उपस्थित रहें अन्यथा प्रकरण में एकपक्षीय कार्यवाही अमल में लाई जाकर विधि अनुसार आदेश पारित किया जावेगें।

मोहर राज.संवाद/सी/24/3663 **वरिष्ठ सिविल न्यायाधीश, जयपुर महानगर प्रथम**

तिरंगा बाइक रैली निकाल राष्ट्र प्रेम एवं एकता का संदेश दिया

टोंक, (निसं)। राजकीय महाविद्यालय टोंक के एनसीसी कैडेट्स छात्र-छात्राओं ने सोमवार को हर घर तिरंगा यात्रा निकाली। इस दौरान लेफ्टिनेंट मो. बाकिर हुसैन ने कैडेट्स को अपने घर पर राष्ट्रीय ध्वज के प्रोटोकॉल के तहत फहराए जाने के लिए प्रेरित करते हुए अपने आसपास के नागरिकों को भी तिरंगा फहराने के लिए कहा। इस अवसर पर सभी छात्र-छात्राओं ने हाथों में राष्ट्रीय ध्वज लेकर राष्ट्र निर्माण व राष्ट्र विकास का संकल्प लिया तथा राष्ट्रभक्ति के नारे लगाए। लेफ्टिनेंट बाकिर ने बताया कि इस अवसर पर डॉ. सुरेंद्र चंदेल, डॉ. नरेश वर्मा, मंजू कुमारी मीना, चंद्रशेखर मीना आदि मौजूद रहे।

अलवर, (निसं)। आजादी के अमृत महोत्सव के अन्तर्गत आयोजित किए जा रहे हर घर तिरंगा अभियान के तहत सोमवार को तिरंगा बाइक रैली आयोजित हुई। रैली को वन एवं पर्यावरण राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) संजय शर्मा, नगर निगम के महापौर घनश्याम गुर्जर, जिला कलेक्टर आशीष गुप्ता, पुलिस अधीक्षक आनन्द शर्मा एवं जिला अध्यक्ष अशोक गुप्ता ने कम्पनी बाग से तिरंगा झंण्डा लहराकर रवाना किया तथा रैली में स्कूली विद्यार्थियों एवं आमजन के साथ पैदल चल देशप्रेम व एकता का संदेश दिया।

दौसा। जिला स्तर पर सोमवार को तिरंगा रैली का आयोजन रोडवेज बस डिपो से गांधी तिराहा तक किया गया।

राजकीय महाविद्यालय टोंक के एनसीसी कैडेट्स छात्र-छात्राओं ने हर घर तिरंगा यात्रा निकाली।

गांधी तिराहा पर राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित कर हर घर तिरंगा अभियान के तहत जिला कलेक्टर देवेन्द्र कुमार ने संभागियों को तिरंगा शपथ दिलाई तथा साथ में ही नशामुक्त भारत अभियान के तहत नशा मुक्ति हेतु भी शपथ दिलवाई गई। तिरंगा रैली में पुलिस अधीक्षक रंजीता शर्मा, अतिरिक्त जिला कलेक्टर सुमित्रा पारीक, अतिरिक्त जिला कलेक्टर लालसोट मनमोहन मीणा, डाक्टर प्रभु दयाल शर्मा, उपखंड अधिकारी दौसा एवं नगर परिषद आयुक्त मनीष कुमार जाटव, अतिरिक्त मुख्य कार्यकारी अधिकारी राजेश कुमार मीणा, सीओ दौसा रवि कुमार आदि सम्मिलित हुए।

कोटपूतली। राजकीय सरदार उच्च माध्यमिक विद्यालय से एलबीएस कॉलेज ग्राउंड तक निकली यात्रा में हजारों की संख्या में स्कूली बच्चों ने भाग लिया। हाथों में तिरंगा लिए लोग देशभक्ति के जज्बे से ओत-प्रोत दिखाई दिए। इस अवसर पर एएसपी नेम सिंह, उपखंड अधिकारी बृजेश चौधरी, उप अधीक्षक राजेंद्र बुरडक सहित जनप्रतिनिधि व लगभग 1500 बच्चों ने रैली में भाग लिया।

नारायणपुर। स्वतंत्रता दिवस के उपलक्ष्य पर आजादी अमृत महोत्सव के तहत सोमवार को उपखंड प्रशासन के द्वारा कस्बे के मुख्य बाजार से देशभक्ति गीतों के साथ तिरंगा बाइक रैली निकाली गई। तिरंगा बाइक रैली को जिला कलेक्टर कल्पना अग्रवाल व क्षेत्रीय विधायक देवीसिंह शेखावत ने हरि झंडी दिखाकर रवाना किया। इस दौरान भाजपा कार्यकर्ताओं ने देशभक्ति स्लोगन लिखी तख्तियों के साथ उपखंड कार्यालय से खेल स्टेडियम तक तिरंगा बाइक रैली निकाली। रैली में स्कूली बच्चों सहित भाजपा कार्यकर्ताओं ने भाग लिया।

पावटा। हर घर तिंरगा अभियान के तहत स्वतंत्रता दिवस के मौके पर भारतीय जनता पार्टी के शीर्ष नेतृत्व के आव्हान पर सोमवार को विराटनगर विधानसभा क्षेत्र के भाजपा बाणगंगा मण्डल, त्रिवेणी मण्डल, विराटनगर मण्डल द्वारा विराटनगर विधानसभा क्षेत्रीय विधायक कुलदीप धनकड के मार्गदर्शन में हरी झंडी दिखाकर तिरंगा वाहन यात्रा का शुभारंभ किया गया। तिरंगा वाहन रैली अलवर तिराया से प्रारंभ होकर बिलवाडी होते हुए श्री गणेश मंदिर विराटनगर पहुंची जहाँ तिरंगा वाहन यात्रा का समापन हुआ।

■ तिरंगा की शपथ एवं नशामुक्ति की दिलवाई शपथ

श्रीमाधोपुर। कलेक्टर नीमकाथाना एवं उपखंड अधिकारी श्रीमाधोपुर के निर्देशानुसार हर घर तिरंगा कार्यक्रम के तहत सोमवार को श्रीमाधोपुर शहर के मुख्य मार्गों पर तिरंगा रैली निकाली गई। मुख्य ब्लॉक शिक्षा अधिकारी विनोद कुमार शर्मा ने बताया कि राजकीय बालिका उच्च माध्यमिक विद्यालय एवं महात्मा गांधी राजकीय विद्यालय अंग्रेजी माध्यम के विद्यार्थियों ने हाथों में तिरंगे झंडे लेकर देशभक्तिपरक नारे लगाते हुए रैली के रूप में बालिका विद्यालय से प्रारंभ होकर रींगस बाजार, चौपड, सुरानी बाजार, खटोडा बाजार, अस्पताल चौराहा होते हुए अपने गंतव्य स्थल पहुंचे। रैली में शिवपाल सिंह प्रधानाचार्य, रमाकांत शर्मा प्रधानाचार्य समेत स्टाफ सदस्य मौजूद थे।

संक्षिप्त

बंद को सफल बनाने पर की चर्चा

आमेर, (निसं)। अचरोल में सोमवार को अम्बेडकर पार्क में आसपा के आमेर अध्यक्ष हरीश धौलपुरिया के नेतृत्व में सुप्रीम कोर्ट द्वारा अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति, आरक्षण में वर्गीकरण और क्रीमिलेयर लागू करने के विरोध में 21 अगस्त को भारत बंद को लेकर मीटिंग का आयोजन किया गया। मीटिंग में 21 अगस्त भारत बंद में ग्राम अचरोल से अधिक से अधिक संख्या में लोगों की भागीदारी और बन्द को सफल बनाने की योजनाओं पर विस्तृत चर्चा की गयी। इस दौरान मीटिंग में अम्बेडकर विचार मंच के अध्यक्ष सरदार पिंगोलिया के साथ साथ रोशन, अविनाश, कैलाश, कमलेश, कालूराम, संगीत, अजय, सोनू और अन्य ग्रामीण उपस्थित रहे।

700 प्रतिभाएं हुई सम्मानित

मनोहरपुर, (निसं)। स्वर्णकार सेवादल की ओर से रविवार को झोटवाडा स्थित सियाराम गार्डन में अखिल भारतीय प्रतिभा सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर देश भर से आए विभिन्न परीक्षाओं में उत्कृष्ट अंक अर्जित करने वाले करीब 700 छात्र-छात्राओं को मेडल, स्मृति चिन्ह, प्रशस्ति पत्र, चांदी कवर युक्त पेन, स्कूल बैग एवं पाठ्य सामग्री भेंट कर पुरस्कृत किया गया। यह समस्त आयोजन स्वर्णकार समाज के भामाशाहों के सहयोग से किया गया। इस मौके पर मुख्य रूप से भामाशाह के रूप में रूपचंद जालू, राधेश्याम रूंडवाल, मांगीलाल बूटण, हनुमान प्रसाद कडेल, नितेश जालू, डी.के. सोनी, भागीरथ जमवाल, नारायण मौसूण, रमेश रोडा, ओंकार डांवर, अनिल सोनी विजय नारनोली प्रकाश जालू रमेश कुकरा मौजूद रहे। समारोह में मनोहरपुर व्यापार मंडल के पूर्व अध्यक्ष डीके सोनी को भी सम्मानित किया गया।

नदियों में आया बारिश का पानी

चौमूं/कालाडेरा, (निसं)। चौमूं उपखण्ड के शहर व ग्रामीण क्षेत्रों में कुछ दिनों से लगातार हो रही बारिश के कारण जगह जगह जल भराव हो गया वहीं सामोद पर्वत पर विराजे वीर हनुमान बालाजी महाराज व म्हारकलां गांव में स्थित मालेश्वर धाम की पहाडियों से बहते झरनों को देखने श्रद्धालु पहुंच रहे है। वही रविवार रात्री से हल्की बारिश के बाद सोमवार सुबह तेज बारिश होने के कारण कालाडेरा कस्बे के दोनों ओर स्थित नदियों में बारिश के तेज पानी की आवक होने से आस पास के खेतों के साथ ही मकानों में पानी भर गया। नदियों में पानी आने की जानकारी मिलते ही पानी देखने के लिए ग्रामीणों की भीड जुट गई और युवा पानी के तेज बहाव को देखकर सेल्फी लेने लगे है।

बारिश से जनजीवन अस्त व्यस्त

चाकसू, (निसं)। विधानसभा क्षेत्र में करीब 6 दिनों से लगातार हो रही बारिश ने जन जीवन अस्त व्यस्त कर दिया है। बारिश के चलते लोग घरों के बाहर भी नहीं निकल रहे हैं। गली मोहल्ले की सडकों से लेकर हाईवे तक में पानी भर गया है। राहगीरों को आवागमन में भारी दिक्कतों का सामना करना पड रहा है। बुधवार शाम को शुरू हुई बारिश रुकने का नाम ही नहीं ले रही है। लोगों ने प्रशासन से पानी के निकास की व्यवस्था करने मांग की है। वहीं सोमवार को जल भराव वाले जगहों का चाकसू विधायक रामवतार बैरवा, एडीएम प्रथम सुरेश नवल, उपखंड अधिकारी शिवचरण शर्मा, नगरपालिका ईओ बीएल मीना, तहसीलदार संदीप चौधरी सहित अन्य अधिकारियों और जनप्रतिनिधियों ने दौरा कर जायजा लिया और आवश्यक दिशा निर्देश दिए। इसके साथ ही लबालब बांध व तालाबों के पास स्थित नीचे की बस्तियों के लोगों को दूसरी जगह जाने की बात कही वहीं कई लोग सुबह से तालाबों पर भरे पानी की रौनक देखने चले गए जंहा पर लोगों की भीड लगी रही।

दो बांध का निरीक्षण किया

अलवर, (निसं)। जिला कलेक्टर आशीष गुप्ता एवं पुलिस अधीक्षक आनन्द शर्मा ने सोमवार को टहला में मानरोवर बांध एवं मंगलसर बांध का निरीक्षण किया। जिला कलक्टर ने मानसरोवर बांध पर चल रही चादर का निरीक्षण कर उन्होंने स्थानीय पुलिस प्रशासन के अधिकारियों को निर्देश दिये कि संयुक्त निगरानी रखकर किसी भी अप्रिय घटना व जनहानि की रोकथाम हेतु बांध पर लोगों की आवाजाही को रोका जावे। उन्होंने निर्देश दिये कि बांध क्षेत्रा में मिट्टी कटाव व बांध में रिसाव जैसी स्थिति पाए जाने पर तुरन्त रोकथाम के उपाय करें।

प्रतिभाओं का किया सम्मान

फुलेरा, (निसं)। ग्राम भैंसलाना में सोमवार को प्रजापति समाज शिव मन्दिर का 60वां विशाल वार्षिक मेला महोत्सव एवं प्रतिभा सम्मान समारोह का आयोजन समिति के अध्यक्ष बजरंग लाल बगराणियां की अध्यक्षता में किया गया। कार्यक्रम के दौरान मुख्य अतिथि के रूप में माटी कला बोर्ड अध्यक्ष राज्यमंत्री प्रहलाद टांक रहे। विशिष्ट अतिथि के रूप में प्रदेश ओबीसी मोर्चा के प्रदेशाध्यक्ष चम्पालाल गेदर, भैरूलाल धमूनिया, पूर्व प्रदेश मंत्री सरोज प्रजापति, डॉ. राजाराम प्रजापति रहे। कार्यक्रम में आगन्तुक अतिथियों का माला साफा पहनाकर एवं स्मृति चिह्न देकर स्वागत अभिनन्दन किया। वहीं कार्यक्रम के दौरान प्रजापति समाज की उभरती प्रतिभाशाली प्रतिभाओं एवं बोर्ड परीक्षाओं में श्रेष्ठ अंक प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को प्रशस्ति पत्र और स्मृति चिह्न देकर सम्मानित किया गया। मुख्य अतिथि के रूप में माटीकला बोर्ड अध्यक्ष प्रहलाद टांक ने समाज की एकता व सामाजिक दायित्वों के निर्वहन को लेकर कार्य करने की अपील की।

चार साल बाद मालपुरा में 521 कांवड़ियों ने कावड़ यात्रा निकाली

■ पांच हजार से अधिक शिवभक्तों के साथ केबिनेट मंत्री कन्हैयालाल ने कांवड़ियों का पुष्प वर्षा से किया स्वागत

मालपुरा, (निसं)। मालपुरा में चार साल से प्रतिबंधित परम्परागत मार्ग से मिली प्रशासनिक स्वीकृति के बाद शिव कांवड़ यात्रा समिति ने प्रशासन की सभी शर्तो का पालन करते हुये 521 रजिस्टर्ड कांवड़ियों के साथ कावड़ यात्रा निकाली। परम्परागत मार्ग दूदू-छाण स्टेट हाईवे से एक हजार से अधिक पुलिस अधिकारी व जवानों सहित एसटीएफ कमाण्डो की कड़ी पुलिस सुरक्षा में कांवड़ यात्रा निकाल केदारनाथ मंदिर में बिसलपुर से लाई पवित्र कांवड़ के जल से बाबा केदारनाथ का जलाभिषेक किया।

केबिनेट मंत्री कन्हैयालाल चौधरी ने पांच हजार से अधिक शिव भक्तों के साथ कांवड़ यात्रियों पर पुष्प वर्षा कर जोरदार स्वागत करते हुये वंदे मातरम जय श्री राम व बाबा भोलेनाथ के जयकारे लगा कांवड़ यात्रा में शामिल हुये। कांवड़ यात्रा में 71 किलो की कांवड़ मुख्य आकर्षण का केन्द्र रही। यात्रा संयोजक विकास शर्मा व विनोद साहु ने कांवड़ियों की सुरक्षा व क्षेत्र में शांति व्यवस्था कायम करते हुये कडी पुलिस सुरक्षा में कांवड़ यात्रा निकलने पर मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा व केबिनेट मंत्री कन्हैयालाल चौधरी का आभार जताया। 11 अगस्त को बिसलपुर गोकर्णेश्वर महादेव से पवित्र कांवड़ लेकर मालपुरा के लिये निकले कांवड़ियों का टोडारायसिंह, मोर, टोरडी, अम्बापुरा से होते हुये सोमवार को मालपुरा की सीमा में पहुंचने पर टोडा रोड आरएसी लाईन के पास कड़ी पुलिस सुरक्षा में रजिस्टर्ड कांवड़ियों को तीन किलोमीटर लम्बे बनाये कांवड़ कोरीडोर में प्रवेश दिया गया तो शेष मौजूद भारी भीड़ को वहीं रोक दिया गया। भगवान शिव के भजनों पर नाचते-गाते कांवडियों का रैला ट्रक स्टेण्ड पहुंचा तो चौराहे पर मौजूद हजारों लोगों की भीड़ ने कांवड़ियों पर पुष्प वर्षा कर जयघोष लगाये। ट्रक स्टेण्ड से केबिनेट मंत्री कन्हैयालाल चौधरी कांवड़ियों के साथ पैदल चलकर केदारनाथ मंदिर पहुंचे। सुभाष सर्किल पर पालिका अध्यक्ष सोनिया मनीष सोनी व पार्षदों सहित बड़ी संख्या में मौजूद महिलाओं ने कांवड़ियों पर गुलाब जल की फुहार व पुष्प वर्षा की। चार साल बाद शहर की सड़कों से गुजरी कांवड़ यात्रा में लहराये गये भगवा ध्वज व गूंजे जय श्री राम के नारों से समुचा शहर गुंजायमान हो गया।

नशा मुक्ति की शपथ दिलाई

कोटपूतली, (निसं)। भारत सरकार के सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग द्वारा पूरे भारत में एक साथ नशे के खिलाफ शपथ ग्रहण कार्यक्रम के क्रम में सोमवार को जिला प्रशासन की ओर से राजकीय सरदार उच्च माध्यमिक विद्यालय कोटपुतली में नशे के खिलाफ शपथ ग्रहण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग के सहायक निदेशक रमेश दहमीवाल ने जानकारी देते हुए बताया कि कार्यक्रम में विद्यार्थियों को नशा मुक्ति एवं हर घर तिरंगा कार्यक्रम की शपथ दिलाई। एडीएम योगेश कुमार डागुर ने युवाओं को नशा मुक्त रहने के लिए शपथ के बारे में बताते हुए कहा कि युवा किसी भी राष्ट्र की ऊर्जा होते हैं। युवाओं की शक्ति समाज एवं देश के विकास के महत्वपूर्ण योगदान है। इसलिए हम सब मिलकर अपने जिले को, अपने राज्य को नशा मुक्त बनाने का दृढ निश्चय करें और प्रतिज्ञा लें कि हम अपने देश को नशा मुक्त करने के लिए अपनी क्षमता अनुसार हर संभव प्रयास करेंगे।

कलेक्टर ने विभिन्न गांवों का दौरा कर जल भराव की स्थिति देखी

खैरथल, (निसं)। जिला कलेक्टर डॉ आर्तिका शुक्ला ने किशनगढबास व खैरथल सहित आसपास के गांवों का दौरा कर अति वृष्टि से प्रभावित क्षेत्रों का अवलोकन किया।

इस दौरान उन्होने अधिकारियों को जल भराव की स्थिति से निपटने के लिए आवश्यक दिशा निर्देश देते हुए आमजन को बिजली के पोलों से दूर रहने व नदी तालाब जोहड आदि क्षेत्रों पर निगरानी रखने व लोगों को ऐसे स्थानों पर पिकनिक आदि मनाने से रोके जाने के लिए लोगों को जागरूक करने के लिए निर्देश दिए हैं। जिला कलेक्टर डॉ अर्तिका शुक्ला ने अधिकारियों के साथ खैरथल शहर के जल भराव वाले इलाकों व हुसैनपुर, रेलवे फाटक 92 एवं किशनगढबास रोड स्थित नाले का दौरा किया। उन्होंने नगर परिषद आयुक्त को नाले की सफाई व किशनगढबास रोड पर हो रहे जल भराव के लिए जल निकासी व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने के निर्देश दिए तथा वर्षा ऋतु के कारण क्षतिग्रस्त इस्माइलपुर रोड के मरम्मत हेतु प्रस्ताव भेजने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान कलेक्टर ने अधिकारियों को निर्देशित किया।जिला कलेक्टर ने ग्राम पंचायत जिलोता के गांव श्यामाका स्थित आदर्श अमृत सरोवर का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने अमृत सरोवर पर सावधानी साइन बोर्ड लगाने के अधिकारियों को निर्देश दिए ताकि जनहानि जैसी कोई घटना घटित ना हो। इस दौरान जिला कलेक्टर ने आमजन से जलभराव को देखते हुए अपील की है कि नदी, नालों, पोखरों एवं नहरों के आस-पास भ्रमण करने व नहाने नहीं जाये एवं विशेष कर बच्चों को भी नहीं जाने दें। कलेक्टर ने अधिकारियों को भी निर्देशित करते हुए कहा है कि वर्षा ऋतु को मध्य नजर रखते हुए लोगों को बिजली के पोलों से दूर रहने एवं वर्षा के दौरान नदी, तालाब, जोहड पर जाकर पिकनिक नहीं मनाए इसके लिए सावधानी बढ़ाते हुए रोकने का प्रयास करें। साथ ही वर्षा के कारण कोई अनहोनी या समस्या उत्पन्न होने पर जिला बाढ़ नियंत्रण कक्ष टेलीफोन नंबर 01460298205 पर शिकायत दर्ज कराने के लिए लोगों को जागरूक करने के लिए कहा।इस दौरान उपखंड अधिकारी किशनगढबास मूलचंद लूणिया, आयुक्त नगर परिषद श्याम बिहारी गोयल, अधीक्षण अभियंता सार्वजनिक निर्माण विभाग भूरी सिंह, कनिष्क अभियंता मोतीलाल वर्मा आदि मौजूद रहे।

इंदिरा कॉलोनी में जमा बारिश के पानी की निकासी की मांग

■ बीआर अंबेडकर चेतना समिति ने विधायक से लगाई गुहार

सांभरझील, (निसं)। रेलवे स्टेशन के पीछे स्थित इंदिरा कॉलोनी में जमा हुई बारिश की पानी की निकासी की मांग को लेकर बीआर अंबेडकर चेतना समिति व वाल्मीकि समाज के लोगों ने विधायक विद्याधर चौधरी से मिलकर समस्या के स्थाई हल करवाने की गुहार लगाई है।

जानकारी अनुसार यहां पर 50 से अधिक परिवार दलित, पिछडे और गरीब वर्ग के हैं। बताया जा रहा है कि जिस जगह यह कॉलोनी बसी हुई है वह मुख्य सडक मार्ग से काफी नीचे है, यानी एक प्रकार से डूब क्षेत्र जैसे हालात है। हर वर्ष बारिश का पानी यहां पर घरों के सामने और शिव मंदिर तक करीब 4 से 5 फीट तक जमा हो जाता है। इस पानी की निकासी के लिए ऐसा कोई प्रोजेक्ट नगर पालिका आज तक स्थापित नहीं कर पाई है जिससे बारिश का पानी बडे नाले के जरिए झील क्षेत्र की ओर ले जाया जा सके। बारिश का सीजन खत्म होने के बाद भी करीब 1 महीने तक पानी रास्तों और घरों के आगे जमा रहता है। बारिश का पानी लगातार मकान की नींव को कमजोर कर चुका है और कई मकानों में दरारें तक आ गई है। मकान में सीलन की वजह से अंदर से दीवारें झडना शुरू हो गई है। लगातार बारिश की वजह से अब लोगों में भय का माहौल है। विधायक विद्याधर चौधरी ने चेतना समिति के लोगों को आश्वस्त किया है की वे मौका निरीक्षण कर समस्या का हल करवाने का पूरा प्रयास करेंगे।

तांबे के तारो की चोरी का खुलासा, तीन आरोपी गिरफ्तार

मनोहरपुर, (निसं)। थाना पुलिस ने सोमवार को दुकान का शटर तोडकर ताम्बे के तारो की चोरी का खुलासा करते हुए तीन जनों को गिरफ्तार कर एक गाडी को जप्त किया गया है।

इस दौरान जिला पुलिस अधीक्षक जयपुर ग्रामीण शांतनु कुमार सिंह ने जानकारी देते हुए बताया कि महानिरीक्षक पुलिस जयपुर रेंज जयपुर अनिल कुमार टांक द्वारा चलाये जा रहे वांछित/फरार अपराधियों की गिरफ्तारी हेतु विशेष अभियान के तहत थाना प्रभारी राजेन्द्र कुमार के नेतृत्व में निम्न कार्यवाही की गई।

पुलिस ने बताया की दिनांक 11 अगस्त 2024 को गस्त के दौरान सकडी पुलिया के पास मनोहरपुर पर एक स्लेटिया रंग की संदिग्ध वैगनार कार खडी थी जिसमे 3 लडके सवार होने पर उनसे पूछताछ की तो संतोषप्रद जवाब नहीं दिया तथा कार की तलाशी ली गई तो कार की डिग्गी में सफेद कट्टों में पुराने व नये तांबे के तार मिले जिनके बारे में कार में बैठे हुए व्यक्तियों से पूछा गया तो कोई संतोषप्रद जवाब नहीं देने पर सामान चोरी का प्रतीत होने पर गाडी चालक दिलीप उर्फ राजेश पुत्र करतार सिंह बावरिया जाति बावरिया उम्र 45 साल निवासी भखतल की चौकी हाल ज्योतिनगर हनुमान मंदिर चौक के पास थाना एनईबी जिला अलवर, गौरव बावरिया पुत्र प्रितम बावरिया जाति बावरिया उम्र 23 साल निवासी नगर तहसिल गुहाना थाना गुहाना जिला सोनीपत (हरियाणा) तथा बलवीर उर्फ बल्लु पुत्र करतार सिंह जाति बावरिया उम्र 55 साल निवासी भखतल की चौकी थाना एमआईए जिला अलवर का कृत्य धारा 128/170 का पाये जाने पर जरिए फर्द गिरफ्तार किया गया व कार वैगनार को व ताम्बा 108 किलोग्राम को जप्त किया गया। थाने पर पूछताछ की तो बताया कि उन्होंने थाना सोडाला जयपुर में दुकान का शटर तोडकर ताम्बे के तार चोरी कर लाये है। जिस पर ताम्बा चोरी की सूचना सोडाला थाना को दी जाकर उक्त गैर सालयान को पेश कर पुलिस थाना सोडाला को सुपुर्द किया गया।

पुलिस ने आरोपियों से चोरी का सामान मय गाडी को जब्त किया।

सफाई कर्मचारियों को रेनकोट बांटे

शाहपुरा, (निसं)। शहर के मुख्य बस स्टैंड पर झंडी प्रसाद पेट्रोल पंप पर शाहपुरा की प्रमुख सामाजिक संस्था शाहपुरा युवा विकास समिति के तत्वाधान में मंच के अध्यक्ष राजेश मंडोवरा के नेतृत्व में नगर पालिका के 21 सफाई कर्मचारियों को रेनकोट शिक्षा उपनिदेशक गेंदालाल रेगर के मुख्य अतिथि में वितरित किए गए। कार्यक्रम की अध्यक्षता नगर पालिका के पार्षद पुनीत कुमार भगेरिया ने की। कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि मंच के संरक्षक सांवरमल बीवाल, सेवानिवृत अध्यापक बंशीधर खटावलिया, वरिष्ठ उपाध्यक्ष राजेश पलसानिया, शाह समाज के अध्यक्ष सदरू शाह, मंच के महासचिव ओम प्रकाश सैनी थे। इस मौके पर पार्षद पुनीत कुमार भगेरिया के द्वारा रेनकोट वितरित किए गए। इस दौरान सभी कार्यकर्ताओं के द्वारा शिक्षा विभाग शाहपुरा सीबीईओ गेंदालाल रेगर को शिक्षा विभाग में उप निदेशक पद पर पदोन्नित होने पर माला, साफा, सरस्वती माता की मूर्ति व मिठाई खिलाकर खुशी जाहिर की।

छायादार वृक्ष लगाए

चौमूं/कालाडेरा, (निसं)। श्रावण मास के चतुर्थ सोमवार को कस्बे के कुछ युवा साथियों द्वारा सार्वजनिक स्थानों पर फलदार एवं छायादार वृक्ष लगाए गए। सरस्वती मंदिर के प्रांगण में जामुन और सीताफल के फलदार वृक्ष लगाए गए। और पंचमुखी हनुमान मंदिर के समीप नदी चौराहे पर पीपल, बरगद और गूलर के वृक्ष लगाए गए।

कार्यालय ग्राम पंचायत भगवतगढ पंचायत समिति चौथा का बरवाडा जिला सवाई माधोपुर (राज.)

क्रमांक /ग्रा/प./2024-25 /04 दिनांक -5.8.24

ई-निविदा सूचना संख्या-01/2024-25

ग्राम पंचायत भगवतगढ में वित्तीय वर्ष 2024-25 में स्वीकृत निर्माण कार्यों हेतु आनुसांगिक सामग्री आपूर्ति / निर्माण उपकरण/निर्माण मशीनरी सेवाओ इत्यादि हेतु निर्धारित प्रपत्र में ई-प्रोक्योरमेन्ट पद्धित से निविदाएं आमंत्रित की जाती है। निविदा से संबंधित विस्तृत विवरण वेबसाइट http://sppp.rajasthan.gov.in, www.eproc.rajasthan.gov.in पर देखा जा सकता है।

NIB No.-ZSM2425A0177

UBN No. ZSM2425WS0B00226

सरपंच ग्राम पंचायत भगवतगढ (स.मा.) — ग्राम विकास अधिकारी ग्राम विकास भगवतगढ (स.मा.)

कार्यालय ग्राम पंचायत टापुर पंचायत समिति चौथ का बरवाडा जिला सवाई माधोपुर (राज.)

क्रमांक/ग्रा.प./2024-25/35 दिनांक- 12.8.2024

ई-निविदा सूचना संख्या-01/2024-25

ग्राम पंचायत टापुर में वित्तीय वर्ष 2024-25 में स्वीकृत निर्माण कार्यों हेतु आनुसांगिक सामग्री आपूर्ति / निर्माण उपकरण/निर्माण मशीनरी सेवाओ इत्यादि हेतु निर्धारित प्रपत्र में ई-प्रोक्योरमेन्ट पद्धित से निविदाएं आमंत्रित की जाती है। निविदा से संबंधित विस्तृत विवरण वेबसाइट http://sppp.rajasthan.gov.in, www.eproc.rajasthan.gov.in पर देखा जा सकता है।

NIB No. ZSM2425A0175

UBN No. ZSM2425WSOB00224

सरपंच ग्राम पंचायत टापुर पं.स.चौथ का बरवाडा (स.मा.) — ग्राम विकास अधिकारी ग्राम पंचायत टापुर पं.स.चौथ का बरवाडा (स.मा.)

कार्यालय ग्राम पंचायत पांवडेरा पंचायत समिति चौथ का बरवाडा जिला सवाई माधोपुर (राज.)

क्रमांक/ग्रा.प./2024-25/31 दिनांक- 7.8.2024

ई-निविदा सूचना संख्या-01/2024-25

ग्राम पंचायत पांवडेरा में वित्तीय वर्ष 2024-25 में स्वीकृत निर्माण कार्यों हेतु आनुसांगिक सामग्री आपूर्ति / निर्माण उपकरण/निर्माण मशीनरी सेवाओ इत्यादि हेतु निर्धारित प्रपत्र में ई-प्रोक्योरमेन्ट पद्धित से निविदाएं आमंत्रित की जाती है। निविदा से संबंधित विस्तृत विवरण वेबसाइट http://sppp.rajasthan.gov.in, www.eproc.rajasthan.gov.in पर देखा जा सकता है।

NIB No. ZSM24250174

UBN No. ZSM2425WSOB00223

सरपंच ग्राम पंचायत पांवडेरा पं.स.चौथ का बरवाडा (स.मा.) — ग्राम विकास अधिकारी ग्राम पंचायत पांवडेरा पं.स.चौथ का बरवाडा (स.मा.)

कार्यालय ग्राम पंचायत डेकवा पंचायत समिति चौथ का बरवाडा जिला सवाई माधोपुर (राज.)

क्रमांक/ग्रा.प./2024-25/44 दिनांक- 12.8.2024

ई-निविदा सूचना संख्या-01/2024-25

ग्राम पंचायत डेकवा में वित्तीय वर्ष 2024-25 में स्वीकृत निर्माण कार्यों हेतु आनुसांगिक सामग्री आपूर्ति / निर्माण उपकरण/निर्माण मशीनरी सेवाओ इत्यादि हेतु निर्धारित प्रपत्र में ई-प्रोक्योरमेन्ट पद्धित से निविदाएं आमंत्रित की जाती है। निविदा से संबंधित विस्तृत विवरण वेबसाइट http://sppp.rajasthan.gov.in, www.eproc.rajasthan.gov.in पर देखा जा सकता है।

NIB No. ZSM2425A0176

UBN No. ZSM2425WSOB00225

सरपंच ग्राम पंचायत डेकवा पं.स.चौथ का बरवाडा (स.मा.) — ग्राम विकास अधिकारी ग्राम पंचायत डेकवा पं.स.चौथ का बरवाडा (स.मा.)

नगर निगम ग्रेटर जयपुर

सेक्टर-9 गोखले मार्ग, शिप्रा पथ रोड मानसरोवर जयपुर

क्रमांक :- जसअ/2024-25/93 दिनांक: 08.08.2024

ई-निविदा सूचना सं. अधि0 अभि0 (मानसरोवर) -12/2024-25

केन्द्र एवं राज्य सरकार के सभी विभागों में पंजीकृत "AA" "A" श्रेणी के ठेकेदारों एवं नगर निगम जयपुर के पंजीकृत निविदादाताओं से बिड अधि0 अभि0 (मानसरोवर जोन) से सम्बन्धित विकास कार्य की निविदा आमंत्रित की जाती है। कार्य की अनुमानित लागत, टेण्डर बेचे जाने तथा प्राप्त करने की तारीख, टेण्डर शर्त आदि सम्पूर्ण विवरण नगर निगम जयपुर की वेबसाईट www.jaipurmc.org.com व http://sppp.raj.nic.in & eproc.rajasthan.gov.in पर देखी जा सकती है। जिसका sppp पोर्टल यू.बी.ई.एन. नं. JMC2425WSOB00430 है। उक्त निविदा को http://sppp.raj.nic.in पर दिनांक 07.08.2024 को अपलोड करवा दिया जायेगा।

अधिशाषी अभियन्ता मानसरोवर जोन नगर निगम जयपुर ग्रेटर

राज.संवाद/सी/24/3588

नगर निगम ग्रेटर जयपुर

(नन्दपुरी रेल्वे अण्डरपास के पास, जगतपुरा, जयपुर)

क्रमांक :- जसअ/2024-25/89 दिनांक: 08.08.2024

ई-निविदा सूचना संख्या - 12/2024-25

केन्द्र एवं राज्य सरकार के सभी विभागों में पंजीकृत उपयुक्त श्रेणी के ठेकेदारों एवं नगर निगम ग्रेटर, जयपुर के पंजीकृत निविदाताओं से अधिशाषी अभियन्ता जगतपुरा जोन से संबंधित विकास कार्यो हेतु निविदाए आमंत्रित की जाती है। कार्यो की अनुमानित लागत टेण्डर बेचे जाने तथा प्राप्त करने की तारीख टेण्डर शर्त आदि सम्पूर्ण विवरण नगर निगम ग्रेटर, जयपुर की वेबसाईट www.jaipurmc.org.com व राजस्थान सरकार के पोर्टल http://sppp.raj.nic.in तथा http://eproc.rajasthan.gov.in पर देखी व ड़ाउनलोड़ की जा सकती है। उक्त निविदाओं को (sppp.rajasthan.gov.in) पोर्टल पर अपलोड करवा दिया गया है। (UBN NO. -JMC2425WS0B00435)

अधिशाषी अभियन्ता जगतपुरा जोन नगर निगम ग्रेटर, जयपुर

राज.संवाद/सी/24/3589

प्रारूप-10 { नियम6 (7) देखिए }

प्राधिकृत अधिकारी कार्यालय, नगरपालिका मण्डल, सांभर लेक

क्रमांक :- नपासा / 2024 / 715 दिनांक : 08.08.2024

लोक सूचना

केशव अरोडा पुत्र श्री सोहन लाल असीझा जाति पंजाबी निवासी 03 हंस वाटिका, विद्याधर नगर जयपुर जिला जयपुर (राज.) 2. गोविन्द सिंह पुत्र श्री भीम सिंह जाति जाट निवासी 23, डेजर्ट कॉलोनी आर.पी.ए. मार्ग पानीपेच जयपुर जिला जयपुर 3. रामजीवण जाट पुत्र श्री गंगाराम जाट जाति जाट निवासी ग्राम हबसपुरा तहसील फुलेरा जिला जयपुर राजस्थान ने इस कार्यालय में नीचे उल्लेखित भूमि का गैर कृषिक प्रयोजनो के लिये भू उपयोग परिवर्तन हेतु ऐसी भूमि के अपने अभिधृति अधिकारों के निर्वापन के लिए आवेदन प्रस्तुत किया है अर्थात:-

क्र. सं.	जिले का नाम	ग्राम का नाम	खसरा नम्बर	रकबा	चाहा गया उपयोग
1.	जयपुर	राजस्व ग्राम बरडोती सांभर लेक	2596, 2598, 2599, 2600, 2602	खसरा नं. 2596, 2598, 2599, 2600, 2602 रकबा क्रमशः 0.3161, 0.2150, 0.0506, 0.0126, 0.4552 हैक्टेयर कुल किता 05 कुल रकबा 1.0495 हैक्टेयर	खसरा नं. 2596, 2598 2599, 2600, 2602 रकबा क्रमशः 0.3161, 0.2150, 0.0506, 0.0126, 0.4552 हैक्टेयर कुल किता 05 कुल रकबा 1.0495 हैक्टेयर भूमि को आवासीय/व्यावसायिक में रुपान्तरण हेतु।

इसलिए, इसके द्वारा समस्त संबंधित व्यक्तियों को सूचित किया जाता है कि यदि किसी व्यक्ति को राजस्थान भू-राजस्व अधिनियम 1956 की धारा 90- क और राजस्थान अभिधृति अधिनियम, 1955 की धारा 63 के अधीन पूर्वोक्त प्रयोजनों के लिए भूमि के उपयोगार्थ (आवासीय/ व्यावसायिक भू-रुपान्तरण) हेतु अनुज्ञा प्रदान करने और अभिधति अधिकारों के निर्वापन पर कोई आक्षेप है, तो वह इस नोटिस के प्रकाशन के 7 दिन के भीतर-भीतर किसी कार्य दिवस पर कार्यालय समय के दौरान अधोहस्ताक्षरकर्ता के समक्ष समर्थक दस्तावेजों के साथ अपने प्रस्तुत कर सकेगा। उपर्युक्त नियत समय के भीतर-भीतर किसी आक्षेप के अभाव में यह समझा जायेगा कि किसी को आक्षेप नहीं है और तद्नुसार मामले का निपटारा किया जायेगा।

यह सूचना मेरे हस्ताक्षर और मुहर के अधीन आज 08/08/24 को जारी की गयी।

प्राधिकृत अधिकारी नगरपालिका मण्डल सांभर लेक

कार्यालय ग्राम पंचायत केशवानाराजपूत पंचायत समिति कोटपूतली

क्रमांक:-ग्रा.प.के./ई-टेण्डर/2024-25/128 दिनांक:-12.08.2024

ई-निविदा सूचना 01/2024-25

पंचायत समिति कोटपूतली की ग्राम पंचायत केशवानाराजपूत में नरेगा योजना के विकास कार्यो के लिए निर्माण सामग्री आपूर्ति हेतु ग्राम पंचायत स्तर पर इच्छुक वस्तु एवं सेवा कर अधिनियम 2017 के अन्तर्गत पंजीकृत फर्मो/संवेदकों से दिनांक 31.03.2025 तक के लिए निर्माण सामग्री आपूर्ति, दर अनुबन्ध हेतु निर्धारित प्रपत्र में ई-प्रोक्युरमेंट प्राक्रिया से वेबसाईटस www.eproc.rajasthan.gov.in पर ऑन लाईन निविदाएं आमंत्रित की जाती है।

विस्तृत जानकारी www.sppp.rajasthan.gov.in व www.eproc.rajasthan.gov.in पर देखी व डाउनलोड कर प्राप्त की जा सकती है।

NIB NO. PFE2425A0021

UBN NO. PFE2425GLRC00050

अनिता सरपंच ग्राम पंचायत केशवानाराजपूत

कार्यालय ग्राम पंचायत कल्याणपुराकलां पंचायत समिति कोटपूतली

क्रमांक:-ग्रा.प.क./ई-टेण्डर/2024-25/85 दिनांक:-12.08.2024

ई-निविदा सूचना 01/2024-25

पंचायत समिति कोटपूतली की ग्राम पंचायत कल्याणपुराकलां में नरेगा योजना के विकास कार्यो के लिए निर्माण सामग्री आपूर्ति हेतु ग्राम पंचायत स्तर पर इच्छुक वस्तु एवं सेवा कर अधिनियम 2017 के अन्तर्गत पंजीकृत फर्मो/संवेदकों से दिनांक 31.03.2025 तक के लिए निर्माण सामग्री आपूर्ति, दर अनुबन्ध हेतु निर्धारित प्रपत्र में ई-प्रोक्युरमेंट प्राक्रिया से वेबसाईटस www.eproc.rajasthan.gov.in पर ऑन लाईन निविदाएं आमंत्रित की जाती है।

विस्तृत जानकारी www.spp.rajasthan.gov.in व www.eproc.rajasthan.gov.in पर देखी व डाउनलोड कर प्राप्त की जा सकती है।

NIB NO. PFE2425A0019

UBN NO. PFE2425GLRC00048

मीरा देवी ग्राम पंचायत कल्याणपुराकलां पंचायत समिति कोटपूतली जयपुर (राज.)

कार्यालय कोटा विकास प्राधिकरण, कोटा

CAD सर्किल के पास कोटा फोन नं. 0744-2500539,
वेबसाइट-https://lsg.rajasthan.gov.in/uitkota/#home/dpthome
Udhonline.rajasthan.gov.in (Helpline for online support-01412560211)

एफ 11/नीलामी/2024/1617 दिनांक 12.08.2024

ई-आक्शन के माध्यम से भूखण्ड खरीदने का अवसर

प्राधिकरण कोटा में S.S.O. आईडी के माध्यम से भूखण्डों/आवासों का ई-ऑक्शन प्रारम्भ किया जा रहा है। ई-ऑक्शन में भाग लेने के लिए S.S.O आईडी के माध्यम से लॉगइन करना होगा। ई-ऑक्शन में भाग लेने हेतु पंजीयन शुल्क/ईएमडी ऑनलाईन जमा करवाना होगा। नीलामी की विस्तृत शर्ते कोटा विकास प्राधिकरण की वेबसाईट https://lsg.rajasthan.gov.in/uitkota/#home/dpthome पर देखी जा सकती है।

ई-नीलामी से क्रय किये गये भूखंडों की 15 प्रतिशत राशि नीलामी तिथि को सम्मिलिति करते हुए 3 कार्य दिवसों में जमा होने व नहीं होने की समस्त जिम्मेदारी स्वयं क्रेता की ही होगी।

नोट-सभी नीलामी कार्यक्रम प्रारम्भ होने का समय प्रात: 10.00 बजे एवं समाप्ति समय प्रात: 11.00 बजे रहेगा।

दैनिक नीलामी कार्यक्रम का विवरण

क्रसं	योजना का नाम	भूखण्ड संख्या	भूखण्ड की साईज	आरक्षित दर (नगरीय कर की गणना हेतु) प्र.व.मी.	प्रारम्भिक दर प्र.व.फी./ प्र.व.मी.	धरोहर राशि (EMD)	सम्बन्धित कनि. अभियन्ता एवं सहायक अभियंता का मोबाईल नम्बर
1	2	3	4	6	7	8	9
ई-ऑक्शन की प्रारम्भ तिथि 21.08.2024 ई-ऑक्शन की सामप्ति तिथि 23.08.2024							
1.	आरोग्य नगर आवासीय कम व्यावसायिक योजना	CR-01 Corner	6.70+5/2×9=52.65 व.मी.=566.51 व.फी.	7500/- प्र.व.मी.	11000/- प्र.व.फी.	125000/-	श्री प्रदीप असवाल 9571619111 श्रीमती नीलम व्यास 9587250588
2.	चाणक्यपुरी आवासीय योजना	47 कॉर्नर	7.5×15=112.5 व.मी. =1210.5 व.फी.	6000/- प्र.व.मी.	3520/- प्र.व.फी.	85500/-	श्री प्रदीप असवाल 9571619111 श्रीमती नीलम व्यास 9587250588
3.	विनोबा भावे नगर आवासीय योजना	1239 Corner	5.50×9=49.5 व.मी.=532.62 व.फी.	7500/- प्र.व.मी.	4400/- प्र.व.फी.	47000/-	श्री प्रदीप असवाल 9571619111 श्रीमती नीलम व्यास 9587250588
ई-ऑक्शन की प्रारम्भ तिथि 22.08.2024 ई-ऑक्शन की सामप्ति तिथि 26.08.2024							
4.	आरोग्य नगर आवासीय कम व्यावसायिक योजना	CR-50 Corner	5+6.50/2×9=51.75 व.मी.=556.83 व.फी.	7500/- प्र.व.मी.	11000/- प्र.व.फी.	123000/-	श्री प्रदीप असवाल 9571619111 श्रीमती नीलम व्यास 9587250588
5.	चाणक्यपुरी आवासीय योजना	118-ए	9×19.50=175.5 व.मी. =1888.38 व.फी.	6000/- प्र.व.मी.	3200/- प्र.व.फी.	121000/-	श्री प्रदीप असवाल 9571619111 श्रीमती नीलम व्यास 9587250588
6.	मुकुन्दरा विहार में व्यावसायिक योजना	5	30×28.65=859.5 व.मी.	10000/- प्र.व.मी.	18000/- प्र.व.मी.	310000/-	श्री प्रदीप असवाल 9571619111 श्रीमती नीलम व्यास 9587250588
ई-ऑक्शन की प्रारम्भ तिथि 23.08.2024 ई-ऑक्शन की सामप्ति तिथि 28.08.2024							
7.	आरोग्य नगर आवासीय कम व्यावसायिक योजना	CR-09 Corner	4.90+10.30/2×9= 68.40 व.मी.=735.98 व.फी.	7500/- प्र.व.मी.	11000/- प्र.व.फी.	162000/-	श्री प्रदीप असवाल 9571619111 श्रीमती नीलम व्यास 9587250588
8.	मुकुन्दरा विहार में व्यावसायिक योजना	7	30×28.65=859.5 व.मी.	10000/- प्र.व.मी.	18000/- प्र.व.मी.	310000/-	श्री प्रदीप असवाल 9571619111 श्रीमती नीलम व्यास 9587250588
9.	चाणक्यपुरी आवासीय योजना	225	12×21=252 व.मी. =2711.52 व.फी.	6000/- प्र.व.मी.	3200/- प्र.व.फी.	174000/-	श्री प्रदीप असवाल 9571619111 श्रीमती नीलम व्यास 9587250588
ई-ऑक्शन की प्रारम्भ तिथि 26.08.2024 ई-ऑक्शन की सामप्ति तिथि 29.08.2024							
10.	आरोग्य नगर आवासीय कम व्यावसायिक योजना	CR-51 Corner	3.5+7.05/2×9=47.47 व.मी.=510.77 व.फी.	7500/- प्र.व.मी.	11000/- प्र.व.फी.	112500/-	श्री प्रदीप असवाल 9571619111 श्रीमती नीलम व्यास 9587250588
11.	मुकुन्दरा विहार में व्यावसायिक योजना	8	30×28.65=859.5 व.मी.	10000/- प्र.व.मी.	18000/- प्र.व.मी.	276000/-	श्री प्रदीप असवाल 9571619111 श्रीमती नीलम व्यास 9587250588
12.	चाणक्यपुरी आवासीय योजना	227	12×21=252 व.मी. =2711.52 व.फी.	6000/- प्र.व.मी.	3200/- प्र.व.फी.	174000/-	श्री प्रदीप असवाल 9571619111 श्रीमती नीलम व्यास 9587250588
ई-ऑक्शन की प्रारम्भ तिथि 28.08.2024 ई-ऑक्शन की सामप्ति तिथि 30.08.2024							
13.	आरोग्य नगर आवासीय कम व्यावसायिक योजना	CR-67 Corner	10.55+6.60/2×4.5= 43.53 व.मी. =468.36व.फी.	7500/- प्र.व.मी.	11000/- प्र.व.फी.	103500/-	श्री प्रदीप असवाल 9571619111 श्रीमती नीलम व्यास 9587250588
14.	मुकुन्दरा विहार में व्यावसायिक योजना	12	30×28.65=859.5 व.मी.	10000/- प्र.व.मी.	18000/- प्र.व.मी.	276000/-	श्री प्रदीप असवाल 9571619111 श्रीमती नीलम व्यास 9587250588
15.	चाणक्यपुरी आवासीय योजना	228	12×21=252 व.मी. =2711.52 व.फी.	6000/- प्र.व.मी.	3200/- प्र.व.फी.	174000/-	श्री प्रदीप असवाल 9571619111 श्रीमती नीलम व्यास 9587250588
ई-ऑक्शन की प्रारम्भ तिथि 29.08.2024 ई-ऑक्शन की सामप्ति तिथि 02.09.2024							
16.	आरोग्य नगर आवासीय कम व्यावसायिक योजना	CR-11 Corner	7.70+10/2×4.5=39.82व.मी.=428.46 व.फी.	7500/- प्र.व.मी.	11000/- प्र.व.फी.	94500/-	श्री प्रदीप असवाल 9571619111 श्रीमती नीलम व्यास 9587250588
17.	मुकुन्दरा विहार में व्यावसायिक योजना	23	30×28.65=859.5 व.मी.	10000/- प्र.व.मी.	18000/- प्र.व.मी.	310000/-	श्री प्रदीप असवाल 9571619111 श्रीमती नीलम व्यास 9587250588
18.	चाणक्यपुरी आवासीय योजना	229	12×21=252 व.मी. =2711.52 व.फी.	6000/- प्र.व.मी.	3200/- प्र.व.फी.	174000/-	श्री प्रदीप असवाल 9571619111 श्रीमती नीलम व्यास 9587250588
ई-ऑक्शन की प्रारम्भ तिथि 30.08.2024 ई-ऑक्शन की सामप्ति तिथि 03.09.2024							
19.	आरोग्य नगर आवासीय कम व्यावसायिक योजना	CR-19 Corner	5+6.70/2×9=52.65 व.मी.=566.51 व.फी.	7500/- प्र.व.मी.	11000/- प्र.व.फी.	125000/-	श्री प्रदीप असवाल 9571619111 श्रीमती नीलम व्यास 9587250588
20.	मुकुन्दरा विहार में व्यावसायिक योजना	24	30×28.65=859.5 व.मी.	10000/- प्र.व.मी.	18000/- प्र.व.मी.	276000/-	श्री प्रदीप असवाल 9571619111 श्रीमती नीलम व्यास 9587250588
21.	चाणक्यपुरी आवासीय योजना	238 कॉर्नर	14.50×19.50=282.75 व.मी.=3042.39 व.फी.	6000/- प्र.व.मी.	3520/- प्र.व.फी.	214500/-	श्री प्रदीप असवाल 9571619111 श्रीमती नीलम व्यास 9587250588
ई-ऑक्शन की प्रारम्भ तिथि 02.09.2024 ई-ऑक्शन की सामप्ति तिथि 04.09.2024							
22.	आरोग्य नगर आवासीय कम व्यावसायिक योजना	CR-20 Corner	5+6.80/2×9=53.10 व.मी.=571.35 व.फी.	7500/- प्र.व.मी.	11000/- प्र.व.फी.	126000/-	श्री प्रदीप असवाल 9571619111 श्रीमती नीलम व्यास 9587250588
23.	चाणक्यपुरी आवासीय योजना	239 कॉर्नर	14.50×19.50=282.75 व.मी.=3042.39 व.फी.	6000/- प्र.व.मी.	3520/- प्र.व.फी.	214500/-	श्री प्रदीप असवाल 9571619111 श्रीमती नीलम व्यास 9587250588
24.	वीर सारवरकर योजना में व्यावसायिक भूखण्ड	26 Corner	3×3=9 व.मी =96.84 व.फी.	6000/- प्र.व.मी.	18500/- प्र.व.फी.	32000/-	सुश्री सोनम जैन 6378521569 श्री कुलदीप तंवर 9587406054
ई-ऑक्शन की प्रारम्भ तिथि 03.09.2024 ई-ऑक्शन की सामप्ति तिथि 05.09.2024							
25.	आरोग्य नगर आवासीय कम व्यावसायिक योजना	CR-24 Corner	3.30+12.70/2×9=72 व.मी.=774.72 व.फी.	7500/- प्र.व.मी.	11000/- प्र.व.फी.	170500/-	श्री प्रदीप असवाल 9571619111 श्रीमती नीलम व्यास 9587250588
26.	चाणक्यपुरी आवासीय योजना	242	9×19.50=175.5 व.मी. =1888.38 व.फी.	6000/- प्र.व.मी.	3200/- प्र.व.फी.	121000/-	श्री प्रदीप असवाल 9571619111 श्रीमती नीलम व्यास 9587250588
27.	चाणक्यपुरी आवासीय कम व्यावसायिक योजना	31-ए	7.5×15=112.5 व.मी. =1210.5 व.फी.	6000/- प्र.व.मी.	5000/- प्र.व.फी.	121500/-	श्री प्रदीप असवाल 9571619111 श्रीमती नीलम व्यास 9587250588
ई-ऑक्शन की प्रारम्भ तिथि 04.09.2024 ई-ऑक्शन की सामप्ति तिथि 06.09.2024							
28.	आरोग्य नगर आवासीय कम व्यावसायिक योजना	CR-31 Corner	6.70+5/2×9=53.10व.मी.=566.51 व.फी.	7500/- प्र.व.मी.	11000/- प्र.व.फी.	125000/-	श्री प्रदीप असवाल 9571619111 श्रीमती नीलम व्यास 9587250588
29.	चाणक्यपुरी आवासीय योजना	245	9×19.50=175.5 व.मी. =1888.38 व.फी.	6000/- प्र.व.मी.	3200/- प्र.व.फी.	121000/-	श्री प्रदीप असवाल 9571619111 श्रीमती नीलम व्यास 9587250588
30.	चाणक्यपुरी आवासीय कम व्यावसायिक योजना	62-ए	7.5×15=112.5 व.मी. =1210.5 व.फी.	6000/- प्र.व.मी.	5000/- प्र.व.फी.	121500/-	श्री प्रदीप असवाल 9571619111 श्रीमती नीलम व्यास 9587250588
ई-ऑक्शन की प्रारम्भ तिथि 05.09.2024 ई-ऑक्शन की सामप्ति तिथि 09.09.2024							
31.	आरोग्य नगर आवासीय कम व्यावसायिक योजना	CR-32 Corner	5.80+10.60/2×4.5= 36.9 व.मी. =397.04 व.फी.	7500/- प्र.व.मी.	11000/- प्र.व.फी.	87500/-	श्री प्रदीप असवाल 9571619111 श्रीमती नीलम व्यास 9587250588
32.	चाणक्यपुरी आवासीय योजना	246	9×19.50=175.5 व.मी. =1888.38 व.फी.	6000/- प्र.व.मी.	3200/- प्र.व.फी.	121000/-	श्री प्रदीप असवाल 9571619111 श्रीमती नीलम व्यास 9587250588
33.	चाणक्यपुरी आवासीय कम व्यावसायिक योजना	48-ए	7.5×15=112.5 व.मी. =1210.5 व.फी.	6000/- प्र.व.मी.	5000/- प्र.व.फी.	121500/-	श्री प्रदीप असवाल 9571619111 श्रीमती नीलम व्यास 9587250588
ई-ऑक्शन की प्रारम्भ तिथि 06.09.2024 ई-ऑक्शन की सामप्ति तिथि 10.09.2024							
34.	आरोग्य नगर आवासीय कम व्यावसायिक योजना	CR-58 Corner	5+5.20/2×9=45.9 व.मी.=493.88 व.फी.	7500/- प्र.व.मी.	11000/- प्र.व.फी.	109000/-	श्री प्रदीप असवाल 9571619111 श्रीमती नीलम व्यास 9587250588
35.	चाणक्यपुरी आवासीय योजना	247	9×19.50=175.5 व.मी. =1888.38 व.फी.	6000/- प्र.व.मी.	3200/- प्र.व.फी.	121000/-	श्री प्रदीप असवाल 9571619111 श्रीमती नीलम व्यास 9587250588
36.	चाणक्यपुरी आवासीय कम व्यावसायिक योजना	49-ए	7.5×15=112.5 व.मी. =1210.5 व.फी.	6000/- प्र.व.मी.	5000/- प्र.व.फी.	121500/-	श्री प्रदीप असवाल 9571619111 श्रीमती नीलम व्यास 9587250588
ई-ऑक्शन की प्रारम्भ तिथि 09.09.2024 ई-ऑक्शन की सामप्ति तिथि 11.09.2024							
37.	आरोग्य नगर आवासीय कम व्यावसायिक योजना	CR-59 Corner	5.60+5.20/2×9=48.15 व.मी.=518.09 व.फी.	7500/- प्र.व.मी.	11000/- प्र.व.फी.	114000/-	श्री प्रदीप असवाल 9571619111 श्रीमती नीलम व्यास 9587250588
38.	श्रीरामकृष्णपुरम , श्रीनाथपुरम व्यावसायिक योजना	R-C-1	719 व.मी	6000/- प्र.व.मी.	75000/- प्र.व.मी.	1078500/-	श्री नितिन नागर 9251030303 श्री पंकज शर्मा 8824001175
39.	चाणक्यपुरी आवासीय योजना	248	9×19.50=175.5 व.मी. =1888.38 व.फी.	6000/- प्र.व.मी.	3200/- प्र.व.फी.	121000/-	श्री प्रदीप असवाल 9571619111 श्रीमती नीलम व्यास 9587250588
ई-ऑक्शन की प्रारम्भ तिथि 10.09.2024 ई-ऑक्शन की सामप्ति तिथि 12.09.2024							
40.	श्रीरामकृष्णपुरम , श्रीनाथपुरम व्यावसायिक योजना	R-C-2	895.50 व.मी	6000/- प्र.व.मी.	85000/- प्र.व.मी.	1182500/-	श्री नितिन नागर 9251030303 श्री पंकज शर्मा 8824001175
41.	चाणक्यपुरी आवासीय योजना	249	9×19.50=175.5 व.मी. =1888.38 व.फी.	6000/- प्र.व.मी.	3200/- प्र.व.फी.	121000/-	श्री प्रदीप असवाल 9571619111 श्रीमती नीलम व्यास 9587250588
42.	चाणक्यपुरी आवासीय कम व्यावसायिक योजना	81-ए	7.5×15=112.5 व.मी. =1210.5 व.फी.	6000/- प्र.व.मी.	5000/- प्र.व.फी.	121500/-	श्री प्रदीप असवाल 9571619111 श्रीमती नीलम व्यास 9587250588
ई-ऑक्शन की प्रारम्भ तिथि 18.09.2024 ई-ऑक्शन की सामप्ति तिथि 20.09.2024							
43.	चाणक्यपुरी आवासीय योजना	250	9×19.50=175.5 व.मी. =1888.38 व.फी.	6000/- प्र.व.मी.	3200/- प्र.व.फी.	121000/-	श्री प्रदीप असवाल 9571619111 श्रीमती नीलम व्यास 9587250588
44.	चाणक्यपुरी आवासीय कम व्यावसायिक योजना	65-ए	7.5×15=112.5 व.मी. =1210.5 व.फी.	6000/- प्र.व.मी.	5000/- प्र.व.फी.	121500/-	श्री प्रदीप असवाल 9571619111 श्रीमती नीलम व्यास 9587250588
45.	आरोग्य नगर आवासीय कम व्यावसायिक योजना	33-ए	7.5×15=112.5 व.मी. =1210.5 व.फी.	7500/- प्र.व.मी.	10000/- प्र.व.फी.	242500/-	श्री प्रदीप असवाल 9571619111 श्रीमती नीलम व्यास 9587250588
ई-ऑक्शन की प्रारम्भ तिथि 19.09.2024 ई-ऑक्शन की सामप्ति तिथि 23.09.2024							
46.	चाणक्यपुरी आवासीय कम व्यावसायिक योजना	2	7.5×15=112.5 व.मी. =1210.5 व.फी.	6000/- प्र.व.मी.	5000/- प्र.व.फी.	121500/-	श्री प्रदीप असवाल 9571619111 श्रीमती नीलम व्यास 9587250588
47.	चाणक्यपुरी आवासीय योजना	222	10.50×21=220.5 व.मी. =2372.58 व.फी.	6000/- प्र.व.मी.	3200/- प्र.व.फी.	152000/-	श्री प्रदीप असवाल 9571619111 श्रीमती नीलम व्यास 9587250588
48.	मुकुन्दरा विहार में आवासीय योजना योजना	440	12×21=252 व.मी. =2711.52 व.फी.	10000/- प्र.व.मी.	3000/- प्र.व.फी.	163000/-	श्री प्रदीप असवाल 9571619111 श्रीमती नीलम व्यास 9587250588
ई-ऑक्शन की प्रारम्भ तिथि 20.09.2024 ई-ऑक्शन की सामप्ति तिथि 24.09.2024							
49.	चाणक्यपुरी आवासीय कम व्यावसायिक योजना	4	7.5×15=112.5 व.मी. =1210.5 व.फी.	6000/- प्र.व.मी.	5000/- प्र.व.फी.	121500/-	श्री प्रदीप असवाल 9571619111 श्रीमती नीलम व्यास 9587250588
50.	लाल हवेली परिसर में ब्लॉक-डी में निर्मित व्यावसायिक दुकानें	Shop-19	144 व.फी.	-	20000/- प्र.व.फी.	58000/-	सुश्री सोनम जैन 6378521569 श्री कुलदीप तंवर 9587406054
51.	मुकुन्दरा विहार में आवासीय योजना योजना	441	12×21=252 व.मी. =2711.52 व.फी.	10000/- प्र.व.मी.	3000/- प्र.व.फी.	163000/-	श्री प्रदीप असवाल 9571619111 श्रीमती नीलम व्यास 9587250588
ई-ऑक्शन की प्रारम्भ तिथि 23.09.2024 ई-ऑक्शन की सामप्ति तिथि 25.09.2024							
52.	चाणक्यपुरी आवासीय कम व्यावसायिक योजना	8	7.5×15=112.5 व.मी. =1210.5 व.फी.	6000/- प्र.व.मी.	5000/- प्र.व.फी.	121500/-	श्री प्रदीप असवाल 9571619111 श्रीमती नीलम व्यास 9587250588
53.	आरोग्य नगर आवासीय योजना	183	12×21=252 व.मी. =2711.52 व.फी.	7500/- प्र.व.मी.	5500/- प्र.व.फी.	298500/-	श्री प्रदीप असवाल 9571619111 श्रीमती नीलम व्यास 9587250588
54.	मुकुन्दरा विहार में आवासीय योजना योजना	443	12×21=252 व.मी. =2711.52 व.फी.	10000/- प्र.व.मी.	3000/- प्र.व.फी.	163000/-	श्री प्रदीप असवाल 9571619111 श्रीमती नीलम व्यास 9587250588
ई-ऑक्शन की प्रारम्भ तिथि 24.09.2024 ई-ऑक्शन की सामप्ति तिथि 26.09.2024							
55.	चाणक्यपुरी आवासीय कम व्यावसायिक योजना	9	7.5×15=112.5 व.मी. =1210.5 व.फी.	6000/- प्र.व.मी.	5000/- प्र.व.फी.	121500/-	श्री प्रदीप असवाल 9571619111 श्रीमती नीलम व्यास 9587250588
56.	आरोग्य नगर आवासीय योजना	184	12×21=252 व.मी. =2711.52 व.फी.	7500/- प्र.व.मी.	5500/- प्र.व.फी.	298500/-	श्री प्रदीप असवाल 9571619111 श्रीमती नीलम व्यास 9587250588
57.	मुकुन्दरा विहार में आवासीय योजना योजना	444	12×21=252 व.मी. =2711.52 व.फी.	10000/- प्र.व.मी.	3000/- प्र.व.फी.	163000/-	श्री प्रदीप असवाल 9571619111 श्रीमती नीलम व्यास 9587250588
ई-ऑक्शन की प्रारम्भ तिथि 25.09.2024 ई-ऑक्शन की सामप्ति तिथि 27.09.2024							
58.	चाणक्यपुरी आवासीय कम व्यावसायिक योजना	21	7.5×15=112.5 व.मी. =1210.5 व.फी.	6000/- प्र.व.मी.	5000/- प्र.व.फी.	121500/-	श्री प्रदीप असवाल 9571619111 श्रीमती नीलम व्यास 9587250588
59.	आरोग्य नगर आवासीय योजना	185	12×21=252 व.मी. =2711.52 व.फी.	7500/- प्र.व.मी.	5500/- प्र.व.फी.	298500/-	श्री प्रदीप असवाल 9571619111 श्रीमती नीलम व्यास 9587250588
60.	मुकुन्दरा विहार में आवासीय योजना योजना	445	12×21=252 व.मी. =2711.52 व.फी.	10000/- प्र.व.मी.	3000/- प्र.व.फी.	163000/-	श्री प्रदीप असवाल 9571619111 श्रीमती नीलम व्यास 9587250588
ई-ऑक्शन की प्रारम्भ तिथि 26.09.2024 ई-ऑक्शन की सामप्ति तिथि 30.09.2024							
61.	चाणक्यपुरी आवासीय कम व्यावसायिक योजना	24	7.5×15=112.5 व.मी. =1210.5 व.फी.	6000/- प्र.व.मी.	5000/- प्र.व.फी.	121500/-	श्री प्रदीप असवाल 9571619111 श्रीमती नीलम व्यास 9587250588
62.	आरोग्य नगर आवासीय योजना	186	12×21=252 व.मी. =2711.52 व.फी.	7500/- प्र.व.मी.	5500/- प्र.व.फी.	298500/-	श्री प्रदीप असवाल 9571619111 श्रीमती नीलम व्यास 9587250588
63.	मुकुन्दरा विहार में आवासीय योजना योजना	446	12×21=252 व.मी. =2711.52 व.फी.	10000/- प्र.व.मी.	3000/- प्र.व.फी.	163000/-	श्री प्रदीप असवाल 9571619111 श्रीमती नीलम व्यास 9587250588
ई-ऑक्शन की प्रारम्भ तिथि 27.09.2024 ई-ऑक्शन की सामप्ति तिथि 01.10.2024							
64.	चाणक्यपुरी आवासीय कम व्यावसायिक योजना	34	7.5×15=112.5 व.मी. =1210.5 व.फी.	6000/- प्र.व.मी.	5000/- प्र.व.फी.	121500/-	श्री प्रदीप असवाल 9571619111 श्रीमती नीलम व्यास 9587250588
65.	आरोग्य नगर आवासीय योजना	187	12×21=252 व.मी. =2711.52 व.फी.	7500/- प्र.व.मी.	5500/- प्र.व.फी.	298500/-	श्री प्रदीप असवाल 9571619111 श्रीमती नीलम व्यास 9587250588
66.	चाणक्यपुरी आवासीय योजना	01 कॉर्नर	13.90×21=291.90 व.मी. =3140.84 व.फी.	6000/- प्र.व.मी.	3520/- प्र.व.फी.	221500/-	श्री प्रदीप असवाल 9571619111 श्रीमती नीलम व्यास 9587250588
ई-ऑक्शन की प्रारम्भ तिथि 30.09.2024 ई-ऑक्शन की सामप्ति तिथि 04.10.2024							
67.	चाणक्यपुरी आवासीय कम व्यावसायिक योजना	41	7.5×15=112.5 व.मी. =1210.5 व.फी.	6000/- प्र.व.मी.	5000/- प्र.व.फी.	121500/-	श्री प्रदीप असवाल 9571619111 श्रीमती नीलम व्यास 9587250588
68.	आरोग्य नगर आवासीय योजना	188	12×21=252 व.मी. =2711.52 व.फी.	7500/- प्र.व.मी.	5500/- प्र.व.फी.	298500/-	श्री प्रदीप असवाल 9571619111 श्रीमती नीलम व्यास 9587250588
69.	चाणक्यपुरी आवासीय योजना	02	12×21=252 व.मी. =2711.52 व.फी.	6000/- प्र.व.मी.	3200/- प्र.व.फी.	174000/-	श्री प्रदीप असवाल 9571619111 श्रीमती नीलम व्यास 9587250588
ई-ऑक्शन की प्रारम्भ तिथि 01.10.2024 ई-ऑक्शन की सामप्ति तिथि 07.10.2024							
70.	चाणक्यपुरी आवासीय कम व्यावसायिक योजना	42	7.5×15=112.5 व.मी. =1210.5 व.फी.	6000/- प्र.व.मी.	5000/- प्र.व.फी.	121500/-	श्री प्रदीप असवाल 9571619111 श्रीमती नीलम व्यास 9587250588
71.	आरोग्य नगर आवासीय योजना	189	12×21=252 व.मी. =2711.52 व.फी.	7500/- प्र.व.मी.	5500/- प्र.व.फी.	298500/-	श्री प्रदीप असवाल 9571619111 श्रीमती नीलम व्यास 9587250588
72.	चाणक्यपुरी आवासीय योजना	06	12×21=252 व.मी. =2711.52 व.फी.	6000/- प्र.व.मी.	3200/- प्र.व.फी.	174000/-	श्री प्रदीप असवाल 9571619111 श्रीमती नीलम व्यास 9587250588
ई-ऑक्शन की प्रारम्भ तिथि 04.10.2024 ई-ऑक्शन की सामप्ति तिथि 08.10.2024							
73.	चाणक्यपुरी आवासीय कम व्यावसायिक योजना	43	7.5×15=112.5 व.मी. =1210.5 व.फी.	6000/- प्र.व.मी.	5000/- प्र.व.फी.	121500/-	श्री प्रदीप असवाल 9571619111 श्रीमती नीलम व्यास 9587250588
74.	आरोग्य नगर आवासीय योजना	190	12×21=252 व.मी. =2711.52 व.फी.	7500/- प्र.व.मी.	5500/- प्र.व.फी.	298500/-	श्री प्रदीप असवाल 9571619111 श्रीमती नीलम व्यास 9587250588
75.	चाणक्यपुरी आवासीय योजना	07 कॉर्नर	19.50×21=409.5 व.मी. =4400.22 व.फी.	6000/- प्र.व.मी.	3520/- प्र.व.फी.	310500/-	श्री प्रदीप असवाल 9571619111 श्रीमती नीलम व्यास 9587250588
ई-ऑक्शन की प्रारम्भ तिथि 07.10.2024 ई-ऑक्शन की सामप्ति तिथि 09.10.2024							
76.	चाणक्यपुरी आवासीय कम व्यावसायिक योजना	44	7.5×15=112.5 व.मी. =1210.5 व.फी.	6000/- प्र.व.मी.	5000/- प्र.व.फी.	121500/-	श्री प्रदीप असवाल 9571619111 श्रीमती नीलम व्यास 9587250588
77.	आरोग्य नगर आवासीय कम व्यावसायिक योजना	57-ए	7.5×15=112.5 व.मी. =1210.5 व.फी.	7500/- प्र.व.मी.	10000/- प्र.व.फी.	242500/-	श्री प्रदीप असवाल 9571619111 श्रीमती नीलम व्यास 9587250588
78.	चाणक्यपुरी आवासीय योजना	10	10.50×21=220.5 व.मी. =2372.58 व.फी.	6000/- प्र.व.मी.	3200/- प्र.व.फी.	152000/-	श्री प्रदीप असवाल 9571619111 श्रीमती नीलम व्यास 9587250588
ई-ऑक्शन की प्रारम्भ तिथि 08.10.2024 ई-ऑक्शन की सामप्ति तिथि 10.10.2024							
79.	चाणक्यपुरी आवासीय कम व्यावसायिक योजना	45	7.5×15=112.5 व.मी. =1210.5 व.फी.	6000/- प्र.व.मी.	5000/- प्र.व.फी.	121500/-	श्री प्रदीप असवाल 9571619111 श्रीमती नीलम व्यास 9587250588
80.	आरोग्य नगर आवासीय कम व्यावसायिक योजना	57-बी	7.5×15=112.5 व.मी. =1210.5 व.फी.	7500/- प्र.व.मी.	10000/- प्र.व.फी.	242500/-	श्री प्रदीप असवाल 9571619111 श्रीमती नीलम व्यास 9587250588
81.	चाणक्यपुरी आवासीय योजना	11	10.50×21=220.5 व.मी. =2372.58 व.फी.	6000/- प्र.व.मी.	3200/- प्र.व.फी.	152000/-	श्री प्रदीप असवाल 9571619111 श्रीमती नीलम व्यास 9587250588
ई-ऑक्शन की प्रारम्भ तिथि 09.10.2024 ई-ऑक्शन की सामप्ति तिथि 14.10.2024							
82.	चाणक्यपुरी आवासीय कम व्यावसायिक योजना	51	7.5×15=112.5 व.मी. =1210.5 व.फी.	6000/- प्र.व.मी.	5000/- प्र.व.फी.	121500/-	श्री प्रदीप असवाल 9571619111 श्रीमती नीलम व्यास 9587250588
83.	चाणक्यपुरी आवासीय योजना	12	10.50×21=220.5 व.मी. =2372.58 व.फी.	6000/- प्र.व.मी.	3200/- प्र.व.फी.	152000/-	श्री प्रदीप असवाल 9571619111 श्रीमती नीलम व्यास 9587250588
84.	जयपुर गोल्डन परिसर नवनिर्मित पार्किंग स्थल में निर्मित व्यावसायिक दुकानें	Shop-1	49.50 व.फी.	-	12000/- प्र.व.फी.	12000/-	सुश्री सोनम जैन 6378521569 श्री कुलदीप तंवर 9587406054
ई-ऑक्शन की प्रारम्भ तिथि 10.10.2024 ई-ऑक्शन की सामप्ति तिथि 15.10.2024							
85.	चाणक्यपुरी आवासीय योजना	16 कॉर्नर	13.50×19.50=263.25 व.मी.=2832.57 व.फी.	6000/- प्र.व.मी.	3520/- प्र.व.फी.	199500/-	श्री प्रदीप असवाल 9571619111 श्रीमती नीलम व्यास 9587250588
86.	चाणक्यपुरी आवासीय कम व्यावसायिक योजना	53	7.5×15=112.5 व.मी. =1210.5 व.फी.	6000/- प्र.व.मी.	5000/- प्र.व.फी.	121500/-	श्री प्रदीप असवाल 9571619111 श्रीमती नीलम व्यास 9587250588
87.	जयपुर गोल्डन परिसर नवनिर्मित पार्किंग स्थल में निर्मित व्यावसायिक दुकानें	Shop-9	174.95 व.फी.	-	12000/- प्र.व.फी.	42000/-	सुश्री सोनम जैन 6378521569 श्री कुलदीप तंवर 9587406054
ई-ऑक्शन की प्रारम्भ तिथि 14.10.2024 ई-ऑक्शन की सामप्ति तिथि 16.10.2024							
88.	चाणक्यपुरी आवासीय योजना	68	12×21=252 व.मी. =2711.52 व.फी.	6000/- प्र.व.मी.	3200/- प्र.व.फी.	174000/-	श्री प्रदीप असवाल 9571619111 श्रीमती नीलम व्यास 9587250588
89.	चाणक्यपुरी आवासीय कम व्यावसायिक योजना	55	7.5×15=112.5 व.मी. =1210.5 व.फी.	6000/- प्र.व.मी.	5000/- प्र.व.फी.	121500/-	श्री प्रदीप असवाल 9571619111 श्रीमती नीलम व्यास 9587250588
90.	जयपुर गोल्डन परिसर नवनिर्मित पार्किंग स्थल में निर्मित व्यावसायिक दुकानें	Shop-11	167.21 व.फी.	-	12000/- प्र.व.फी.	40500/-	सुश्री सोनम जैन 6378521569 श्री कुलदीप तंवर 9587406054
ई-ऑक्शन की प्रारम्भ तिथि 15.10.2024 ई-ऑक्शन की सामप्ति तिथि 17.10.2024							
91.	चाणक्यपुरी आवासीय योजना	69	12×21=252 व.मी. =2711.52 व.फी.	6000/- प्र.व.मी.	3200/- प्र.व.फी.	174000/-	श्री प्रदीप असवाल 9571619111 श्रीमती नीलम व्यास 9587250588
92.	चाणक्यपुरी आवासीय कम व्यावसायिक योजना	56	7.5×15=112.5 व.मी. =1210.5 व.फी.	6000/- प्र.व.मी.	5000/- प्र.व.फी.	121500/-	श्री प्रदीप असवाल 9571619111 श्रीमती नीलम व्यास 9587250588
93.	जयपुर गोल्डन परिसर नवनिर्मित पार्किंग स्थल में निर्मित व्यावसायिक दुकानें	Shop-12	172.33 व.फी.	-	12000/- प्र.व.फी.	41500/-	सुश्री सोनम जैन 6378521569 श्री कुलदीप तंवर 9587406054
ई-ऑक्शन की प्रारम्भ तिथि 16.10.2024 ई-ऑक्शन की सामप्ति तिथि 18.10.2024							
94.	चाणक्यपुरी आवासीय योजना	70	12×21=252 व.मी. =2711.52 व.फी.	6000/- प्र.व.मी.	3200/- प्र.व.फी.	174000/-	श्री प्रदीप असवाल 9571619111 श्रीमती नीलम व्यास 9587250588
95.	चाणक्यपुरी आवासीय कम व्यावसायिक योजना	58	7.5×15=112.5 व.मी. =1210.5 व.फी.	6000/- प्र.व.मी.	5000/- प्र.व.फी.	121500/-	श्री प्रदीप असवाल 9571619111 श्रीमती नीलम व्यास 9587250588
96.	जयपुर गोल्डन परिसर नवनिर्मित पार्किंग स्थल में निर्मित व्यावसायिक दुकानें	Shop-15	200.67 व.फी.	-	12000/- प्र.व.फी.	49000/-	सुश्री सोनम जैन 6378521569 श्री कुलदीप तंवर 9587406054
ई-ऑक्शन की प्रारम्भ तिथि 17.10.2024 ई-ऑक्शन की सामप्ति तिथि 21.10.2024							
97.	चाणक्यपुरी आवासीय योजना	130 कॉर्नर	11.50×19.50=224.25 व.मी.=2412.93 व.फी.	6000/- प्र.व.मी.	3520/- प्र.व.फी.	170000/-	श्री प्रदीप असवाल 9571619111 श्रीमती नीलम व्यास 9587250588
98.	चाणक्यपुरी आवासीय कम व्यावसायिक योजना	70	7.5×15=112.5 व.मी. =1210.5 व.फी.	6000/- प्र.व.मी.	5000/- प्र.व.फी.	121500/-	श्री प्रदीप असवाल 9571619111 श्रीमती नीलम व्यास 9587250588
99.	लाल हवेली परिसर में ब्लॉक-डी में निर्मित व्यावसायिक दुकानें	Shop-12	144 व.फी.	-	20000/- प्र.व.फी.	58000/-	सुश्री सोनम जैन 6378521569 श्री कुलदीप तंवर 9587406054
ई-ऑक्शन की प्रारम्भ तिथि 18.10.2024 ई-ऑक्शन की सामप्ति तिथि 22.10.2024							
100.	चाणक्यपुरी आवासीय योजना	139 कॉर्नर	7.5×15=112.5 व.मी. =1210.5 व.फी.	6000/- प्र.व.मी.	3520/- प्र.व.फी.	85500/-	श्री प्रदीप असवाल 9571619111 श्रीमती नीलम व्यास 9587250588
101.	चाणक्यपुरी आवासीय कम व्यावसायिक योजना	72	7.5×15=112.5 व.मी. =1210.5 व.फी.	6000/- प्र.व.मी.	5000/- प्र.व.फी.	121500/-	श्री प्रदीप असवाल 9571619111 श्रीमती नीलम व्यास 9587250588
102.	लाल हवेली परिसर में ब्लॉक-डी में निर्मित व्यावसायिक दुकानें	Shop-13	130 व.फी.	-	20000/- प्र.व.फी.	52000/-	सुश्री सोनम जैन 6378521569 श्री कुलदीप तंवर 9587406054
ई-ऑक्शन की प्रारम्भ तिथि 21.10.2024 ई-ऑक्शन की सामप्ति तिथि 23.10.2024							
103.	चाणक्यपुरी आवासीय योजना	214 कॉर्नर	13.50×21=283.5 व.मी.=3050.46 व.फी.	6000/- प्र.व.मी.	3520/- प्र.व.फी.	215000/-	श्री प्रदीप असवाल 9571619111 श्रीमती नीलम व्यास 9587250588
104.	चाणक्यपुरी आवासीय कम व्यावसायिक योजना	73	7.5×15=112.5 व.मी. =1210.5 व.फी.	6000/- प्र.व.मी.	5000/- प्र.व.फी.	121500/-	श्री प्रदीप असवाल 9571619111 श्रीमती नीलम व्यास 9587250588
105.	लाल हवेली परिसर में ब्लॉक-डी में निर्मित व्यावसायिक दुकानें	Shop-14	130 व.फी.	-	20000/- प्र.व.फी.	52000/-	सुश्री सोनम जैन 6378521569 श्री कुलदीप तंवर 9587406054
ई-ऑक्शन की प्रारम्भ तिथि 22.10.2024 ई-ऑक्शन की सामप्ति तिथि 24.10.2024							
106.	चाणक्यपुरी आवासीय योजना	218	10.50×21=220.5 व.मी. =2372.58 व.फी.	6000/- प्र.व.मी.	3200/- प्र.व.फी.	152000/-	श्री प्रदीप असवाल 9571619111 श्रीमती नीलम व्यास 9587250588
107.	चाणक्यपुरी आवासीय कम व्यावसायिक योजना	77	7.5×15=112.5 व.मी. =1210.5 व.फी.	6000/- प्र.व.मी.	5000/- प्र.व.फी.	121500/-	श्री प्रदीप असवाल 9571619111 श्रीमती नीलम व्यास 9587250588
108.	लाल हवेली परिसर में ब्लॉक-डी में निर्मित व्यावसायिक दुकानें	Shop-15	139 व.फी.	-	20000/- प्र.व.फी.	56000/-	सुश्री सोनम जैन 6378521569 श्री कुलदीप तंवर 9587406054
ई-ऑक्शन की प्रारम्भ तिथि 23.10.2024 ई-ऑक्शन की सामप्ति तिथि 25.10.2024							
109.	चाणक्यपुरी आवासीय योजना	219	10.50×21=220.5 व.मी. =2372.58 व.फी.	6000/- प्र.व.मी.	3200/- प्र.व.फी.	152000/-	श्री प्रदीप असवाल 9571619111 श्रीमती नीलम व्यास 9587250588
110.	चाणक्यपुरी आवासीय कम व्यावसायिक योजना	76	7.5×15=112.5 व.मी. =1210.5 व.फी.	6000/- प्र.व.मी.	5000/- प्र.व.फी.	121500/-	श्री प्रदीप असवाल 9571619111 श्रीमती नीलम व्यास 9587250588
111.	लाल हवेली परिसर में ब्लॉक-डी में निर्मित व्यावसायिक दुकानें	Shop-16	102 व.फी.	-	20000/- प्र.व.फी.	41000/-	सुश्री सोनम जैन 6378521569 श्री कुलदीप तंवर 9587406054
ई-ऑक्शन की प्रारम्भ तिथि 24.10.2024 ई-ऑक्शन की सामप्ति तिथि 28.10.2024							
112.	चाणक्यपुरी आवासीय योजना	220	10.50×21=220.5 व.मी. =2372.58 व.फी.	6000/- प्र.व.मी.	3200/- प्र.व.फी.	152000/-	श्री प्रदीप असवाल 9571619111 श्रीमती नीलम व्यास 9587250588
113.	लाल हवेली परिसर में ब्लॉक-डी में निर्मित व्यावसायिक दुकानें	Shop-17	105 व.फी.	-	20000/- प्र.व.फी.	42000/-	सुश्री सोनम जैन 6378521569 श्री कुलदीप तंवर 9587406054
114.	आरोग्य नगर आवासीय योजना	181	12×21=252 व.मी. =2711.52 व.फी.	7500/- प्र.व.मी.	5500/- प्र.व.फी.	298500/-	श्री प्रदीप असवाल 9571619111 श्रीमती नीलम व्यास 9587250588
ई-ऑक्शन की प्रारम्भ तिथि 25.10.2024 ई-ऑक्शन की सामप्ति तिथि 29.10.2024							
115.	चाणक्यपुरी आवासीय योजना	221	10.50×21=220.5 व.मी. =2372.58 व.फी.	6000/- प्र.व.मी.	3200/- प्र.व.फी.	152000/-	श्री प्रदीप असवाल 9571619111 श्रीमती नीलम व्यास 9587250588
116.	लाल हवेली परिसर में ब्लॉक-डी में निर्मित व्यावसायिक दुकानें	Shop-18	54 व.फी.	-	20000/- प्र.व.फी.	22000/-	सुश्री सोनम जैन 6378521569 श्री कुलदीप तंवर 9587406054
117.	आरोग्य नगर आवासीय योजना	182	12×21=252 व.मी. =2711.52 व.फी.	7500/- प्र.व.मी.	5500/- प्र.व.फी.	298500/-	श्री प्रदीप असवाल 9571619111 श्रीमती नीलम व्यास 9587250588

1. All E-auctionwill be strated at 10:00 AM and closed at 11:00 AM on mentioned date inprogramme. 2. For further detail please log on https://lsg.rajasthan.gov.in/uitkota/#home/dpthome, Udhonline.rajasthan.gov.in (Helpline foronline support-01412560211) 3.KDA Kota Not Responsible for any networking problems.

सचिव, कोटा विकास प्राधिकरण कोटा

पवित्र माह श्रावण मास के चौथे सोमवार को मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने मुख्यमंत्री आवास परिसर में स्थित शिव मंदिर में भगवान महादेव की विधिवत् पूजा- अर्चना कर प्रदेशवासियों के मंगल व खुशहाल जीवन की कामना की।

मनीष सिसोदिया की तरह केजरीवाल की भी रिहाई होगी?

दिल्ली आबकारी नीति मामले में केजरीवाल की याचिका पर सुप्रीम कोर्ट ने शीघ्र सुनवाई के संकेत दिये

- **सुप्रीम कोर्ट ने मामले की पैरवी कर रहे वकील अभिषेक मनु सिंघवी को संबंधित मामले के संबंध में ईमेल भेजने के लिए कहा है।**
- **अगर ऐन मौके पर सी.बी.आई. की ओर से प्राथमिकी दर्ज नहीं की जाती तो केजरीवाल अब तक जेल से रिहा कर दिये गये होते। शीर्ष अदालत ने मनी लॉण्डरिंग के मामले में एनफोर्समैंट डायरैक्टोरेट की ओर से दर्ज मुकदमे में केजरीवाल को 12 जुलाई को अंतरिम जमानत दे दी थी।**

नयी दिल्ली, 12 अगस्त (वार्ता) उच्चतम न्यायालय ने दिल्ली आबकारी नीति कथित घोटाला मामले में मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) की ओर से गिरफ्तारी की वैधता को चुनौती देने वाली उनकी (मुख्यमंत्री) याचिका पर शीघ्र सुनवाई का सोमवार को संकेत दिया।

मुख्य न्यायाधीश डी वाई चंद्रचूड़ और न्यायमूर्ति जे बी पारदीवाला और न्यायमूर्ति मनोज मिश्रा की पीठ ने विचार करने का संकेत देते हुये वरिष्ठ अधिवक्ता ए एम सिंघवी और चंद्र उदय सिंह से मामले से संबंधित एक अनुरोध ईमेल के जरिये भेजने को कहा। दोनों अधिवक्ताओं ने विशेष उल्लेख के दौरान केजरीवाल का पक्ष रखते हुये उनकी याचिका को तत्काल सूचीबद्ध का अनुरोध किया था।

दिल्ली उच्च न्यायालय ने केजरीवाल के खिलाफ केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) की ओर से दर्ज मुकदमा रद्द करने और जमानत के लिये दायर उनकी याचिकायें पांच अगस्त को खारिज कर दी थी।

न्यायमूर्ति नीना बंसल कृष्णा की एकल पीठ ने अपना आदेश सुनाते हुये कहा था कि सीबीआई के पास केजरीवाल को गिरफ्तार करने का पर्याप्त कानूनी आधार था।

न्यायमूर्ति कृष्णा ने कहा था, यह नहीं कहा जा सकता कि गिरफ्तारी बिना किसी न्यायोचित कारण के की गयी। उच्च न्यायालय ने तब गुण-दोष के आधार पर इस मामले में कोई निर्णय लेने से इनकार कर दिया, लेकिन निचली अदालत का दरवाजा खटखटाने की छूट दी थी एकल पीठ ने जमानत याचिका पर कहा था कि याचिकाकर्ता को निचली अदालत जाने की छूट है। एकल पीठ के समक्ष सीबीआई के एसपीपी रिपीट एसपीपी डी पी सिंह ने दलील देते हुए कहा था कि आरोपी केजरीवाल भ्रष्टाचार के इस मामले सूत्रधार हैं और उनके खिलाफ इस मामले में स्पष्ट सबूत हैं। ईडी ने 21 मार्च और सीबीआई में 26 जून 2024 को आरोपी मुख्यमंत्री केजरीवाल को गिरफ्तार किया था।

सीबीआई ने प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के मुकदमे में मार्च से न्यायिक हिरासत में बंद आरोपी मुख्यमंत्री केजरीवाल को अदालत की अनुमति के बाद 25 जून को पूछताछ और फिर 26 जून को गिरफ्तार किया था।

आरक्षरण कोटे में कोटा के फैसले को लागू नहीं करेगी सरकार

गत 9 अगस्त को हुई कैबिनेट मीटिंग में ही प्र.मंत्री मोदी ने इस बारे में फैसले ले लिया था

- **कांग्रेस के दो मुख्यमंत्रियों ने खुलकर सुप्रीम कोर्ट फैसले का स्वागत किया था। लेकिन दलित नेताओं ने शुरू में ही अपना रुख स्पष्ट कर दिया था कि वो इस फैसले के साथ नहीं हैं।**

नई दिल्ली, 12 अगस्त। अगस्त महीने के पहले ही दिन सुप्रीम कोर्ट ने एस.सी-एस.टी. के कोटे में विभाजन को स्वीकार करके देश में दलित राजनीति पर सरगर्मियां बढ़ा दी थीं। कांग्रेस के दो मुख्यमंत्रियों ने खुलकर इस फैसले का स्वागत किया। पर दलित नेताओं ने शुरू में ही अपना रुख क्लियर कर दिया था कि वो इस फैसले के साथ नहीं हैं।

बीएसपी प्रमुख मायावती से लेकर लोजपा (रामविलास) तक सभी दलित नेता इस फैसले के विरोध में दिखाई दे रहे थे। संविधान बचाओ-आरक्षण बचाओ नारे का नुकसान झेल चुकी भाजपा फूंक-फूंक कर कदम रख रही थी। अंत में गत 9 अगस्त को भाजपा के एस.सी.-एस.टी. सांसदों ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात की।। प्रधानमंत्री ने सांसदों को आश्वासन दे दिया कि सुप्रीम कोर्ट के इस फैसले को लागू नहीं किया जाएगा. 9 अगस्त को ही देर रात केंद्रीय मंत्रिमंडल ने भी इस सिलसिले में फैसला ले लिया कि इस फैसले को लागू नहीं किया जाएगा। भाजपा के इस फैसले को देखते हुए इंडिया गठबंधन के दलों में हलचल मच गई। कांग्रेस और समाजवादी पार्टी ने भी आनन-फानन में फैसले लिए, देखते ही देखते दलित सब कोटे पर देश की राजनीति ही बदल गई।

सुप्रीम कोर्ट ने दलित सब कोटे के फैसले पर जिस दिन मुहर लगाई उसी दिन तेलंगाना के मुख्यमंत्री रेवंथ रेड्डू ने फैसले का स्वागत करते हुए घोषणा कि उनके राज्य में भविष्य में होने वाली सभी भर्तियों में कोटे में कोटे के फैसले का पालन किया जाएगा।

कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने भी कहा कि उनके राज्य में जल्द ही इस फैसले का क्रियान्वयन किया जाएगा। इन दोनों में राज्यों में कांग्रेस की सरकारें होने के चलते आम तौर पर यही धारणा बनी कि पार्टी इस फैसले का स्वागत करेगी। पर कांग्रेस पार्टी का अधिकारिक बयान नहीं आया। हो सकता है कि कांग्रेस के नेता पहले भारतीय जनता पार्टी का रुख देखना चाह रहे हों. क्योंकि राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्राओं में महत्वपूर्ण भूमिका निभा चुके और सेफोलॉजिस्ट के रूप में मशहूर हो चुके योगेंद्र यादव ने इंडियन एक्सप्रेस में एक ऑर्टिकल लिखकर सुप्रीम कोर्ट के इस फैसले की भूरि-भूरि तारीफ की. यादव के इस लेख के बाद ऐसा माना जा रहा था कि राहुल गांधी भी इस फैसले की जल्द ही तारीफ करेंगे. पर इस बीच 9 अगस्त को बीजेपी ने सुप्रीम कोर्ट के दलित कोटे में कोटा बनाने के फैसले से दूरी बना ली। केंद्र सरकार ने क्लियर कर दिया कि सरकार भीम राव आंबेडकर के बनाए संविधान के हिसाब से आरक्षण लागू करने में विश्वास रखती है. जाहिर था कि कांग्रेस ने आनन-फानन में अपनी पॉलिसी बदली. 10 अगस्त को कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने भी दलित सब कोटे का विरोध कर दिया।

एस.आई. पेपर ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

खिलाफ पर्याप्त सबूत होने पर उनकी गिरफ्तारी की गई। एस.ओ.जी. ने गिरफ्तारी के 24 घंटे में आरोपियों को कोर्ट में पेश कर दिया और इसमें कानूनी प्रावधानों की अवहेलना नहीं हुई है। हालांकि सुप्रीम कोर्ट ने आरोपियों को कहा है कि वह ट्रायल कोर्ट के समक्ष अपने पक्ष में साक्ष्य पेश कर सकते हैं और नियमित जमानत की अर्जी लगा सकते हैं।

मामले में आरोपी सुभाष बिश्नोई, राकेश भामू, मनीष बेनीवाल और दिनेश बिश्नोई, सुरेन्द्र कुमार व मालाराम ने दो एस.एल.पी. के जरिए राजस्थान हाईकोर्ट के 8 मई 2024 के आदेश को चुनौती दी थी। इस आदेश में राजस्थान हाईकोर्ट ने राज्य सरकार की अपील पर जयपुर मेट्रो-द्वितीय की सी.एम.एम. कोर्ट का, 11 ट्रेनी एस.आई. व एक कांस्टेबल सहित 12 आरोपियों की सशर्त रिहाई के निर्देश देने वाला 12 अप्रैल का आदेश रद्द कर दिया था। आरोपियों की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता सिद्धार्थ लूथरा व सिद्धार्थ दवे ने राजस्थान हाईकोर्ट के आदेश को रद्द कर सी.एम.एम. कोर्ट के आदेश को बहाल कर उन्हें जमानत देने का आग्रह किया था। इसके विरोध में राज्य सरकार के ए.ए.जी. शिवमंगल शर्मा ने कहा कि एस.ओ.जी. ने आरोपियों को गिरफ्तारी के 24 घंटे में ही कोर्ट में पेश कर दिया था और इससे पहले उन्हें पूछताछ के लिए ही बुलाया था।

भाजपा व विपक्ष यू.पी. के बाय...

- **सपा उपचुनाव में मिल्कीपुर सीट पर भी जीतना चाहती है, पर 12 वर्ष की बालिका के साथ सपा के दो कार्यकर्ताओं मोईद खान व राजू खान द्वारा बलात्कार किए जाने से सपा के जीतने की संभावना कमज़ोर हो गई है।**
- **12 वर्षीय बालिका से बलात्कार की घटना और बांग्लादेश में हिंदुओं के साथ हो रही हिंसा के कारण भाजपा के पक्ष में माहौल सा बनता लग रहा है।**

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

पूरा जोर इसलिये लगा रही है ताकि वह फैजाबाद (अयोध्या) लोकसभा सीट पर समाजवादी पार्टी के अवधेश प्रसाद के हाथों हुई अपनी हार का बदला ले सके। ज्ञातव्य है कि सपा कार्यकर्ता मोइन खान तथा राजू खान द्वारा 12 वर्षीय बालिका के साथ किये गये गैंग रेप के बाद, अवधेश प्रसाद की जीत की आभा मंद पड़ गई है।

जहाँ मिल्कीपुर का जातीय गणित बड़े पैमाने पर सपा के पक्ष में दिखाई दे रहा है, वहीं भाजपा को उक्त गैंगरेप मामले के बाद इस क्षेत्र का माहौल उसके पक्ष में हो जाने की आशा है। इसी के साथ, भाजपा बाँग्लादेश में हिन्दुओं पर हो रहे हमलों के खिलाफ अपने प्रचार-अभियान को लेकर भी आशान्वित है।

जहाँ इंडिया ब्लॉक ने लोकसभा चुनावों में उसे मिला लाभ अभी गँवाया नहीं है, लेकिन गठबन्धन को दो अन्य मोर्चों पर चुनौतियों का सामना करना है। पहली, कांग्रेस और सपा दोनों ने ही सर्वोच्च न्यायालय के उस फैसले पर चुप्पी साध रखी है, जिसमें अनुसूचित जातियों एवं जनजातियों को कोटा के अन्दर कोटा की स्वीकृति दे दी गई है। दूसरी, मायावती का यह निर्णय, कि वे इन चुनावों में उतरेंगी।

उपचुनाव नहीं लड़ने की अपनी पुरानी परम्परा के विपरीत, बसपा ने निर्णय लिया है कि वह इन चुनावों को पूरी ताकत से लड़ेगी। बसपा आज अपने पूर्व स्वरूप की छाया मात्र रह गई है तथा उसका प्रभाव काफी कम हो गया है, लेकिन उसमें अभी इतनी क्षमता तो है कि वह इस फैसले को किसी राजनैतिक दल या गठबन्धन के पक्ष में या खिलाफ प्रभावित कर सके। वर्तमान परिदृश्य में ज्यादा सम्भावना इसी बात की है कि मायावती के उम्मीदवार इंडिया ब्लॉक के उम्मीदवारों की चुनावी सम्भावनाओं पर प्रतिकूल असर डालेंगे।

डॉ. किरोड़ी ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

दो दिनों से सक्रिय होने के बाद, उनके फिर से मंत्री पद पर लौटने की सियासी चर्चाओं ने जन्म लिया है। इसी बीच आज भाजपा प्रदेशाध्यक्ष मदन राठौड़ के, किरोड़ी के जल्द कामकाज संभालने के बयान के बाद इन सियासी चर्चाओं को बल मिला है। मदन राठौड़ ने आज प्रदेश भाजपा कार्यालय में मीडिया से बात करते हुए कहा कि किरोड़ीलाल मीणा जल्द ही मंत्री पद का कामकाज संभालेंगे। मेरी उनसे बात हुई है और मुझे पूरा विश्वास है कि मैं उन्हें मनाने में कामयाब हो जाऊंगा। उन्होंने भावनात्मक रूप से मंत्री पद से इस्तीफा दिया था, जिसे स्वीकार नहीं किया गया है, और न इसे स्वीकार किया जाएगा।

ये माधवी पुरी बुच ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

से एम.बी.ए. किया था। उनके करियर की शुरुआत आई.सी.आई. बैंक से हुई थी। वर्ष 1993-95 के बीच उन्होंने इंग्लैंड के वैस्ट चार्ल्स कॉलेज के बतौर लैक्चरर काम किया। बारह साल तक उन्होंने कई कम्पनियों के सेल्स, मार्केटिंग और प्रोडक्ट डवलपमैंट के क्षेत्र में काम किया।

वर्ष 2006 में उन्होंने आई.सी.आई.सी.आई. सिक्यूरिटीज को जॉइन किया तथा बाद में 2009 से 2011 तक इसके सी.ई.ओ. पद पर काम किया और 2011 में वे ग्रेटर पैसिफिक कैपिटल को जॉइन करने के लिए सिंगापुर चली गईं। उन्होंने कई कम्पनियों जैसे जैन्सर टैक्नॉलजीज़, इन्गो वैन कैपिटल और मैक्स हैल्थ केयर के एग्ज़ीक्युटिव डायरैक्टर के पद पर काम किया। उन्होंने इंडियन स्कूल ऑफ डवलपमैंट मैनेजमैंट के डायरैक्टर पद पर और न्यू डवलपमैंट बैंक में सलाहकार पद पर अपनी सेवाएं दी थीं। अप्रैल 2017 में उन्हें सेबी का पूर्णकालिक डायरैक्टर बनाया गया तथा कलैक्टिव इन्वैस्टमैंट स्कीम्स, सर्विलांस एवं इन्वैस्टमैंट मैनेजमैंट का विभाग दिया गया। जब उनका कार्यकाल खत्म हुआ तो उन्हें सात सदस्यों वाली टैक्नॉलॉजी कमेटी में लिया गया, जिसका गठन हाउस टैक्नॉलॉजी सिस्टम के विकास में सेबी की मदद के लिए किया गया था, टैक्नॉलॉजी और डेटा एनॉस्टिक एप्टीट्यूड में महारथ के कारण उन्होंने इसमें भी क़ई लैंडमार्क फैसले दिए।

18 साल की उम्र में उनकी सगाई धवल बुच से हुई जो कि तब एफ.एम.सी.जी. मल्टीनैशनल, यूनिलीवर में डायरैक्टर थे। जब माधवी 21 वर्ष की हुईं तब उनकी शादी हो गई, जिससे उन्हें एक बेटा है अभय। वे अपनी सफलता का श्रेय अपने बेटे और पति को देती हैं, जिन्हें वे अपना मित्र, सलाहकार व गाइड मानती हैं। जब 26/11 हुआ था, उस समय वे अपने पति के साथ ताज होटल में युनिलीवर की मीटिंग में थी।

हिंडनबर्ग ने माधवी और उनके पति पर बेनामी ऑफ शोर कम्पनियों के निवेश से लेकर अडानी की कम्पनियों के शेयर्स के दाम कृत्रिम रुप से बढ़ाने का आरोप लगाया है।

उप मुख्यमंत्री...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

कुमारी अधिकारियों की बैठक लेने पहुँचीं, तभी एक युवक तेजी से दौड़ता हुआ कलैक्ट्रेट सभागार के अंदर घुस गया। युवक के अंदर घुसने पर सुरक्षाकर्मी हरकत में आ गए और उसे दबोच लिया तथा सिविल लाइन थाना पुलिस ने उसे हिरासत में ले लिया। पुलिस युवक से पूछताछ कर रही है। युवक ने अपना नाम नियारा गांव निवासी हंसराज गुर्जर बताया है। युवक ने बताया कि बस स्टैंड पर उसका मोबाइल चोरी हो गया था। पुलिस में कोई सुनवाई नहीं होने के कारण वह यहाँ शिकायत दर्ज कराने आया था। पुलिस युवक से पूछताछ में जुटी है।

'हिंडनबर्ग की रिपोर्ट, भारत में आर्थिक अराजकता फैलाने का षड्यंत्र' है

भाजपा ने आरोप है लगाया कि कांग्रेस इस षड्यंत्र का मुख्य सूत्रधार है

नयी दिल्ली, 12 अगस्त (वार्ता) भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने हिंडनबर्ग की ताजा रिपोर्ट को झूठी और भारत के विरुद्ध दुष्प्रचार करार देते हुए आज कहा कि कांग्रेस ने हिंडनबर्ग के साथ देश में आर्थिक अराजकता फैलाने के लिए षड्यंत्र रचा है।

भाजपा के वरिष्ठ नेता एवं सांसद रविशंकर प्रसाद ने पार्टी के केन्द्रीय कार्यालय में आयोजित एक संवाददाता सम्मेलन में हिंडनबर्ग की रिपोर्ट, उसके आने के समय और तथ्यों पर सवाल उठाते हुए जमकर हमला किया।

प्रसाद ने कहा कि हिंडनबर्ग के मुख्य निवेशक जॉर्ज सोरॉस हैं, जो भारत के विरुद्ध नियमित दुष्प्रचार चलाते हैं। टूलकिट वालों को तो हिंदुस्तान के विकास से कोई मतलब नहीं है, लेकिन देश पर 55 वर्षों तक राज करने वाली कांग्रेस पार्टी और इंडी गठबंधन, एक सुनियोजित षड्यन्त्र के तहत हिंडनबर्ग के साथ मिल कर काम कर रहे हैं। देश के शेयर बाजार को अस्थिर करने की कोशिश के साथ आर्थिक अराजकता फ़ैलाने की साजिश हो रही है।

प्रसाद ने कहा कि तीसरी बार सत्ता से बेदखल होने के बाद कांग्रेस पार्टी, विपक्षी गठबंधन के नेता और इनको प्रोत्साहित करने वाले टूलकिट के लोग देश में आर्थिक अराजकता और आर्थिक अस्थिरता लाने का प्रयास कर रहा है। इसी कड़ी में हिंडनबर्ग की रिपोर्ट सामने आई है। यह रिपोर्ट शनिवार को आती है और रविवार को इसपर हल्ला मचाया जाता है, ताकि सोमवार को देश के पूंजी बाजार को अस्थिर कर दिया जाए। भारत की अर्थव्यवस्था बहुत तेजी से आगे बढ़ रही है। दुनिया के बड़े-बड़े वैश्विक संस्थानों ने भारत की वृद्धि दर की सराहना की है और देश में सबसे ज्यादा प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) आया है। भारत में कई संस्थागत और छोटे निवेशक हैं, जो मार्केट के रिटर्न से बहुत खुश हैं। सेबी की कानूनी जिम्मेदारी है कि शेयर बाजार ठीक से चले। सेबी अधिनियम में सुनवाई का प्रावधान है और निर्णय के खिलाफ अपील का भी प्रावधान है। देश के कैपिटल मार्केट प्रबंधन के लिए एक सशक्त वैधानिक संरचना है।

प्रसाद ने कहा कि पिछले साल हिंडनबर्ग की रिपोर्ट आई और जनवरी में उच्चतम न्यायालय का आदेश आया था, जिसके बाद 2024 में 22 जांच पूरी की गई। कांग्रेस जेपीसी की मांग करती है जबकि राहुल गांधी के पास वकीलों की फौज है, तो उन्होंने इन जांचों में सहयोग क्यों नहीं किया ? उच्चतम न्यायालय के आदेश पर हुई जांच के बाद, जुलाई में सेबी ने हिंडनबर्ग को नोटिस जारी किया कि वह कानून के विरोध में लगाए गए आरोपों पर जवाब दे। हिंडनबर्ग ने अपनी वेबसाइट पर भी नोटिस के कारण का जिक्र किया है।

सिंघानिया...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

बताने को कहा है कि सिंघानिया युनिवर्सिटी के खिलाफ एन.एम.सी. की ओर से शिकायत देने के बाद भी कार्रवाई क्यों नहीं की गई। जस्टिस समीर जैन ने यह आदेश सिंघानिया युनिवर्सिटी से एम.बी.बी.एस. करने वाली रंजना जांगड़ा व अन्य की याचिकाओं पर दिए।

सुनवाई के दौरान एन.एम.सी. की ओर से कहा गया कि उन्होंने राज्य सरकार को समय रहते हुए सूचना दे दी थी कि सिंघानिया युनिवर्सिटी को एम.बी.बी.एस. कोर्स चलाने की मंजूरी नहीं है, इसलिए युनिवर्सिटी के एम.बी.बी.एस. कोर्स को बंद किया जाए। वहीं, यू.जी.सी. ने कहा कि उन्होंने तो केवल युनिवर्सिटी को बी.एड. सहित अन्य कोर्स चलाने की मंजूरी दी थी, उन्होंने एम.बी.बी.एस. कोर्स चलाने के लिए कभी अनुमति नहीं दी थी। अदालत ने एन.एम.सी. व यू.जी.सी. का पक्ष जानने के बाद राज्य के ए.सी.एस. उच्च शिक्षा को उपस्थित होकर स्पष्टीकरण देने के लिए कहा है। मामले से जुड़े अधिवक्ता सुनील कुमार सिंगोदिया ने बताया कि याचिकाकर्ताओं ने वर्ष 2016-17 में नीट की परीक्षा दी थी और उसमें वे पात्र घोषित किए गए। इस दौरान सिंघानिया वि.वि. ने एक विज्ञापन जारी कर एम.बी.बी.एस. कोर्स में प्रवेश के लिए आवेदन मांगे। जिस पर याचिकाकर्ताओं ने युनिवर्सिटी में एम.बी.बी.एस. कोर्स में प्रवेश ले लिया और 2022 में एम.बी.बी.एस. कोर्स कर भी लिया, लेकिन जब उन्होंने आर.एम.सी. में रजिस्ट्रेशन के लिए आवेदन किया तो यह कहते हुए उनका रजिस्ट्रेशन करने से मना कर दिया गया कि सिंघानिया युनिवर्सिटी एन.एम.सी. से मान्यता प्राप्त नहीं है और इसलिए उनका एम.बी.बी.एस. कोर्स वैध नहीं है। इस कार्रवाई को हाईकोर्ट में चुनौती देते हुए याचिकाकर्ताओं ने आर.एम.सी. में उनका रजिस्ट्रेशन करवाने और उनकी एम.बी.बी.एस. की डिग्री को वैध करार देने का आग्रह किया।

प्रियंका गांधी ने बांग्लादेश के हिन्दुओं का मुददा उठाया

नयी दिल्ली, 12 अगस्त (वार्ता) कांग्रेस नेता प्रियंका गांधी वाड्रा ने बंगलादेश में अल्पसंख्यक हिंदुओं पर हो रहे अत्याचार पर गहरी चिंता व्यक्त करते हुए उम्मीद जताई है कि वहां जल्द ही सामान्य स्थिति बहाल हो जाएगी।

प्रियंका गांधी ने कहा पड़ोसी देश बंगलादेश में अल्पसंख्यक हिंदुओं पर लगातार हमलों की खबरें विचलित करने वाली हैं। किसी भी सभ्य समाज में धर्म, जाति, भाषा या पहचान के आधार पर भेदभाव, हिंसा और हमले अस्वीकार्य हैं।

उन्होंने जल्द ही हालात में सुधार की उम्मीद जताई और कहा हमें उम्मीद है कि बांग्लादेश में जल्द हालात सामान्य होंगे और वहां की नवनिर्वाचित सरकार हिंदू, ईसाई और बौद्ध धर्म को मानने वाले लोगों के लिए सुरक्षा व सम्मान सुनिश्चित करेगी।

सेबी की चेयरमैन माधवी पुरी बुच की भूमिका पर तलवारें ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

हुआ था।

हिंडनबर्ग ने आरोप लगाया है कि बुच और उनके पति के उसी गुमनाम ऑफशोर बरमूडा एंड मॉरिशस फंड्स में कुछ छिपी हुई हिस्सेदारी थी। यह फर्म उसी कॉम्प्लेक्स में पाई गई। बरमूडा एंड मॉरिशस फंड्स का उपयोग विनोद अडानी करता था।

रिपोर्ट कहती है कि जब बुच सेबी की पूर्णकालिक सदस्य थी, उसका ऑफशोर फंड के मैनेजरों से सम्पर्क रहता था तथा उसने "इंडिया इन्फोलाइन" को पत्र लिखा कि फंड की इकाइयों को मुक्त किया जाये। इसी दौरान, उसकी रूचि सिंगापुर की एक ऑफशोर कन्सल्टिंग फर्म "अगोरा" में हो गई तथा सेबी की चेयरपर्सन नियुक्त हाने के केवल दो सप्ताह बाद ही उसने अपने शेयर अपने पति के नाम ट्रांसफर कर दिये थे।

हिंडनबर्ग रिपोर्ट में आगे कहा गया है कि 40 से अधिक मीडिया जाँचों द्वारा प्रस्तुत एवं पुष्ट साक्ष्यों के बावजूद, सेबी ने अडानी ग्रुप के खिलाफ कोई खास सार्वजनिक कार्यवाही नहीं की है।

रिपोर्ट कहती है कि सेबी की निष्क्रियता को उसी फंड को काम में लेने की बुच की सहअपराधिता से जोड़ा जा सकता है, जो अब संवीक्षा के अधीन है।

हिंडनबर्ग रिपोर्ट में कहा गया है कि अडानी पर आई उसकी रिपोर्ट से लेकर अब तक के 18 महीनों में, "सेबी ने अडानी के मॉरिशस तथा ऑफशोर फर्जी फर्मों के अडानी के कथित गुप्त जाल में बहुत ही कम रूचि दिखाई।"

सेबी प्रमुख तथा उसके पति ने "रिपोर्ट में लगाए आरोपों का निराधार तथा कपटपूर्ण बताया और इनसे इन्कार किया।

बोर्ड के सदस्यों के लिये सेबी का विधान कहता है कि वे अपने हितों, जो उनकी ड्यूटी के खिलाफ हो सकते हैं तथा परिजनों ट्रांज़ेकशन्स को उजागर करें।

किन्तु इस नवीनतम विवाद को देखते हुए यह पूछा जाना जरूरी है: जब नियामक अडानी ग्रुप से जुड़े आरोपों की जाँच-पड़ताल कर रहा था, तो जो बातें सामने आईं, उन्हें सार्वजनिक क्यों नहीं किया गया?

अडानी ग्रुप ने भी अपनी नियमित बीफ्रिंग में हिंडनबर्ग के आरोपों को दुर्भावनापूर्ण, बचकाना और चालाकीपूर्ण बताते हुए कहा है कि तथ्यों और कानून की जबरन उपेक्षा कर सार्वजनिक जानकारी के चुनिंदा अंशों को व्यक्तिगत लाभ के लिए पूर्व निर्धारित निर्णयों के साथ प्रस्तुत किया गया। भाजपा ने सोमवार को आरोप लगाया कि हंगरी मूल के अमेरिकी निवेशक जॉर्ज सोरोस हिंडनबर्ग रिसर्च के मुख्य निवेशक हैं। भाजपा सांसद रविशंकर प्रसाद को यह कहते हुए उद्धृत किया गया कि "आज हम कुछ मुद्दे उठाना चाहते हैं। हिंडनबर्ग में किसका निवेश है? क्या आप जॉर्ज सोरोस नामक सज्जन को जानते हैं जो भारत के खिलाफ नियमित रूप से दुष्प्रचार करते हैं। वे इसके मुख्य निवेशक हैं। उनके दिल में नरेन्द्र मोदी के प्रति घृणा भरी हुई है। आज कांग्रेस पार्टी भी भारत से घृणा करने लगी है।

उन्होंने आगे कहा कि "यदि भारत के शेयर बाजार में उथल-पुथल मचती है तो क्या छोटे निवेशकों को परेशानी नहीं होगी? कांग्रेस पार्टी के पास एक तो "टूलकिट" पॉलिटिक्स है और दूसरी है चिट पॉलीटिक्स। यदि परीक्षा में चिट्स पायी जाती है तो एक्शन लिया जाता है, लेकिन उस चिट्स का क्या करें जो कांग्रेस पार्टी और उसके नेताओं को मिलती हैं? वे पूरे शेयर बाजार को तबाह करना तथा छोटे निवेशकों के पूंजीगत निवेश को रोकना चाहते हैं और यह सुनिश्चित करना चाहते हैं कि भारत में कोई भी आर्थिक निवेश ना हो।"

लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने दावा किया है कि सेबी की अध्यक्ष के खिलाफ लगाए गए आरोपों से पता चलता है कि सेबी की विश्वसनीयता के साथ समझौता किया गया है और उसके बाद से भारतीय शेयर बाजार में स्थिति जोखिमपूर्ण है।

हाल ही आई हिंडनबर्ग रिपोर्ट को लेकर कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म "एक्स" पर डाली गई एक पोस्ट में मांग की कि सिक्युरिटीज़ एण्ड एक्सचेंज बोर्ड ऑफ इण्डिया (सेबी) की अध्यक्ष माधवी पुरी बुच के विरूद्ध लगाए गए आरोपों की जांच जॉइन्ट पॉर्लियामैन्टरी कमेटी (जे.पी.सी.) से करायी जानी चाहिए, क्योंकि सेबी ने हिंडनबर्ग की जनवरी 2023 की रिपोर्ट में हुए खुलासों के बाद प्रधानमंत्री के विश्वस्थ साथी अडानी को सुप्रीम कोर्ट के समक्ष क्लीन चिट दे दी थी। तथापि, सेबी प्रमुख पर आपसी सहायता करने के नए आरोप सामने आए हैं।

खड़गे ने आगे कहा कि "अपनी गाढ़ी कमाई का स्टॉक मार्केट में निवेश करने वाले लघु एवं मध्यम निवेशकों के संरक्षण की जरूरत है क्योंकि उनका सेबी पर विश्वास है। इस महाघोटाले की तह में जाने के लिए जे.पी.सी. जांच जरूरी है।

खड़गे ने कहा कि "तब तक यही माना जाएगा कि प्रधानमंत्री मोदी भारत के उन संवैधानिक संस्थानों की कीमत पर अपने सहयोगियों को बचाना जारी रखेंगे, जिन्हें पिछले सात दशकों में बड़ी मुश्किल से खड़ा किया गया है।"

हिंडनबर्ग रिपोर्ट पर सत्तारूढ़ पार्टी और विपक्ष के दावों-प्रतिदावों के बावजूद पर्याप्त मात्रा में ऐसे दस्तावेजी साक्ष्य मौजूद हैं कि मोदी सरकार द्वारा नियुक्त सेबी अध्यक्ष ने पक्षतापपूर्ण काम किया। सुप्रीम कोर्ट द्वारा दिए गए जांच के आदेश से उन्हें स्वयं को अलग कर लेना चाहिए था।

शीर्ष अदालत के हिसाब से देखा जाए तो सुस्पष्ट है कि सेबी के निर्णय संदेहास्पद तथा सही नहीं थे। सुप्रीम कोर्ट को सभी बातों को ध्यान में रख नए रहस्योद्घाटनों के हिसाब से स्वत: प्रेरित संज्ञान लेना चाहिए। कोर्ट को अडानी के प्रति पक्षपात करने को लेकर बुच के भी गुणागुण की जांच करनी चाहिए।

सुप्रीम कोर्ट को बुच ने यह प्रश्न करना चाहिए कि जब वह यह दावा करती हैं कि उनके धन का लेन-देन एक खुली किताब है तो फिर वह बेनामी विदेशी इकाईयों के जरिए अपने धन को क्यों घुमा रही हैं?

राष्ट्रदूत (एच.यू.एफ.) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस, सुधर्मा, एम.आई.रोड़, जयपुर एवं सुधर्मा-II, लालकोठी शॉपिंग सेंटर, टोंक रोड़, जयपुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक:- राजेश शर्मा । आर.एन.आई. नं. 3641/57, ई-मेल-rastrdut@gmail.com कोटा कार्यालय:-पलायथा हाउस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन:2386031, 2386032, फैक्स:0744-2386033 बीकानेर कार्यालय:-कुंभाना हाउस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन:2200660, फैक्स: 0151-2527371 उदयपुर कार्यालय:-आयड, मेन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, 2418945, फैक्स: 0294-2410146 अजमेर कार्यालय:-घूघरा घाटी, जयपुर रोड,अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665 जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन: 226422, 226423, फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 चूरू कार्यालय: एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन: 256906, 256907, फैक्स:01562-256908